सूर्योदय 5:20 सूर्यास्त 7:18

आज का तापमान

शिमला	19.0 न्यू	29.0 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	35.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	75,868
निफ्टी	23,907
सोना 1,57,000	चांदी 2,62,000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | वीरवार, 28 मई 2026 | 14 ज्येष्ठ, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 149, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

पूर्व सीएम विजयन के घर आई ईडी टीम पर हमला

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम। केलरम के तिरुवनंतपुरम में पूर्व सीएम घर रेड डालने पहुंची प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर सीपीआई समर्थकों ने हमला किया है। 12 सदस्यीय टीम ने आज सुबह बेकरी जंक्शन स्थित पी विजयन के घर समेत 10 ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची थी। मामला उनकी बेटी की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस से जुड़ा हुआ है। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। इससे पहले मंगलवार को केरल हाईकोर्ट ने सीएमआरएल की याचिका खारिज कर दी थी। जिसके एक दिन बाद यह कार्रवाई हुई है। कंपनी ने ईडी की जांच रद्द करने की मांग की थी। ईडी ने इस मामले में 2024 में केस दर्ज किया था। (अनंत ज्ञान)

अफ्रीकी देशों से अहमदाबाद आए 11 लोग आइसोलेशन में

एजेंसी, अहमदाबाद। गुजरात में अहमदाबाद नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने इबोला वायरस के किसी भी संभावित फैलाव को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां की हैं। अफ्रीका के इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और हवाई अड्डे पर स्क्रीनिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अहमदाबाद नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने इबोला से निपटने के लिए आइसोलेशन वार्ड तैयार किए हैं। एहतियाती कदम के तौर पर पिछले तीन दिनों में अफ्रीका से अहमदाबाद आए 11 यात्रियों को होम क्वारंटाइन में रखा गया है, इनमें 9 भारतीय और 2 युगांडा के नागरिक शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

ट्विशा केस: पति समर्थ 29 तक सीबीआई रिमांड पर

एजेंसी, जबलपुर। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में एसआईटी ने आरोपी पति समर्थ सिंह को बुधवार को भोपाल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 29 मई तक सीबीआई रिमांड पर भेज दिया। सीबीआई की टीम समर्थ को लेकर उसके घर पहुंची है। घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है। एमपी हाईकोर्ट में रिटायर्ड जज और सास गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला रिजर्व रख लिया है। साथ ही सीबीआई को भी मामले में पक्षकार बनाया है। (अनंत ज्ञान)

नीट-यूजी पेपर लीक केस में दो और गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। सीबीआई ने नीट यूजी-2026 पेपर लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस केस में अब तक गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पहला नाम लातूर के डॉक्टर मनोज शिरुरे का है। शिरुरे ने तीन छात्रों तक लीक हुए केमिस्ट्री के सवाल पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इनमें एक छात्र एक आरोपी कोचिंग सेंटर मालिक का बेटा भी बताया जा रहा है। दूसरा आरोपी तेजस हर्षद कुमार शाह है, जो पुणे की डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी में फिजिक्स फैकल्टी के तौर पर काम करता है। जांच में सामने आया है कि तेजस शाह को नीट यूजी के फिजिक्स के लीक सवाल पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवालदार ने उपलब्ध कराए थे। (अनंत ज्ञान)

सीएम सुक्खू बोले-उत्तराखंड और पूर्वोत्तर राज्यों में भी बढ़ सकती हैं बादल फटने की घटनाएं

कहा-शिमला के सुनियोजित विकास व पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन के चलते भविष्य में बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा केवल हिमाचल प्रदेश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उत्तराखंड और पूर्वोत्तर राज्यों में भी ऐसी घटनाओं में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं का अब वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है, क्योंकि अब बादल फटने की घटनाएं केवल ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि निचले इलाकों में भी देखने को मिल रही हैं।

मुख्यमंत्री शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में नगर निगम शिमला मैं एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हिमाचल प्रदेश को स्वच्छ वातावरण, निर्मल जल और अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य का अनमोल

गेयटी थियेटर में उपस्थिति को संबोधित करते हुए सीएम सुक्खू।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला को दिया गया यह शहर हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है और इसके संरक्षण व सुनियोजित विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि शिमला, जो कभी घने जंगलों से घिरा था, आज तेजी से शहरी स्वरूप ले चुका है, ऐसे में पर्वतीय राज्य के लिए संतुलित विकास अनिवार्य है।

उन्होंने जानकारी दी कि शहर को तारों के जाल से मुक्त करने के लिए 145 करोड़ रुपये की भूमिगत डक्ट परियोजना पर काम चल रहा है। इसके अलावा सब्जी मंडी क्षेत्र में 600 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक परिसर और लिफ्ट क्षेत्र में अंडरपास निर्माण की योजना भी प्रस्तावित है। 24 घंटे पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 800 करोड़ रुपए की जलापूर्ति योजना भी लागू की जा रही है। साथ ही सर्कुलर रोड चौड़ीकरण और ग्रीन एरिया बढ़ाने के प्रयास भी जारी हैं ताकि शहर की हरित पहचान बनी रहे। मुख्यमंत्री ने बताया कि हिम-चंडीगढ़, हिम-पंचकूला और कांगड़ा में एयरो सिटी जैसी नई शहरी परियोजनाओं पर भी कार्य हो रहा है।

समाज को आत्ममंथन की आवश्यकता : तरलोक सिंह

झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान ने कहा कि समाज को आत्ममंथन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पार्किंग व्यवस्था के अभाव के बावजूद लोग लगातार वाहन खरीद रहे हैं, जिससे शहरों में यातायात का दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल समय में लगने वाले ट्रैफिक जाम के लिए केवल पर्यटक जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि हिमाचल में पंजीकृत वाहनों की संख्या भी इसका बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि शहरीकरण केवल जनसंख्या बढ़ने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज के पुनर्गठन का विषय है। लाखों लोग साझा संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन संस्थागत व्यवस्था इस परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को ढाल नहीं पा रही है। इसका सबसे अधिक प्रभाव समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ रहा है।

कसौली के जंगलों में भड़की आग

हेलिकॉप्टर से बरसाया पानी, सेना ने 15 घंटों बाद पाया काबू

अनंत ज्ञान

सोलन। हिमाचल प्रदेश में पड़ रही प्रचंड गर्मी के बीच जंगल धधक रहे हैं। सोलन जिला के पर्यटन स्थल कसौली में जंगलों में लगी भीषण आग को काबू में करने के लिए सेना, वायुसेना और स्थानीय प्रशासन को करीब 15 घंटे तक लगातार संघर्ष करना पड़ा। घने जंगलों, पहाड़ी ढलानों और कठिन रास्तों के बीच चले इस बड़े अभियान के बाद आखिरकार गिल्बर्ट ट्रेल और अपर मॉल क्षेत्र में फैली आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया गया है। आग बुझाने के लिए जमीन से लेकर आसमान तक एक साथ अभियान चलाया गया। आग की लपटें चंडीगढ़ तक देखी गईं।

दरअसल, 26 मई की दोपहर करीब तीन बजे कसौली के पश्चिमी ढलानों वाले जंगलों में आग भड़क उठी। तेज हवाओं और सूखे जंगलों की वजह से आग तेजी से फैलने लगी। हालात को गंभीर होता देख भारतीय सेना की कसौली ब्रिगेड तुरंत सक्रिय हुई और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। सेना ने स्थानीय प्रशासन, चंडीगढ़ प्रशासन और भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की।

रातभर चले अभियान में सेना के जवान लगातार जंगलों में डटे रहे। दुर्गम इलाकों में पहुंचकर जवानों ने आग को आगे बढ़ने से रोकने के लिए फायरब्रेक तैयार किए और संवेदनशील हिस्सों को अलग करने का काम किया। दूसरी ओर भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टरों ने भी मोर्चा संभाला। हेलिकॉप्टरों ने चंडीगढ़ की सुखना झील से पानी भरकर कई बार उड़ान भरी और 'बम्बी बकेट' तकनीक के जरिए जंगलों पर पानी गिराया। हवाई और जमीनी स्तर पर चलाए गए संयुक्त अभियान से गिल्बर्ट हिल और अपर मॉल जैसे प्रमुख प्रभावित क्षेत्रों में आग पर नियंत्रण पाया गया। सेना के अनुसार अभी भी कुछ दुर्गम हिस्सों में छोटे-छोटे हॉटस्पॉट मौजूद हैं, जिन्हें पूरी तरह बुझाने के लिए अभियान जारी है। जवान लगातार निगरानी कर रहे हैं, ताकि आग दोबारा न भड़क सके। राहत की बात यह रही कि इस पूरे अभियान के दौरान किसी भी नागरिक, राहतकर्मी या सैन्य कर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है। सभी जवान और उपकरण सुरक्षित बताए गए हैं।

इस बीच पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर पुष्पेंद्र सिंह ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर चल रहे अभियान की समीक्षा की और कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे जवानों की सराहना की। उन्होंने आग बुझाने में जुटे सैन्य कर्मियों को मौके पर ही प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया।

झिकली इच्छी में 33 वोट गायब, हंगामा

पोलिंग पार्टी को रातभर रखा में कमरे में बंद, प्रशासन ने दिए जांच के निर्देश

अनंत ज्ञान

गगल। ग्राम पंचायत झिकली इच्छी में 11 वार्डों का मतदान हुआ। शाम को जैसे ही मतदान की पोलिंग खत्म हुई तो मतदान की पेटियों को पंचायत कार्यालय इच्छी में लाया गया, जिसकी मतगणना रात 8 बजे शुरू हुई और रात 12 बजे तक सभी वार्ड पंचों का परिणाम घोषित कर दिया गया।

रात एक बजे तक उपप्रधान के वोटों की गिनती शुरू हुई, जिसमें कुल 2751 वोटों की मतगणना हुई और उनमें से साहिल सैनी को 1333 मतों से विजय प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। जब प्रधानों के वोटों की गिनती शुरू हुई तो उसमें 2751 में से 2718 वोटों की गिनती हुई, लेकिन मामला उस समय उलझ गया, जब 2751 उपप्रधानों के वोट थे, तो प्रधानों की गिनती में 33 वोट कैसे गायब हो गए, जिस पर हंगामा और नारेबाजी शुरू हो गई। यह मतगणना एक बजे से लेकर सुबह 4:30 बजे तक चलती रही।

आखिर में इकबाल गुलेरिया को 8 मतों के लिए विजय प्रत्याशी घोषित कर दिया, लेकिन दूसरे पक्ष ने इसका विरोध कर डाला और 33 वोटों की पूर्व प्रधान विजय कुमार ने धांधली का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामे की सूचना मिलने पर गगल पुलिस के थाना प्रभारी उधम सिंह भी पुलिस टीम को लेकर घटना स्थल पर पहुंच गए और लोगों शांत करवाया इस अवसर पर कांगड़ा के उपमंडल अधिकारी इशांत जसवाल को सूचित किया गया, जिस पर एसडीएम ने मौके पर तहसीलदार प्रकाश चंद और ब्लॉक खंड विकास अधिकारी पारुल को मौके पर जाने के लिए कहा गया। मौके पर पहुंचे तहसीलदार व बीडीओ ने पूरी मामले की छानबीन की और कहा कि आपके साथ जो भी धांधली या गड़बड़ी हुई है, उसे लिखित रूप से एक शिकायत पत्र बनाएं और उसकी एक कॉपी हमें दे दी जाए और उसे कॉपी को हम हायर अथॉरिटी को भेज देंगे जो हायर अथॉरिटी का फैसला होगा, उसी अनुरूप कार्रवाई होगी।

हिमाचल में नौतपा पर भारी पड़ेगा मौसम का मिजाज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट लेने के संकेत दे दिए हैं। नौतपा के दौरान जहां प्रदेश के मैदानी इलाकों में गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर रखा है, वहीं अब मौसम विभाग ने 28 और 29 मई के लिए भारी बारिश और तेज आंधी-तूफान का ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। अनुमान है कि कई क्षेत्रों में 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। पंचायत चुनावों के बीच मौसम का यह बदला मिजाज प्रशासन और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए चिंता का विषय बन सकता है।

◆ दो दिन बारिश का ऑरेंज अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा प्रदेश के अधिकांश जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश के साथ बर्फबारी भी हो सकती है।

लाहौल-स्पीति में भूस्खलन से जाहलमा पुल ध्वस्त

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति जिले में बिना बारिश के अचानक हुए भारी भूस्खलन से जाहलमा नाले पर बना मुख्य पुल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। एसकेटीटी मार्ग पर हुए इस हादसे में भारी मलबा और बड़ी चट्टानों के गिरने से पुल का एक छोर बुरी तरह टूट गया, जिसके बाद प्रशासन ने इसे वाहनों के लिए असुरक्षित घोषित कर दिया।

इस कारण केलांग, मनाली और उदयपुर का संपर्क पूरी तरह कट गया है, जिससे सैकड़ों वाहन और पर्यटक दोनों तरफ फंस गए हैं। लाहौल घाटी की लगभग 14 पंचायतों और समूची पांगी घाटी का जिला मुख्यालय से संपर्क भी बाधित हो गया है, साथ ही जम्मू को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग भी ठप पड़ गया है। हालांकि, प्रशासन ने पहले ही एहतियातन वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

◆ यातायात ठप, सैकड़ों पर्यटक और वाहन फंसे

स्थानीय विधायक अनुराधा राणा ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और बीआरओ तथा जलशक्ति विभाग को वैकल्पिक मार्ग और क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइनों की तुरंत मरम्मत के निर्देश दिए। सीमा सड़क संगठन (94 आरसीसी) के अनुसार नाले के बीच से अस्थायी मार्ग तैयार किया जा रहा है, जबकि नए पुल के लिए सुरक्षित स्थान की तलाश भी जारी है।

वहीं, जिला उपायुक्त किरण भड़ाना ने बताया कि सुरक्षा कारणों से शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे तक आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी और वैकल्पिक मार्ग को जल्द बहाल करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने लोगों से प्रशासन का सहयोग करने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की।

गुजरात के कच्छ में 100 किलो कोकीन पकड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात एटीएस ने कच्छ के मुंद्रा तट के पास संयुक्त अभियान में 115 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 1150 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई 25-26 मई की रात समुद्री तस्करी के खिलाफ चलाए गए खुफिया-आधारित अभियान के दौरान की गई। मुंद्रा से लगभग पांच नॉटिकल मील दूर लंगर डाले एक कंटेनर जहाज 'एमवी यूरोप' पर संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं, जिसके बाद संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई की।

अधिकारियों के अनुसार जहाज से कुछ थैलियां समुद्र में फेंकी गईं, जिन्हें बाद में तलाशी अभियान के दौरान बरामद किया गया। इन थैलियों में सफेद पाउडर मिला, जिसकी जांच में कोकीन होने की पुष्टि हुई। कुल 115 पैकेट जब्त किए गए, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग एक किलोग्राम था। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि कठिन समुद्री परिस्थितियों और कम दृश्यता के बावजूद अभियान सफल रहा। जहाज को आगे की जांच के लिए बंदरगाह पर लाया गया है और मामले की जांच एजेंसियां संयुक्त रूप से कर रही हैं।

हिमाचल पंचायत चुनाव : दूसरे चरण में 1227 पंचायतों में मतदान आज

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव के पहले चरण के दौरान सामने आई अनियमितताओं के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने सभी जिला उपायुक्तों, सेक्टर अधिकारियों और चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दूसरे चरण में प्रदेश की 1227 पंचायतों में वीरवार को मतदान होगा, जो सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा। मतदान केंद्रों पर केवल मतदाताओं और चुनाव कर्मियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी, जबकि मोबाइल फोन, बैग और अन्य सामान पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। राजनीतिक

दल मतदान केंद्र से 100 मीटर दूरी पर ही अपने बूथ स्थापित कर सकेंगे।

पहले चरण में कई स्थानों पर गड़बड़ियों और विवादों की घटनाएं सामने आई थीं, जिनमें नोटा मुहर से मतदान रद्द होना, संदिग्ध मतदान और मारपीट जैसी घटनाएं शामिल हैं। इसके बाद आयोग ने सभी जिलों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। वहीं, मतगणना की प्रक्रिया पंचायत मुख्यालयों में वीडियोग्राफी की निगरानी में की जाएगी।

लाहौल-स्पीति में झील फटने का खतरा

अनंत ज्ञान, लाहौल-स्पीति। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में टूरिज्म का केंद्र बने सिस्सू गांव समेत 34 से ज्यादा इलाकों को घेपन झील से खतरा है। क्लाइमेट चेंज के कारण तापमान में बढ़ोतरी से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इससे झील का आकार साल दर साल बढ़ रहा है। अगर यह झील फट गई तो डाउनस्ट्रीम में खेत, खलिहान, पुल, सड़कें सब पानी में समा जाएंगे। यह दावा हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और नेशनल रिमोट सेंसिंग केंद्र की स्टडी रिपोर्ट में किया गया। स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी को सौंपी रिपोर्ट में दावा किया गया कि 1989 में घेपन झील का क्षेत्रफल मात्र 36.49 हेक्टेयर था। साल 2022 तक यह बढ़कर 101.30 हेक्टेयर हो गया। करीब 33 वर्षों में झील लगभग तीन गुना फैल चुकी है जो कि तबाही मचा सकती है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-एसआईआर अवैध नहीं

चुनाव आयोग शर्तों के साथ कर सकता है नागरिकता जांच

एजेंसी, पटना

सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) को वैध और संवैधानिक करार दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने बुधवार को कहा कि एसआईआर मनमाना नहीं है और चुनाव आयोग को यह प्रक्रिया चलाने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने के लिए नागरिकता की जांच कर सकता है, लेकिन यह फैसला सिर्फ चुनावी उद्देश्यों तक सीमित रहेगा। किसी व्यक्ति को अंतिम रूप से गैर-नागरिक घोषित करने का अधिकार आयोग के पास नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि संदिग्ध नागरिकता के आधार पर जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनके नाम 4 हफ्ते में केंद्र सरकार को भेजा जाए।

जून 2025 में बिहार से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। इस दौरान 7.41 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा 2.89 करोड़ नाम उत्तर प्रदेश से कटे। बिहार के बाद पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी एसआईआर कराया गया, जबकि असम में स्पेशल रिवीजन (एसआर) हुआ। बिहार एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं से ही मामला सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। दिल्ली में 30 जून से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। एसआईआर के तीसरे फेज 16 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश कवर होंगे। पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी। (अनंत ज्ञान)

पेम्पा छेरिंग ने दूसरी बार ली राष्ट्रपति पद की शपथ

बोले-तिब्बत-चीन समस्या को सुलझाना रहेगा प्रमुख

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। तिब्बत निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति के रूप में पेम्पा छेरिंग ने बुधवार को दूसरी बार शपथ ग्रहण की। हाल ही में संपन्न चुनावों में पेम्पा छेरिंग को दूसरी बार राष्ट्रपति चुना गया था। मैक्लोडगंज स्थित चुगलाखंग बौद्ध मठ में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद पेम्पा छेरिंग ने कहा कि दूसरी बाद राष्ट्रपति का दायित्व मिलने पर तिब्बत-चीन समस्या को सुलझाना उनकी प्राथमिकता रहेगी, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहयोग की अपील की जाएगी। इसी के साथ भारत के विभिन्न

तिब्बत निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति पेम्पा छेरिंग शपथ लेते हुए।

राज्यों में रह रहे तिब्बतियों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ निर्वासित सरकार में ई-गवर्नेंस को और सुदृढ़ करने के लिए नई टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

पेम्पा ने कहा कि हमारे तीन प्रमुख काम है, पहला तिब्बत और चीन के मसले को सुलझाना है, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहयोग का आग्रह किया जाएगा। भारत में 10 राज्यों व 2 केंद्र शासित राज्यों में तिब्बती लोग रह रहे हैं, साथ ही विदेशों में भी तिब्बती रह रहे हैं। भारत में रह रहे तिब्बतियों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी है। इसके लिए प्रशासन पर्याप्त होना चाहिए, हमारा प्रशासन ई-गवर्नेंस से चल रहा था, भविष्य में भी नई टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ा जाएगा।

धरोहर बॉलीवुड का वो चहेता किला, जिसे राजा ने मात्र 'एक बंदूक' के बदले सौंप दिया अंग्रेजों को

पत्थर और एक पेड़ की लकड़ी से बना 'काष्ठकुणी' अजूबा

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, मनाली (कुल्लू)। देवदार के घने जंगलों के बीच स्थित नग्गर कैसल हिमाचल प्रदेश की ऐतिहासिक और स्थापत्य धरोहर का महत्वपूर्ण उदाहरण है। मान्यतानुसार 16वीं शताब्दी में राजा सिद्धि सिंह द्वारा निर्मित यह किला काष्ठकुणी शैली में बनाया गया था, जिसमें लकड़ी और पत्थर का अनूठा संयोजन देखने को मिलता है। इस दो मंजिला किले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके निर्माण में एक भी लोहे की कील का प्रयोग नहीं किया गया है। देवदार के पेड़ों की लकड़ी और पत्थरों से निर्मित यह संरचना अपनी मजबूती और प्राकृतिक तकनीक के लिए प्रसिद्ध है। किले के मुख्य द्वारों के निर्माण में भी केवल कुल्हाड़ी का प्रयोग होने की मान्यता है।

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

17वीं शताब्दी तक यह किला शाही महल और मुख्यालय के रूप में प्रयोग होता रहा। बाद में राजा जगत सिंह ने कुल्लू की राजधानी सुल्तानपुर स्थानांतरित की। 1846 ई. तक इस किले का उपयोग शाही परिवार द्वारा ग्रीष्मकालीन महल के रूप में किया जाता रहा।

जिला कुल्लू का ऐतिहासिक नग्गर कैसल भवन।

ब्रिटिश काल में किले का स्वामित्व बदल गया और इसे यूरोपीय शैली के अनुरूप विकसित किया गया, जिससे इसमें देहाती और अंग्रेजी वास्तुकला का मिश्रण देखने को मिलता है। बाद में यह ग्रीष्मकालीन न्यायालय के रूप में भी इस्तेमाल हुआ। वर्ष 1905 के भीषण भूकंप में भी इस किले को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, जिससे इसकी भूकंपरोधी संरचना सिद्ध होती है। किले की दीवारों पर इसका ऐतिहासिक विवरण उकेरा गया है, जो पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण है। वर्तमान में किले का कुछ हिस्सा हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा होटल के रूप में संचालित है, जबकि निचले भाग में संग्रहालय है, जहां राजाओं के समय की कलाकृतियां, बर्तन और अन्य ऐतिहासिक वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। मनाली से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित यह किला न केवल इतिहास प्रेमियों बल्कि फिल्म निर्माताओं और पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

लकड़ी की ही बनाई जाती है कील

इस शैली से बने मकानों की खासियत यह है कि गर्मियों में यह ठंडे और सर्दियों में गर्म होते हैं। यह भूकंपरोधी होते हैं। नग्गर कैसल और चैहणी कोठी है। लकड़ी को आपस में जोड़ने के लिए लकड़ी की ही कील तैयार कर उसे जोड़ा जाता है। काष्ठकुणी शैली के किले व मंदिरों में लकड़ी की नक्काशी है जो यहां की कला की विशेष पहचान है।

भूकंप का नहीं हुआ असर

वर्ष 1905 में आए भयंकर भूकंप में भी इस किले को कोई नुकसान नहीं हुआ है। यहा का इतिहास दीवारों पर दर्शाया गया है। यहां पहुंचे पर्यटकों का कहना है कि कैसल की निर्माण शैली काफी पसंद आई है। आज तक उन्होंने सिर्फ कुल्लू-मनाली की खबसुरती के बारे में सुना था, लेकिन आज अलग देखने को मिला।

भाजपा करे तो पुण्य, हम करें तो पाप: सीएम

चुनाव आचार संहिता के बीच कैबिनेट बैठक पर उठे सवालों का दिया जवाब

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। मुख्यमंत्री ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, अनाथ एवं विधवा सेस को लेकर भाजपा द्वारा किए गए विरोध और आचार संहिता के दौरान कैबिनेट बैठक बुलाने पर उठाए गए सवालों का करारा जवाब देते हुए कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में भारी अंतर है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा सरकारें ऐसे निर्णय लेती थीं तो उसे जनहित बताया जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार कोई कदम उठाए तो उसे गलत ठहराने की कोशिश की जाती है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि भाजपा नेताओं को पहले अपना राजनीतिक इतिहास देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकारों के समय भी आचार संहिता के दौरान कैबिनेट बैठकों का आयोजन होता रहा है और अनेक प्रशासनिक फैसले लिए जाते रहे हैं। ऐसे में अब कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाना केवल राजनीतिक नौटंकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संवैधानिक दायरे में रहकर काम कर रही है और जनता के हित सर्वोपरि हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकार विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को किसी भी हालत में रुकने नहीं देगी।

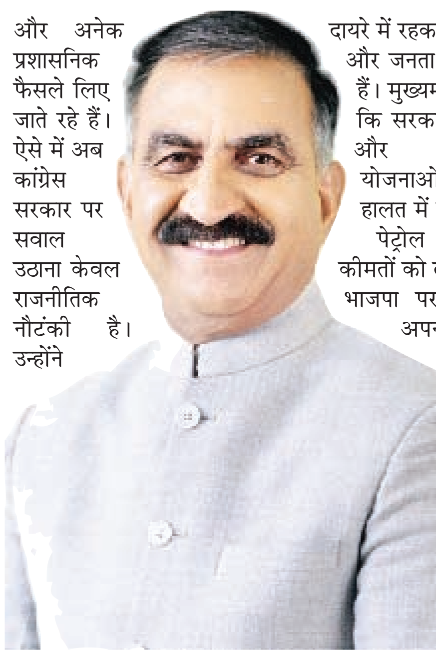

◆ **पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर भाजपा पर किया हमला**

पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर मुख्यमंत्री ने भाजपा पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार लगातार ईंधन के दाम बढ़ाती रही तब भाजपा नेताओं ने कभी जनता की परेशानी की आवाज नहीं उठाई, लेकिन हिमाचल में सामाजिक सरोकारों से जुड़े छोटे फैसलों को मुद्दा बनाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनाथ बच्चों, विधवाओं और जरूरतमंद वर्गों के हित में लिए गए निर्णयों का विरोध करना भाजपा की संवेदनहीन राजनीति को दर्शाता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि बीजेपी करे तो पुण्य और हम करें तो पाप, यही उनकी राजनीति का असली चेहरा है।

आर्थिक व्यवस्था को सुधारने की कोशिश

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार आर्थिक चुनौतियों के बावजूद जनता को राहत देने और व्यवस्था सुधारने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ आगे बढ़ रही है, जबकि विपक्ष केवल भ्रम और विवाद पैदा करने में लगा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता सब देख रही है और आने वाले समय में भाजपा को इसका राजनीतिक जवाब भी मिलेगा।

ननखड़ी ब्लॉक की नरैण पंचायत में अब 30 मई को होगा मतदान

पंचायत में गड़बड़ी के चलते चुनाव आयोग को स्थगित करनी पड़ी मतदान प्रक्रिया

अनंत ज्ञान

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। पंचायती चुनाव मतदान के पहले चरण में रामपुर की 13 और ननखड़ी ब्लॉक की सात पंचायतों में बीते रोज मतदान संपन्न हुआ। हालांकि, नरैण पंचायत में कुछ गड़बड़ी के चलते चुनाव स्थगित करना पड़ा। अब वहां पर 30 मई को मतदान होगा। ननखड़ी बलॉक में इक्का-दुक्का घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर ब्लॉक की गोपालपुर पंचायत में उषा देवी को प्रधान व अजय मोदी को उपप्रधान चुना गया। इसी प्रकार जगोरी पंचायत में सुनीता कुमारी को प्रधान व विनोद कुमार उप प्रधान बने। सरपारा पंचायत में प्रधान इंद्र सिंह व उपप्रधान अर्जुन केदारटा, देवठी पंचायत में दीप कुमार प्रधान व विपिन उपप्रधान, काशापाट पंचायत में प्यासुमल प्रधान व ईश्वर सनातू उपप्रधान, ज्यूरी में राजकांता प्रधान व प्रकाश उपप्रधान, धंसा पंचायत में पदमा देवी प्रधान व राजेंद्र कुमार नेगी उपप्रधान, रचोली पंचायत में वोना कुमारी प्रधान व ज्योति लाल को उपप्रधान बनाया गया। देवनगर पंचायत में होशियार सिंह को प्रधान दीपक राज को उपप्रधान, बोंडा पंचायत में गोपु राम को प्रधान भानु प्रसाद को उपप्रधान। इसी प्रकार रंगोरी पंचायत में सूरज कुमारी को प्रधान तथा सुंदर सिंह को उपप्रधान की कमान सौंप गई। ननखड़ी ब्लॉक में अभी शेखर मेहता को प्रधान व बहादुर सिंह को उपप्रधान, टिप्पर मझौली पंचायत में बलवीर सिंह प्रधान तस्वीर सिंह उपप्रधान, करांगला पंचायत में ज्ञान सिंह प्रधान व सुशील कुमार उपप्रधान, अड्डू पंचायत में हेमचंद प्रधान चेतराम उपप्रधान, खूनी पनोली पंचायत में पिंकी देवी प्रधान तथा अक्षय कुमार अपप्रधान, खमाड्डी पंचायत में अनारकली को प्रधान पद की कमान व जगमोहन को उपप्रधान चुना गया।

◆ **ननखड़ी ब्लॉक की शोली में निर्विरोध चुनी है पंचायत**

गौर रहे कि रामपुर ब्लॉक की कूट पंचायत और ननखड़ी ब्लॉक की शोली पंचायत के लोगों ने आपसी सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए दोनों पंचायतों को निर्विरोध चुनकर अपने को इनाम की हकदार साबित किया।

राजीव भवन शिमला में देश के पहले प्रधानमंत्री को दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्रता संग्राम में पंडित नेहरू का महान योगदान : अमित नंदा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में बुधवार को स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष अमित नंदा ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में पंडित नेहरू का महान योगदान रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने आधुनिक भारत की जो मजबूत नींव रखी, उसी का परिणाम है कि आज भारत विश्व में एक महाशक्ति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए।

वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने श्री रेणुकाजी में पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद करते हुए कहा कि देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि नेहरू जी की दूरदर्शी सोच ने आधुनिक भारत को अपने पैरों पर खड़ा किया। विनय कुमार ने कहा कि नेहरू बच्चों से बेहद प्रेम करते थे, इसलिए उन्हें चाचा नेहरू के नाम से भी जाना जाता है।

वर्ष 1916 में महात्मा गांधी से मिलने के बाद वे उनके विचारों से गहराई से प्रभावित हुए और स्वतंत्रता आंदोलन में पूरी तरह सक्रिय हो गए। उन्होंने असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा इस दौरान 9 बार जेल गए। उन्होंने कहा कि नेहरू ने देश में विज्ञान, तकनीक और उद्योगों को बढ़ावा दिया। उनके कार्यकाल में भाखड़ा-नंगल बांध, आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना हुई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी और पंचशील सिद्धांत के माध्यम से शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का संदेश दिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू एक दूरदर्शी नेता, समाजवादी विचारक और आधुनिक लोकतांत्रिक भारत की मजबूत नींव रखने वाले महान व्यक्तित्व थे।

आजादी से लेकर नवनिर्माण तक पंडित नेहरू का योगदान अविस्मरणीय : जैनब चंदेल

प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष जैनब चंदेल ने कहा कि देश के प्रथम पीएम स्व. नेहरू की सोच आधुनिक और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित हुई। उन्होंने कहा कि देश की आजादी से लेकर नवनिर्माण तक नेहरू का योगदान अविस्मरणीय है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनीत गौतम, एसके सहगल, नगर निगम शिमला के पार्षद चमन प्रकाश सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में भाजपा की प्रचंड जीत : डॉ. बिंदल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने दावा किया है कि प्रदेश में पंचायतीराज चुनाव के प्रथम चरण में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने ऐतिहासिक और प्रचंड जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि 26 मई को प्रदेश की 1293 पंचायतों में हुए मतदान के बाद देर रात तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान उम्मीदवार विजयी रहे। डॉ. बिंदल ने इसे कांग्रेस सरकार की नीतियों के खिलाफ जनता का स्पष्ट जनादेश और जनमत संग्रह बताया।

◆ **कहा-75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान विजयी**

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने महिलाओं, युवाओं, किसानों और कर्मचारियों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया, जिसके कारण प्रदेश की जनता में भारी असंतोष है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक संकट से आम लोग परेशान हैं, जबकि किसान और बागवान अपनी उपज के उचित दामों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों में गांव-गांव में कांग्रेस के खिलाफ जनाक्रोश देखने को मिला और कई बड़े कांग्रेस नेताओं को अपने क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश को सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रेल और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में लगातार सहयोग दे रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया है कि प्रदेश की जनता भाजपा की नीतियों और संगठन पर लगातार विश्वास जता रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सभी विजयी प्रधानों, उपप्रधानों और पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत विकास, पारदर्शिता और जनहित की राजनीति में जनता के विश्वास की जीत है।

एचपीयू के योग अध्ययन विभाग की लंबे समय से हो रही उपेक्षा : एसएफआई

छात्र संगठन ने कुलपति की कार्यप्रणाली पर भी उठाए गंभीर सवाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। एसएफआई की हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय इकाई ने जारी बयान में कहा कि योग आज केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संतुलन और स्वस्थ जीवनशैली का सशक्त माध्यम बन चुका है। संगठन ने मांग उठाई कि योग शिक्षा को विद्यालय स्तर पर विषय और व्यवहारिक प्रशिक्षण के रूप में व्यापक तौर पर लागू किया जाए। साथ ही ग्राम स्तर तक योग गतिविधियों को बढ़ावा देकर समाज को अधिक जागरूक, स्वस्थ और सकारात्मक दिशा प्रदान की जाए। छात्र संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। एसएफआई ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय का योग अध्ययन विभाग लंबे समय से प्रशासनिक उपेक्षा और अकादमिक अस्थिरता का सामना कर रहा है। बयान में कहा गया कि विभाग के भीतर योग्य और अनुभवी शिक्षकों की मौजूदगी के बावजूद बाहरी विषय से संबंधित व्यक्ति को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि उनकी नियुक्ति को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय अवैध ठहरा चुका है।

छात्र संगठन ने कहा कि हैरानी की बात यह है कि दो वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद इस मामले में कोई स्थगन आदेश नहीं है, फिर भी विश्वविद्यालय प्रशासन न्यायालय में प्रभावी ढंग से अपना पक्ष रखने से बचता नजर आ रहा है। संगठन ने आरोप लगाया कि दूसरी ओर विश्वविद्यालय अन्य मामलों में लाखों रुपए खर्च कर वरिष्ठ अधिवक्ताओं के माध्यम से अपीलें दायर कर रहा है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होते हैं। विश्वविद्यालय के अन्य विभागों, विशेषकर लाइफ लॉन्ग लर्निंग विभाग में, सहायक आचार्य स्तर के शिक्षकों को विभागाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार दिया जा सकता है, तो फिर योग अध्ययन विभाग में समान व्यवस्था लागू करने से परहेज क्यों किया जा रहा है। संगठन ने कुलपति से पूछा कि दूसरे विषय से जुड़े विवादित व्यक्ति को योग विभाग का नेतृत्व सौंपना किस प्रकार की अकादमिक सोच और प्रशासनिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। एसएफआई ने मांग की कि योग अध्ययन विभाग के शैक्षणिक विकास, संस्थागत गरिमा और विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए विभाग के भीतर से ही किसी योग्य शिक्षक को विभागाध्यक्ष का दायित्व सौंपा जाए।

योग विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. पाठक को दी बधाई

छात्र संगठन ने एचपीयू योग अध्ययन विभाग के वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं योग विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. सत्य प्रकाश पाठक को मध्य प्रदेश शासन द्वारा योग विज्ञान विषय के केंद्रीय अध्ययन मंडल में सदस्य के रूप में मनोनीत किए जाने पर स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। संगठन ने इसे न केवल डॉ. पाठक की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध क्षमता और दीर्घ अकादमिक योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता बताया, बल्कि एचपीयू के लिए भी गौरवपूर्ण उपलब्धि करार दिया।

चौहारा की पंचायतों में चरम पर दिखा लोकतंत्र का उत्साह

कई पंचायतों में प्रत्याशियों के निर्विरोध चयन ने पेश की भाईचारे और सामाजिक एकता की मिसाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पंचायती राज संस्थाओं के सामान्य निर्वाचन के तहत प्रथम चरण में चौहारा क्षेत्र की पंचायतों में लोकतंत्र का उत्साह चरम पर देखने को मिला। कई पंचायतों में प्रधान, उपप्रधान तथा वार्ड सदस्यों का निर्विरोध चयन होने से गांवों में उत्सव जैसा माहौल बन गया। जनता ने विकास, पारदर्शिता और स्थानीय नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को समर्थन दिया। चौहारा विकास खंड की अंबोई, रानोल, टांगणू-जंगलिख, गवास, खाबल, रोहल, शिलादेश, मक्तोट-हौचाली, धगांव, खशधार, जाखा और जिस्कून पंचायतों में चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कई पंचायतों में प्रत्याशियों के निर्विरोध चयन ने आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता की मिसाल पेश की। गांवों में ढोल-नगाड़ों, फूलमालाओं और मिठाइयों के साथ विजयी उम्मीदवारों का स्वागत किया गया।

महिला शक्ति की भागीदारी भी इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र रही। अनेक पंचायतों में महिलाओं ने प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्य पदों पर शानदार जीत दर्ज कर यह साबित किया कि ग्रामीण राजनीति में उनकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लिया और विकास आधारित सोच को प्राथमिकता दी। धगांव और खशधार पंचायतों में चुनावी मुकाबले बेहद रोचक रहे, जहां मतदाताओं ने भारी उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं कई वार्डों में निर्विरोध चयन होने से उम्मीदवारों और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। पंचायत प्रतिनिधियों ने गांवों में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देने का भरोसा दिलाया।

◆ **विजयी उम्मीदवारों का ढोल नगाड़ों, फूलमालाओं और मिठाइयों के साथ हुआ स्वागत**

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस बार पंचायत चुनाव केवल राजनीतिक प्रक्रिया नहीं बल्कि गांवों के भविष्य को नई दिशा देने वाला जनआंदोलन बनकर सामने आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई उम्मीद जगी है और जनता को अपने नए प्रतिनिधियों से बड़ी अपेक्षाएं हैं। चौहारा क्षेत्र की पंचायतों में आए इस जनादेश को गांवों की एकजुटता, सामाजिक समरसता और लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक माना जा रहा है। आने वाले समय में नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के सामने विकास को धरातल पर उतारने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

शिमला पुलिस की नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए बड़ी कार्रवाई

नशा तस्करों की 1.13 करोड़ की संपत्ति जब्त

अनंत ज्ञान

शिमला। हिमाचल प्रदेश में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए शिमला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चिट्टा और अफीम तस्करी से जुड़े आरोपियों की करीब एक करोड़ 13 लाख रुपए की अवैध संपत्ति जब्त की है। खास बात यह है कि पिछले दो वर्षों में इस तरह की संपत्ति जब्ती की कार्रवाई नहीं हुई थी, जबकि इस साल केवल तीन महीनों के भीतर ही पुलिस ने सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस का कहना है कि अब सिर्फ नशा बरामद करने तक कार्रवाई सीमित नहीं रहेगी, नशे के धंधे से बनाई गई संपत्ति पर भी सीधा वार किया जाएगा। शिमला पुलिस के अनुसार इस साल अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 134 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें ज्यादातर मामले इंटरमीडिएट और कमर्शियल क्वांटिटी के हैं। इन मामलों में 286 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने सप्लाई नेटवर्क तोड़ने के लिए पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, भारत-नेपाल बॉर्डर और केरल तक कार्रवाई करते हुए 42 आरोपियों को पकड़ा है।

सबसे बड़ी कार्रवाई थाना कुमारसैन में दर्ज एक मामले में हुई। 10 अप्रैल को पुलिस ने नेपाल के तीन आरोपियों ऐन बहादुर, चक्र बहादुर और मोहन शाही को 9.028 किलोग्राम अफीम और 12 लाख रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया था। बाद में बैकवर्ड लिंकेज की जांच के दौरान कंडाघाट में लक्ष्मी टी स्टॉल चलाने वाली महिला आरोपी लक्ष्मी के ढाबे से भी 2.039 किलोग्राम अफीम बरामद हुई।

जांच में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से कंडाघाट, नारकंडा और आसपास के इलाकों में चुनिंदा ग्राहकों को अफीम सप्लाई कर रहे थे। फाइनेंशियल जांच में पता चला कि आरोपी ऐन बहादुर ने नशे के पैसे से इनोवा और अर्बन क्रूजर जैसी गाड़ियां खरीदी थीं। वहीं महिला आरोपी लक्ष्मी ने रॉयल एनफील्ड बाइक खरीदी और उसके खातों में लाखों जमा पाए गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों की कुल करीब 53 लाख की संपत्ति फ्रीज कर दी है।

शिमला के तारा देवी में 5-6 जून को वाहन पासिंग व 6 को ड्राइविंग टेस्ट

कोटखाई में 3, जुब्बल में 4 एवं चौपाल में 22 जून को वाहन पासिंग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला जिला में जून माह के लिए वरिष्ठ मोटर वाहन निरीक्षक का अस्थायी दौरा एवं ड्राइविंग टेस्ट कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी शिमला द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में वाहन पासिंग तथा ड्राइविंग टेस्ट निर्धारित तिथियों पर आयोजित किए जाएंगे। तारा देवी (शिमला) में 5 और 6 जून को वाहन पासिंग कार्य होगा, जबकि 6 जून को ड्राइविंग टेस्ट आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 11 एवं 12 जून, 19 एवं 20 जून तथा 30 जून को भी यहां परीक्षण कार्यक्रम तय किया गया है। कार्यक्रम के अनुसार ठियोग में 23 जून, कोटखाई में 3 जून, जुब्बल में 4 जून, चौपाल में 22 जून, सुन्नी में 24 जून, रोहड़ू में 18 जून तथा कुपवी में 19 जून को वाहन पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट आयोजित होंगे।

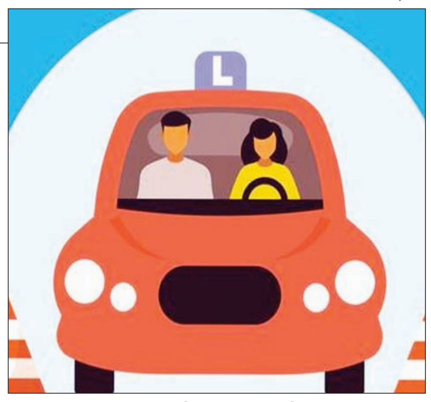

◆ **कुपवी में 19 जून को वाहन पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट**

जानकारी के मुताबिक वरिष्ठ एम.वी.आई. शिमला इंजीनियर पंकज सिंह तथा एम.वी.आई. सिरमौर इंजीनियर विजय चौहान को विभिन्न क्षेत्रों में परीक्षण कार्य के लिए नियुक्त किया गया है। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि ड्राइविंग टेस्ट केवल सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक ही आयोजित किए जाएंगे।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय ने संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक सहयोग और व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी किए हैं, ताकि परीक्षण कार्य शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

जनगणना हिमाचल के लोग अब घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल पर भर सकेंगे अपनी जानकारी

एक जून से शुरू होगी डिजिटल स्वगणना

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पहाड़ी राज्य हिमाचल में इस बार जनगणना का तरीका पूरी तरह बदला हुआ नजर आएगा। पहली बार लोगों को खुद अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज करने का मौका दिया जा रहा है। प्रदेश में जनगणना की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन स्वगणना की सुविधा शुरू की जा रही है। इसके जरिए लोग घर बैठे अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर भर सकेंगे। सरकार का कहना है कि इससे जनगणना का काम तेजी से होगा और आंकड़ों की सटीकता भी बढ़ेगी।

शिमला स्थित जनगणना कार्य निदेशालय के अनुसार प्रदेश में 1 जून से 15 जून तक स्वगणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके लिए लोगों को ऑनलाइन पोर्टल (httpsÑ//se.census.gov.in पर जाकर अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज करनी होगी। यह पूरी प्रक्रिया सुरक्षित डिजिटल प्रणाली के तहत होगी। अधिकारियों का कहना है कि इससे लोगों की भागीदारी सीधे तौर पर बढ़ेगी और जनगणना प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बन सकेगी।

स्व गणना पूरी होने के बाद हर परिवार को 11 अंकों का एक विशेष स्वगणना आईडी नंबर दिया जाएगा। इसके बाद 16 जून से 15 जुलाई 2026 के बीच जब जनगणना कर्मचारी घर-घर सर्वे करने पहुंचेंगे, तब लोगों को यही आईडी नंबर दिखाना होगा। इससे पोर्टल पर पहले से दर्ज जानकारी सीधे प्रगणकों के मोबाइल एप में दिखाई देगी और दोबारा जानकारी भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

◆ **हर परिवार को को मिलेगा विशेष स्वगणना आईडी नंबर**

स्वगणना से समय की होगी बचत

अधिकारियों का मानना है कि इससे लोगों और कर्मचारियों दोनों का समय बचेगा। इस बार जनगणना कर्मचारी कागज और फॉर्म लेकर नहीं जाएंगे। उन्हें एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन दिया जाएगा, जिसके जरिए वे घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक इस डिजिटल व्यवस्था से आंकड़े तुरंत ऑनलाइन दर्ज होंगे और मानवीय गलतियों की संभावना कम हो जाएगी। डेटा प्रोसेसिंग भी पहले की तुलना में काफी तेज हो सकेगी। जनगणना प्रक्रिया की निगरानी और प्रबंधन के लिए सेन्सस मैनेजमेंट एंड मोनिटरिंग सिस्टम यानी सीएमएमएस पोर्टल तैयार किया गया है। इसके जरिए अधिकारियों को प्रशिक्षण, संसाधनों के प्रबंधन और जनगणना की प्रगति पर नजर रखने में मदद मिलेगी।

कांगड़ा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द

सीएमओ ने 31 तक अवकाश के दिन भी कार्यालय आने के दिए आदेश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत कर्मचारियों की छुट्टियां फिलहाल रद्द कर दी गई हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कांगड़ा ने आदेश जारी कर जिले और ब्लॉक स्तर पर कार्यरत सभी एनएचएम कर्मचारियों को 31 मई तक सभी राजपत्रित अवकाशों पर भी कार्यालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

जारी आदेश के अनुसार यह फैसला एसएनए स्पर्श के तहत वर्ष 2026-27 की वित्तीय सीमा निर्धारण और निर्धारित समय के भीतर फंड उपयोग सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। आदेश में कहा गया है कि एनएचएम के तहत उपलब्ध धनराशि का उपयोग 31 मई 2026 तक हर हाल में किया जाना है। स्वास्थ्य विभाग के सीएमओ कांगड़ा डॉ. विवेक करोल की ओर से जारी आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि कांगड़ा जिले के सभी ब्लॉकों सहित एनएचएम के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारी 31 मई तक पड़ने वाले सभी सरकारी अवकाशों में भी ड्यूटी देंगे। इसमें 28 मई को कांगड़ा में पंचायत चुनाव व ईद-उल-जुहा और 31 मई रविवार का अवकाश भी शामिल है। सीएमओ ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं सभी बीएमओ, शाखा प्रभारियों और एनएचएम सेक्शन को भी आवश्यक अनुपालन के निर्देश जारी किए गए हैं।

विभिन्न योजनाओं के बजट खर्च को लेकर दिए सख्त निर्देश

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (नेशनल हेल्थ मिशन) के तहत चल रही विभिन्न योजनाओं के बजट खर्च को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि 31 मई तक कम से कम 20 प्रतिशत बजट खर्च करना अनिवार्य है, जबकि अब तक जिले में केवल 11 प्रतिशत बजट ही उपयोग हो पाया है। अधिकारियों के अनुसार यदि निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूरा नहीं किया गया, तो आगामी 80 प्रतिशत बजट पर रोक लगने की संभावना भी बनी हुई है, जिससे स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन पर असर पड़ सकता है। इस स्थिति को देखते हुए विभाग ने सभी संबंधित कर्मचारियों को तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। विभाग की ओर से यह भी आश्वासन दिया गया है कि जो कर्मचारी अवकाश के दिनों में ड्यूटी करेंगे, उन्हें बाद में कंपेंसेटरी लीव प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही पंचायत चुनाव में मतदान करने वाले कर्मचारियों के लिए भी विशेष राहत दी गई है। ऐसे कर्मचारी यदि प्रिजाइडिंग ऑफिसर से प्रमाणित लिखित अनुमति या प्रमाण प्रस्तुत करते हैं, तो उन्हें मतदान के लिए अवकाश दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि सभी कर्मचारी समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करें ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा न आए।

रिड़कमार कॉलेज में एक जून से शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया

अनंत ज्ञान, कोहली, शाहपुर। राजकीय महाविद्यालय रिड़कमार में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया एक जून से शुरू होगी। महाविद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार ने बताया कि इस वर्ष बीए प्रथम वर्ष में प्रवेश पूर्णतः राष्ट्रीय शिक्षा नीति) के तहत किए जाएंगे। इसके साथ ही महाविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली भी लागू की जाएगी। प्राचार्य मनोज ने बताया कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की विशेष सुविधा प्रदान की जाएगी, जिससे विद्यार्थियों को अपनी परिस्थितियों और रुचि के अनुसार पढ़ाई जारी रखने में अधिक लचीलापन मिलेगा। उन्होंने बताया कि एक वर्ष की पढ़ाई पूर्ण करने पर सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। दो वर्ष की पढ़ाई पूर्ण करने पर डिप्लोमा मिलेगा। तीन वर्ष की पढ़ाई पूर्ण करने पर डिग्री प्रदान की जाएगी।

मझेड़ा पंचायत में सुमन ने 755 मतों से प्राप्त की रिकॉर्ड जीत

ध्रुव देव भी 398 मतों से जीतकर बने उपप्रधान, सात उम्मीदवार थे मैदान में

अनंत ज्ञान

प्रधान सुमन व उपप्रधान ध्रुव देव ने जताया लोगों का आभार। अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। ब्लॉक पंचरुखी की मझेड़ा पंचायत में सुमन कुमारी ने 755 मत प्राप्त करके रिकॉर्ड जीत हासिल की। पंचायत में लगभग 1200 लोगों ने मतदान किया, जिसमें प्रधान पद की तीन उम्मीदवार मैदान में थी।

पंचायत के लोगों ने सुमन कुमारी को एक तरफा मत डालकर विजयी बनाया। सुमन कुमारी वर्तमान में विधानसभा जयसिंहपुर में बीसीसी सचिव है और पूर्व प्रधान भी रह चुकी हैं। इनके पति विजय कुमार भी बीडीसी उपाध्यक्ष रह चुके हैं। वहीं, मझेड़ा पंचायत ने एक युवा उपप्रधान ध्रुव देव को चुनकर भी मिसाल पेश की है। ध्रुव देव को चुनावों में युवाओं का भरपूर सहयोग मिला। मझेड़ा पंचायत में उपप्रधान के सात उमीदवार मैदान में थे, लेकिन लोगों ने ध्रुव देव को 398 मतों से विजयी बनाया। प्रधान कुमारी और उपप्रधान ध्रुव देव ने पंचायत के सभी लोगों का समर्थन और सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पंचायत के मतदाताओं ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर खरा उतरना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। दोनों प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से कहा कि वे मिलजुल कर पंचायत के विकास कार्यों को गति देंगे और किसी भी प्रकार की राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर काम करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि मझेड़ा पंचायत में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा।

परागपुर पीएचसी की भूमि व नए भवन का मामला सरकार तक पहुंचा

अनंत ज्ञान, प्रवेश शर्मा, परागपुर। परागपुर का ऐतिहासिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एक बार फिर चर्चा में है। 1950 के दशक में तत्कालीन पंजाब सरकार द्वारा स्थापित यह अस्पताल कभी क्षेत्र का प्रमुख सिविल अस्पताल माना जाता था, जहां रात्रि ओपीडी सुविधा सहित चालक, लिपिक व अन्य आवश्यक पद स्वीकृत थे।स्थानीय लोगों के अनुसार परागपुर अस्पताल के बाद उस समय नादौन में ही बड़ी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध थी। अब स्थानीय जनता ने अस्पताल के नए भवन निर्माण और संस्थान का दर्जा बढ़ाने की मांग तेज कर दी है। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार लगभग 9 कनाल 6 मरले भूमि सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग के नाम दर्ज है, जबकि 14 कनाल से अधिक भूमि पर दशकों से सरकारी कब्जा चला आ रहा है। सूत्रों के अनुसार प्रदेश सरकार ने यह मामला उपायुक्त कांगड़ा को भेज दिया है। इसके बाद डीसी कांगड़ा ने डीआरओ कांगड़ा और एसडीएम देहरा को मामले में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि परागपुर अब उपमंडल बन चुका है, इसलिए इस पीएचसी का दर्जा बढ़ाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा सिविल अस्पताल किया जाना चाहिए। लोगों ने आगामी ग्राम सभा बैठक में भी यह मामला उठाने का निर्णय लिया है

> राजस्व रिकॉर्ड, सरकारी भूमि तथा कब्जे से संबंधित तथ्यों की नियमानुसार जांच की जा रही है। भूमि संबंधी औपचारिकताओं, सीमांकन एवं तकसीम की प्रक्रिया भी अमल में लाई जा रही है तथा आवश्यक राजस्व कार्रवाई आगे भी नियमानुसार लाई जाएगी।
> **-कुलवंत सिंह पोटन एसडीएम देहरा।**

टांडा मेडिकल कॉलेज में हालात बद से बदतर

अनंत ज्ञान, आशीष दमीर, कांगड़ा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज में इन दिनों मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में स्थित मेडिकल काउंटरों पर तैनात कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। दूर-दराज क्षेत्रों से उपचार के लिए आने वाले मरीजों के परिजनों का आरोप है कि कर्मचारियों द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है और कई बार दवाइयां देने से भी मना कर दिया जाता है। मरीजों के परिजनों ने बताया कि उन्हें अक्सर यह कहकर लौटा दिया जाता है कि अस्पताल में दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं और उन्हें बाहर से खरीदनी पड़ेंगी। ऐसे में गरीब और जरूरतमंद लोगों को हजारों रुपये खर्च कर निजी मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। लोगों का कहना है कि कुछ कर्मचारी मरीजों से सही ढंग से बात तक नहीं करते, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। इस मामले को लेकर जब अस्पताल के प्रिंसिपल डॉ. मिलाप शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार की शिकायतें सामने आई हैं तो उनकी जांच करवाई जाएगी। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल में अधिकांश दवाइयां उपलब्ध हैं और मरीजों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी सुरक्षा कर्मचारी या अन्य स्टाफ द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया है तो उसके खिलाफ भी उचित कार्रवाई की जाएगी, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

ब्वॉयज स्कूल परागपुर में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ

राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

परागपुर। राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में बुधवार को तंबाकू निषेध सप्ताह के उपलक्ष्य में विशेष जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उपमंडल देहरा से डॉ. पंकज खरियाल और डॉ. निधि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

वहीं, योग प्रशिक्षक अभिलाष और सुमनलता भी उपस्थित रहे। डॉ. पंकज खरियाल ने कहा कि तंबाकू युवाओं में कैंसर जैसी घातक बीमारियों का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को छोटी आयु से ही तंबाकू और सभी प्रकार के नशों से दूर रहने की सलाह दी। डॉ. निधि ने बताया कि बीड़ी, गुटखा और पाउच के रूप में उपलब्ध तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को तंबाकू निषेध की शपथ भी दिलाई। इसी अवसर पर आयुर्वेद विभाग के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को योगाभ्यास करवाया गया और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या सीमा कौशल ने की। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नशा मुक्त समाज बनाने का सकारात्मक संदेश दिया गया।

भाजपा के ज्ञापन पर सीएम को लिखा है पत्र : राज्यपाल

अनंत ज्ञान

- बोले- नशे के खिलाफ मिशन के तहत करना होगा काम

ब्यूरो, धर्मशाला। आदर्श आचार संहिता के बीच प्रदेश सरकार की ओर से मंत्रिमंडल की बैठक आयोजन को लेकर प्रदेश भाजपा ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा है। इस पर राज्यपाल ने कहा कि राजनीतिक पार्टियां इस तरह की शिकायतें करती हैं। इस संबंध में मैंने एक पत्र सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू को लिखा है। ऐसे में स्वभाविक बात है कि ऐसी कोई बात होगी तो उस पर एक्शन लेंगे।

यह बात राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने बुधवार को धर्मशाला में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कही। मंगलवार को धर्मशाला में खेले गए आईपीएल के फर्स्ट क्वालीफायर को देखने धर्मशाला पहुंचे थे।

प्रदेश में बढ़ते नशे के सवाल पर राज्यपाल ने कहा कि नशे से प्रदेश को बचाने के लिए मिशन बनाकर काम करना होगा। नशा हमारे यूथ को बर्बाद कर रहा है।

पर्यटन बढ़ोतरी में धर्मशाला का स्टेडियम एक माध्यम

धर्मशाला में खेले गए आईपीएल के फर्स्ट क्वालीफायर को लेकर राज्यपाल ने कहा कि धर्मशाला में क्रिकेट का अच्छा इवेंट हो रहा था, तो मुझे लगा कि लोगों के बीच में जाना चाहिए। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए धर्मशाला का स्टेडियम एक माध्यम है, भविष्य में पर्यटन को और बढ़ावा मिले, इसके लिए भी मापदंड अपनाने होंगे।

सरकारी संस्थाओं के साथ सामाजिक संस्थाओं का इसमें आगे आना होगा, साथ ही सभी को परिवार से नशे के खिलाफ अभियान छेड़ना होगा।

बड़ा भंगाल में 31 को होगी मतों की गणना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। पंचायतीराज संस्थानों के लिए प्रथम चरण का मतदान मंगलवार को संपन्न हो गया है। कांगड़ा जिले में 287 पंचायतों में मतदान हुआ था, जिनमें से 286 पंचायतों के चुनाव नतीजे घोषित हो चुके हैं, जबकि बड़ा भंगाल के चुनाव नतीजे 31 मई को घोषित किए जाएंगे। डीसी कांगड़ा हेमराज बैरवा ने बताया कि बड़ा भंगाल की मतपेटी बीड़ लाई जाएगी, जिसकी मतगणना 31 मई को होगी, जबकि 286 पंचायतों के वार्ड पंच, प्रधान व उपप्रधान पदों की मतगणना का कार्य पूरा होने के साथ नतीजे घोषित किए जा चुके हैं। डीसी ने कहा कि जिले में कुछ जगहों में चुनावों के लोगों के छिटपुट ऑब्जेक्शन रहते हैं, कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। यदि कहीं मामला गरमाया था तो पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की है। जिले में शांतिपूर्वक प्रथम चरण में मतदान प्रक्रिया पूरी करवाई गई है। डीसी ने कहा कि अगले दो चरणों के मतदान में लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके, इसके लिए प्रयास किए जाएंगे।

- 287 में से 286 पंचायतों के चुनाव नतीजे घोषित

आरसीबी और जीटी की टीमें दिल्ली रवाना

खिलाड़ियों ने बच्चों को ऑटोग्राफ दिए और उनके साथ फोटो खिंचवाए

अनंत ज्ञान

गगल। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस की टीमें अपने खिलाड़ियों के साथ आगामी मुकाबले के लिए दिल्ली रवाना हो गईं। दोनों टीमों ने कांगड़ा एयरपोर्ट से उड़ान भरी, जहां खिलाड़ियों में उत्साह देखने को मिला। रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर कुछ खिलाड़ियों ने मौजूद बच्चों और प्रशंसकों से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने बच्चों को ऑटोग्राफ दिए और उनके साथ फोटो भी खिंचवाई, जिससे वहां का माहौल काफी उत्साहपूर्ण हो गया। बच्चों और युवाओं में अपने पसंदीदा क्रिकेटरों को करीब से देखकर खासा जोश देखने को मिला। खिलाड़ियों ने भी फैंस के साथ

कुछ समय बिताकर उन्हें यादगार पल दिए। इसके बाद दोनों टीमें दिल्ली के लिए रवाना हो गईं, जहां वे अपने अगले मुकाबले की तैयारी करेंगी।

लखदाता कांजू पीर मेला चटवाल का दंगल आज

अनंत ज्ञान, पिंकी, डाडासीबा। लखदाता कांजू पीर मेला चटवाल में विशाल दंगल का आयोजन 28 मई को किया जाएगा। दंगल कमेटी के प्रधान लंबरदार फतेह सिंह ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी मेले में भव्य दंगल करवाया जाएगा, जिसमें प्रदेश सहित बाहरी राज्यों के नामी पहलवान अपने दमखम का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने सभी पहलवानों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर दंगल की शोभा बढ़ाएं। साथ ही क्षेत्र के लोगों, युवाओं को भी मेले में पहुंचने का निमंत्रण दिया गया है। कमेटी प्रधान लंबरदार फतेह सिंह ने कहा कि लखदाता कांजू पीर मेला क्षेत्र की आस्था और भाईचारे का प्रतीक है उन्होंने बताया कि दंगल कमेटी की ओर से पहलवानों और दर्शकों के लिए उचित व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

डीएवी स्कूल नगरोटा सूरियां में नर्सरी और एलकेजी के बच्चों के लिए फ्रेशर पार्टी आयोजित

बच्चों ने नृत्य व मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर खूब आनंद लिया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

- बच्चों को वितरित किए उपहार भी

शिव गुलेरिया, नगरोटा सूरियां। डीएवी नगरोटा सूरियां में नर्सरी एवं एलकेजी के विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। बच्चों ने नृत्य, खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर खूब आनंद लिया। रंग-बिरंगे परिधानों में बच्चे बहुत आकर्षक लग रहे थे। विद्यालय परिवार ने सभी नए विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह आयोजन बच्चों के लिए यादगार एवं आनंदमय रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य अकलुष महाजन एवं अध्यापकों ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों को उपहार भी वितरित किए गए। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दे रहा था।

नैहरनपुखर में बेटियों ने निभाया बेटे का फर्ज

अनंत ज्ञान

गरली। हार दयाल (नैहरन पुखर) गांव में एक हृदयविदारक लेकिन प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जहां 102 वर्षीय प्रीतो देवी के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार ने सभी को भावुक कर दिया। परिवार में सात बेटियां हैं और कोई पुत्र नहीं था, लेकिन बेटियों ने पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन किया। अंतिम विदाई के समय सभी सातों बेटियों ने मां को कंधा दिया और पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की सभी रस्में निभाईं। सबसे भावुक क्षण तब आया जब छोटी पुत्री रीना धीमान ने अपनी बहनों के सहयोग से मुखाग्नि दी। यह दृश्य समाज में प्रचलित मान्यताओं को चुनौती देता हुआ नजर आया। अंतिम संस्कार के दौरान पूरा वातावरण गमगीन हो गया और गांव में यह संदेश गूंजता रहा कि बेटियां भी हर जिम्मेदारी को उतनी ही गरिमा और श्रद्धा के साथ निभा सकती हैं जितना बेटे निभाते हैं।

दूसरे चरण का मतदान आज, चार लाख से अधिक वोटर डालेंगे वोट

अनंत ज्ञान

- 282 पंचायतों में चुने जाएंगे प्रधान-उपप्रधान और वार्ड सदस्य
- चुनाव प्रक्रिया के लिए 10 हजार कर्मचारियों की तैनाती

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश के सबसे बड़े जिला कांगड़ा में पंचायतीराज विभाग के तहत दूसरे चरण का मतदान वीरवार सुबह 7 बजे से शुरू होगा। इस चरण में जिले की 282 पंचायतों में प्रधान-उपप्रधान और 1616 वार्ड सदस्यों का चुनाव किया जाएगा। इन चुनावों में चार लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर ग्रामीण सरकार का गठन करेंगे। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुचारू और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए लगभग 10 हजार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो विभिन्न मतदान केंद्रों पर अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगे।

चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और पोलिंग पार्टियां अपने-अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर पहुंचकर तैनात हो चुकी हैं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। मतदान प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। मतदान केंद्रों के आसपास शराब और हथियार लेकर जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, मतगणना और मतदान दोनों ही चरणों में शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिला प्रशासन ने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की है, ताकि लोकतंत्र को और मजबूत किया जा सके।

प्रेसवार्ता भारतीय भाषाओं के संवर्धन के साथ देश को एकात्मता के सूत्र में पिरोता है त्रि-भाषा फार्मूला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से भारतीय भाषाओं को मिलेगा बढ़ावा: बंसल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रस्तावित त्रि-भाषा फार्मूला भारतीय भाषाओं के संवर्धन के साथ-साथ, देश को एकात्मता के सूत्र में पिरोने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल भारतीय भाषाओं को बल मिलेगा अपितु देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले युवाओं को देशभर में रोजगार के अच्छे अवसर भी प्राप्त होंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत त्रि-भाषा फार्मूला पर देश के कुछ प्रांतों में छिड़े विवाद पर सचिवालय में प्रेसवार्ता में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि त्रि-भाषा फार्मूला देश को जोड़ने और विद्यार्थियों में भाषायी समद्धि को विकसित करते के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रस्तावित त्रि-भाषा फार्मूला के अंतर्गत स्कूली शिक्षा में विद्यार्थियों को तीन भाषाओं

को पढ़ना जरूरी है, जिनमें दो भारतीय भाषाएं और एक विदेशी भाषा का ज्ञान होना अनिवार्य है। तमिलनाडू सहित देश के कुछ प्रांतों ने इस पर आपत्ति जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय में इसके विरोध में जनहित याचिका दायर कर इस योजना को निरस्त करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि त्रि-भाषा फार्मूला किसी भाषा को थोपने की बजाए विद्यार्थियों में भाषाई ज्ञान विकसित करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि किसी प्रांत के छात्रों को देश की भाषाओं को सीखने से वंचित करना उनके विकास में बाधा पहुंचाने और व्यक्तित्व को संकुचित करने जैसा है। एक भाषा के विरोध के लिए इस राष्ट्रीय एकात्मता और छात्रों के विकास के अभियान को रोकना अनुचित है।

रोजगार, पर्यटन और शिक्षा क्षेत्र होंगे सुदृढ़

प्रो. बंसल ने कहा कि देश के विद्यार्थियों को यदि विभिन्न भारतीय भाषाओं का ज्ञान होगा, तो इससे केवल राष्ट्रीय एकात्मता को ही बल नहीं मिलेगा, बल्कि सभी राज्यों के छात्र देश के हर कोने में जाकर रोजगार के अच्छे अवसरों का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रांत में जाकर रोजगार पाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है, वहां की भाषा का ज्ञान होना, जिससे हम वहां के लोगों से संवाद कर सकें। स्कूली शिक्षा के दौरान ही यदि विद्यार्थी को विभिन्न भाषाओं का ज्ञान होगा तो उसे अन्य राज्यों में जाकर रोजगार पाने में कठिनाई नहीं होगी। आज पर्यटन और उच्च शिक्षा के लिए लोग सबसे ज्यादा अपने राज्यों से बाहर जा रहे हैं। त्रि-भाषा फार्मूला शिक्षा और पर्यटन दोनों क्षेत्रों को संबल प्रदान करने के साथ, विद्यार्थियों के लिए बहतरीन अवसर उपलब्ध करवाएगा।

चार-भाषा फार्मूला पर कार्य कर रहा सीयू

प्रो. बंसल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की बात हो तो हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर में अग्रणी रहा है। सीयू में चार-भाषा फार्मूला पर काम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में संस्कृत, हिन्दी, डोगरी और पंजाबी भाषा को बढ़ावा देने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट भी संस्कृत, हिंदी, और अंग्रेजी भाषा में है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा उन्हें देश भर में डोगरी भाषा को बढ़ावा देने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति और शिक्षक उनके साथ डोगरी भाषा को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहे हैं, जिसके तहत डोगरी भाषा की 50 पाठ्य पुस्तकें तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों में विदेशी भाषाओं का ज्ञान विकसित करने और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में भी विश्वविद्यालय कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा चीनी और तिब्बती भाषा के विभाग भी शुरू किए गए हैं।

नशे से होने वाली सामाजिक, आर्थिक और नैतिक समस्याओं पर की चर्चा

देहरादून में राष्ट्रीय शराब तथ नशा बंदी मोर्चा की बैठक आयोजित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। देहरादून में 24-25 मई को जैन धर्मशाला में राष्ट्रीय शराब तथा नशा बंदी मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष सुलतान सिंह चौहान ने की, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से प्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिला संगठनों और युवाओं ने भाग लिया।

स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत गठबंधन के राष्ट्रीय संयोजक बलदेव राज सूद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यशाला में देश में बढ़ती शराब और नशाखोरी से उत्पन्न सामाजिक, आर्थिक और नैतिक समस्याओं पर गंभीर चर्चा हुई। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि केंद्र सरकार से पूर्ण शराबबंदी लागू करने और चुनाव आयोग से आचार संहिता के दौरान शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की जाएगी। कार्यशाला के दूसरे दिन जैन धर्मशाला से महात्मा गांधी की समाधि तक रूट मार्च निकाला गया और वहां एक घंटे का धरना देकर पूर्ण नशा बंदी की मांग उठाई गई। इसके बाद प्रधानमंत्री को ज्ञापन भी भेजा गया। इस कार्यक्रम में कई सामाजिक संगठनों और राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लेकर नशा मुक्ति अभियान को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

पंचायत चुनाव : धमरोल में 11 घंटे मतगणना करने के बाद सुबह 7 बजे निकला परिणाम

विजय पांचवीं बार बने प्रधान, 378 मतों से दर्ज की जीत

अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल भोरंज की धमरोल पंचायत में पंचायत चुनाव को लेकर इस बार जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। 26 तारीख को सुबह शुरू हुई मतदान प्रक्रिया शाम करीब 5 बजे तक चली, जिसके बाद पूरी रात मतगणना जारी रही। सुबह लगभग 7 बजे परिणाम घोषित किए गए।

प्रधान पद के चुनाव में विजय ने 956 मत हासिल कर बड़ी जीत दर्ज की। प्रतिद्वंद्वी ओम प्रकाश को 578 मत मिले, जबकि अश्वनी 423 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा सिमरो को 292, अरुण को 221, भग सिंह को 92 और मोहिंदर सिंह को 67 वोट प्राप्त हुए। विजय इससे पहले भी दो बार प्रधान और दो बार उपप्रधान रह चुके हैं। उपप्रधान पद पर भी दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला। कुल 2667 वोट पड़े, जिनमें 27 नोटा और 11 मत रद्द घोषित किए गए। नरेश कुमार ज्योति ने 1107 वोट लेकर जीत दर्ज की। राकेश को 511, राजेश को 333, वीणा को 289, प्रीतम लाल को 208 और संतोष को 181 मत मिले।

पंचायत चुनाव में जीत के बाद जश्न मनाते हुए। अनंत ज्ञान

वार्ड सदस्य चुनाव: वार्ड नंबर-1 में सिमरो देवी ने 121 वोट लेकर जीत दर्ज की। कांता देवी को 51, कृष्णा देवी को 48 और ज्योति देवी को 47 वोट मिले। यहां कुल 269 वोट पड़े और 2 मत नोटा में गए। वार्ड नंबर-2 में राहुल ने 179 वोट लेकर मंजुला शर्मा को हराया। मंजुला शर्मा को 72 वोट मिले। कुल 256 वोट पड़े, जबकि 4 नोटा और कुछ मत रद्द हुए। वार्ड नंबर-3 में मदन ने 109 वोट लेकर जीत हासिल की, जबकि नर्बदा देवी को 85 वोट मिले। यहां कुल 198 वोट पड़े। वार्ड नंबर-4 में कांटे की टक्कर देखने को मिली, जहां मंगला ने 207 वोट प्राप्त किए। सागर को 183 और रीना को 81 वोट मिले। कुल 481 वोट पड़े, जिनमें 3 नोटा और 7 वोट रद्द हुए। वार्ड नंबर-5 में रोशनी ने 127 वोट लेकर जीत दर्ज की। संतोष को 112 और पुष्पा को 57 वोट मिले। यहां 301 वोट पड़े, जिनमें 2 नोटा और 3 मत रद्द हुए। वार्ड नंबर-6 से सुनीता देवी निर्विरोध चुनी गईं। वार्ड नंबर-7 में किरण ने 116 वोट लेकर कमलेश को मात्र 4 वोटों से हराया। वार्ड नंबर-8 में लाखा ने 91 वोट लेकर जीत दर्ज की। वार्ड नंबर-9 में पामी देवी ने 145 वोट लेकर शानदार जीत दर्ज की, जबकि संगीता को 78 वोट मिले। वार्ड नंबर-10 में मीरा देवी ने 93 वोट लेकर पूनम को हराया। पूनम को 70 वोट मिले। यहां 1 वोट रद्द हुआ। वहीं वार्ड नंबर-11 मनोह से विश्वनाथ शर्मा निर्विरोध चुने गए।

कुल्हेड़ा में उपप्रधान विजय एक वोट से जीते

मंगलवार रात 2:00 बजे तक हुआ हंगामा, विधायक लखनपाल के साथ भी खूब हुई बहसबाजी

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। बड़सर विधानसभा क्षेत्र के कुल्हेड़ा पंचायत चुनाव में मंगलवार रात जबरदस्त हंगामा हुआ। उपप्रधान के पद के लिए हुई मतगणना पर दोनों ग्रुप आपस में खूब टकराए, नारेबाजी हुई। नौबत यहां तक पहुंच गई कि स्थिति को बेकाबू देखकर बड़सर के डीएसपी को दलबल के साथ वहां पहुंचना पड़ा।

महिला पुलिस भी काफी तादाद में मौके पर पहुंची। हालांकि इस पंचायत में उपप्रधान पद के लिए विजय कुमार एक वोट से विजयी घोषित हुए। लेकिन उससे पहले जो ड्रामा हुआ, उसने लगभग 4 घंटे तक प्रक्रिया को होल्ड किए रखा। दोनों पक्षों में रात भर जबरदस्त नारेबाजी होती रही खतरा यही बना रहा की कोई अप्रिय घटना ना हो जाए।

तीन मर्तबा रि-काउंटिंग करनी पड़ी : दरअसल में यहां पर तीन मर्तबा रि-काउंटिंग को अंजाम देना पड़ा वजह यह हुई की पहली मर्तबा काउंटिंग में हार जीत का अंतर 3 वोट का था और उसमें विजय कुमार जीत रहे थे, लेकिन इस पर इंद्रजीत ने रिकॉर्डिंग की गुजारिश की और जब ऐसा हुआ तो दो वोट कैंसिल हो गए और वोटो का अंतर बराबरी पर चला गया फिर अंत में विजय कुमार ने रि-काउंटिंग के लिए अप्लाई किया तो फिर एक वोट से उन्हें बढ़त मिल गई लेकिन उसे वक्त हंगामा खूब हो रहा था और जब पुलिस बुलाई गई माहौल को शांत किया गया उसके बाद यारों ने एक डेढ़ बजे उप प्रधान विजय कुमार को विजयी घोषित किया। यहां के प्रधान पद पर पिंगला देवी 508 वोट लेकर विजयी रहीं, जबकि निशा देवी को 432 मत हासिल हुए। दरअसल में इसी वजह से प्रधान के पद के लिए भी मतगणना समय पर नहीं हो पाई। उप प्रधान के पद पर मतगणना मुकम्मल होने और घोषणा होने के बाद ही प्रधान के पद पर बाद में चुनाव नतीजा सामने आ सका। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल भी जब मौके पर पहुंचे तो नारेबाजी और मुखर हो गई। बाद में हालात सामान्य हो गए।

नारेबाजी करते लोग और डीएसपी फोर्स सहित पंचायत मतगणना स्थल पर पहुंचे। अनंत ज्ञान

जिले की 83 पंचायतों को मिले प्रधान और उपप्रधान

विकास खंड भोरंज

पंचायत	प्रधान	उपप्रधान
धमरोल	विजय कुमार	नरेश कुमार
सधरियाण	अनिल ठाकुर	जगदीश चंद
कक्कड़	जुलमी देवी	जगत राम
धीरड़	शशिकांत	संजीव नेगी
लझियाणी	आरती	राजीव कुमार
नंधन	रवि कुमार	सुनील दत्त
चंबोह	सुनील कुमारी	केहर सिंह
डाडू	सुदर्शना	कुलदीप चंद
अमरोह	सविता	संजीव
दरब्यार	राजकुमारी	प्यार चंद
कंजयाण	रजनी कौशल	सुरेंद्र भारद्वाज
पट्टा	सविता कुमारी	नरेश कुमार
करहा	सुनीता देवी	विपन अग्निहोत्री
टिक्कर बुहला	बबीता	बलदेव सिंह
टिक्करी मिन्हासा	मान चंद	पवन कुमार

विकास खंड हमीरपुर

पंचायत	प्रधान	उपप्रधान
जंगलरोपा	करतार चंद	विकास सिंह
टिक्कर डिडवीं	मुकेश कुमार	राजकुमार
धरोग	अनु डोगरा	संतोष कुमार
धनेड़	किरण शर्मा	सतीश कुमार
उखली	सुमन कुमारी	दौलत राम देहल
कुठेड़ा	नीलम कुमार	उत्तम चंद
मझोगसुल्तानी	सपना	अश्वनी कुमार
रोपा	प्रार्थना देवी	शशि पाल
गसोता	राकेश कुमार	राकेश कुमार
पंधेड़	नेक राम	सुरेश कुमार
नारा	संदीप चौहान	चंद्रशेखर
पांडवीं	प्रीक्षा कुमारी	अश्वनी कुमार
देई का नौण	विक्की वनीता	रंजन शर्मा

विकास खंड बिझड़ी

पंचायत	प्रधान	उपप्रधान
बिझड़ी	निशा कुमारी	संजय कुमार
लोहडर	राकेश रानी	राजेश
झंझियाणी	योगराज	विक्रम सिंह
रैली	मदन सिंह	श्याम सिंह
टिप्पर	उषा रानी	राजकुमार
पाहलू	मलकीत सिंह	देशराज
कलौहण	कांता देवी	सुरेश कुमार
जजरी	अमित ढटवालिया	विशाल
घोड़ीधबीरी	निशा कुमारी	सुरेंद्र सिंह
ज्योलीदेवी	कमलेश कुमारी	सुरेश
कड़साई	रविंद्र कुमार	राजकुमार
कोहडरा	पंकज गर्ग	रविंद्र सिंह
महारल	कर्म सिंह	सुनील दत्त
दंदवीं	सुषमा शर्मा	रजनीश
कुलहेड़ा	पिंगला देवी	विजय सिंह
जनैहण	नीता देवी	पवन कुमार
सौर	दुर्गा रानी	अशोक कुमार

विकास खंड नादौन

पंचायत	प्रधान	उपप्रधान
हड़ेटा	रजनी बाला	पुरुषोत्तम
गोईस	अंजना देवी	बालक राम
मनसाई	अशोक कुमार	राकेश कुमार
जोल सप्पड़	पवन कुमार	यशपाल
ग्वालपत्थर	अमित कुमार	संजीव कुमार
कश्मीर	मीना देवी	पवन कुमार
उद्दप	सुनीता देवी	प्रकाश चंद
बड़ा	कुलवंत सिंह	अशोक कुमार
मैड़	विशाल	हेमराज
गलोड़ खास	धर्मचंद	सुरेश कुमार
फाहल	रजनी	अशोक कुमार
सनाही	सरिता शर्मा	सुभाष चंद
बैहरड़	सिमरो देवी	सुभाष चंद
कमलाह	अंजू बाला	गुरमेल सिंह
टिल्लू	अजय शर्मा	कालीदास
चौड़ू	विनोद कुमार	पवन कुमार
पनियाली	बीना देवी	राहुल कुमार
करंडोला प्लासी	सुभाष चंद	संतोष कुमार
जीहण	मनोज कुमार	विजय कुमार
नघूं	संजू देवी	अजय कुमार
रैल	विपन कुमार	राजीव रंजन

विकास खंड सुजानपुर

पंचायत	प्रधान	उपप्रधान
खैरी	राधा	राजेश कुमार
बैरी	इंदिरा देवी	विपन कुमार
डूहक	रंजना कुमारी	सुभाष चंद
रंगड़	बिंता देवी	विजय कुमार
ठाणा धबड़ियाणा	निर्मला	अश्वनी कुमार
मनिहाल	विजय	कमलजीत सिंह
बड़ेई	रविंद्र	गोल्डी धीमान
पनोह	लवली कुमारी	रमेश चंद

विकास खंड बमसन

पंचायत	प्रधान	उपप्रधान
खनौली	शक्ति चौहान	रणजीत सिंह
बजरोल	लता कुमारी	राजकुमार
भटेड़	शर्मिला ठाकुर	संजय कुमार
जंदड़ू	वंदना देवी	सचिन राणा
नाड़सीं	मीरा देवी	प्यार चंद
संगरोह कलां	सुनील	प्रीतम चंद
पटनौण	सुभाष चंद	राजीव कुमार
करियाली	शुभम राणा	विपन कुमार
दरोगण पत्ती कोट	पिंकी देवी	सुरेश कुमार

हमीरपुर की 83 पंचायतों में 73.02 प्रतिशत हुआ मतदान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के पहले चरण में मंगलवार को हमीरपुर जिले की 83 पंचायतों में लगभग 73.02 प्रतिशत मतदान हुआ। इन पंचायतों में प्रधान और उपप्रधान के 83-83 पदों, पंचायत वार्ड सदस्यों के 481 पदों और इनके अंतर्गत जिला परिषद और बीडीसी के सदस्यों के लिए सुबह 7 बजे मतदान आरंभ हुआ। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि पहले दो घंटे में 18.69 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 11 बजे तक 40.19 प्रतिशत और दोपहर एक बजे तक 58.54 प्रतिशत मतदान हो चुका था। मतदान की समाप्ति तक यह आंकड़ा लगभग 73.02 प्रतिशत तक पहुंच गया। इस चरण में नादौन ब्लॉक की 21 पंचायतों के 117 बूथों में 73.22 प्रतिशत, बिझड़ी ब्लॉक की 17 पंचायतों के 101 बूथों में 72.41 प्रतिशत, बमसन ब्लॉक की 9 पंचायतों के 51 बूथों में 72.28 प्रतिशत, भोरंज ब्लॉक की 15 पंचायतों के 92 बूथों में 72.13 प्रतिशत, हमीरपुर ब्लॉक की 13 पंचायतों के 77 बूथों में 75.46 प्रतिशत और सुजानपुर ब्लॉक की 8 पंचायतों के 44 बूथों में 72.36 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

बिझड़ी जिला परिषद वार्ड में चुनावी जंग के बीच दिखा भाईचारे का रंग

तीनों उम्मीदवार एक साथ बैठकर चाय की चुस्कियां लेते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। हिमाचल प्रदेश में चल रहे जिला परिषद चुनावों के बीच बिझड़ी वार्ड इस समय सबसे चर्चित सीटों में गिना जा रहा है। यहां मुकाबला बेहद रोचक माना जा रहा है, क्योंकि तीनों उम्मीदवार मजबूत दावेदार हैं।

पंचायतीराज चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान मंगलवार को बिझड़ी पोलिंग बूथ पर ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने सभी का दिल जीत लिया।

तीनों उम्मीदवार एक साथ बूथ पर पहुंचे और सबसे पहले एक-दूसरे से हाथ मिलाया। इसके बाद उन्होंने गले लगकर आपसी प्रेम और सम्मान का परिचय दिया। इतना ही नहीं, तीनों ने साथ बैठकर चाय की चुस्कियां भी लीं और मजाकिया अंदाज में बातचीत करते नजर आए। हालांकि चुनाव मैदान में तीनों एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन उनके व्यवहार ने यह साबित कर दिया कि राजनीति से ऊपर भाईचारा होता है।

उम्मीदवारों ने कहा कि हार-जीत चुनाव का हिस्सा है, मगर आपसी प्रेम और सम्मान हमेशा कायम रहना चाहिए। तीनों नेताओं की इस जुगलबंदी को देखकर वहां मौजूद जनता भी प्रभावित हुई और हर कोई उनकी दोस्ती और सौहार्द की सराहना करता नजर आया।

जिला सत्र न्यायालय में हथियार के साथ पहुंचे पूर्व सैनिक को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

अनंत ज्ञान फॉलोअप

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला सत्र न्यायालय में सोमवार को हुई घटना के आरोपी पूर्व सैनिक को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। सोमवार को पूर्व सैनिक जिस प्रकार कोर्ट परिसर और सत्र न्यायाधीश की अदालत के बाहर तक पहुंच गया था, उससे सभी हैरान व चकित हैं कि किस प्रकार सभी के सामने से होता हुआ बंदूक लेकर बिना किसी खौफ के कोर्ट में पहुंच गया। फिलहाल पुलिस रिमांड में ही पता चलेगा कि उसका क्या उद्देश्य था और वह बंदूक और दराट लेकर क्यों आया था। बताया जा रहा है कि पूर्व सैनिक अपनी पत्नी के केस के मामले में परेशान था और इसी गुस्से के कारण वे कोर्ट पहुंच गया। इस बारे में पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह ने बताया कि कोर्ट में हथियार के साथ जो व्यक्ति घुसा था उसे बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने पूर्व सैनिक को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

मेडिकल लैब टेक्नीशियन का परिणाम घोषित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने मेडिकल लैब टेक्नीशियन ग्रेड-2 (पोस्ट कोड 25014) के पदों को भरने के लिए 25 अप्रैल को आयोजित कंप्यूटर बेस्ड स्क्रीनिंग टेस्ट का परिणाम घोषित कर दिया है। परीक्षा का परिणाम आयोग की वेबसाइट एचपीआरसीए.एचपी.जीओवी.इन पर उपलब्ध करवा दिया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण 2 उम्मीदवारों की डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया 6 जून सुबह 10 बजे से आयोग के परिसर में आरंभ होगी, जिसका शेड्यूल अलग से अपलोड किया जाएगा और उम्मीदवारों को उनकी ईमेल आईडी पर सूचित किया जाएगा। उन्हें अलग से बुलावा पत्र नहीं भेजे जाएंगे। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय इन उम्मीदवारों को अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रतियां, इनकी सेल्फ अटेस्टेड फोटो प्रतियों के दो-दो सेट, आवेदन पत्र की डाउनलोड कॉपी और आईडी प्रूफ इत्यादि साथ लाने होंगे। सचिव ने बताया कि अगर कोई उम्मीदवार निर्धारित तिथि को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए उपस्थित नहीं होता है तो उसे कोई और अवसर नहीं दिया जाएगा।

नवनिर्वाचित प्रधान इंदिरा ने की विधायक रंजीत से भेंट

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। विधायक कप्तान रंजीत सिंह से बैरी पंचायत की नवनिर्वाचित प्रधान इंदिरा देवी ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विधायक कप्तान रंजीत सिंह ने अपनी धर्मपत्नी सहित प्रधान इंदिरा देवी को शाल व टोपी पहनाकर सम्मानित किया तथा शुभकामनाएं दीं।

जेओए और लाइब्रेरी की परीक्षा का परिणाम घोषित

◆ 159 उम्मीदवारों की होगी डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (लाइब्रेरी) 78 पदों (पोस्ट कोड 25024) को भरने के लिए 25 अप्रैल को आयोजित कंप्यूटर बेस्ड स्क्रीनिंग टेस्ट का परिणाम घोषित कर दिया है। परीक्षा का परिणाम आयोग की वेबसाइट एचपीआरसीए.एचपी.जीओवी.इन पर उपलब्ध करवा दिया गया है।

आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण 159 उम्मीदवारों की डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया 6 जून सुबह 10 बजे से आयोग के परिसर में आरंभ होगी, जिसका शेड्यूल अलग से अपलोड किया जाएगा और उम्मीदवारों को उनकी ईमेल आईडी पर सूचित किया जाएगा। उन्हें अलग से बुलावा पत्र नहीं भेजे जाएंगे। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय इन उम्मीदवारों को अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रतियां, इनकी सेल्फ अटेस्टेड फोटो प्रतियों के दो-दो सेट, आवेदन पत्र की डाउनलोड कॉपी और आईडी प्रूफ इत्यादि साथ लाने होंगे। सचिव ने बताया कि अगर कोई उम्मीदवार निर्धारित तिथि को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए उपस्थित नहीं होता है तो उसे कोई और अवसर नहीं दिया जाएगा।

प्रगतिशील किसान के घर पहुंची उपायुक्त

खेतों में जाकर परमिंद्र की आधुनिक मल्टीपल फार्मिंग को सराहा

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। डीसी गंधर्वा राठौड़ ने बुधवार को यहां शहर के साथ लगते दोसड़का क्षेत्र के प्रगतिशील किसान परमिंद्र सिंह डडवाल के घर एवं खेतों में जाकर उनके द्वारा की जा रही आधुनिक एवं मल्टीपल फार्मिंग का जायजा लिया।

डीसी ने परमिंद्र द्वारा उगाई गई विभिन्न फसलों की पनीरी, औषधीय पौधों, बहुफसली विधि से लगाए गए अन्य पौधों और विशेषकर, बांस, पुरानी पाइपों एवं अन्य वेस्ट मटेरियल का सदुपयोग करते हुए इसमें लगाए गए पौधों का अवलोकन किया। उन्होंने वेस्ट मैटीरियल के भरपूर सदुपयोग और बहुफसली विधि को अपनाने के लिए परमिंद्र सिंह डडवाल की सराहना की। इस अवसर पर आतमा परियोजना हमीरपुर के परियोजना निदेशक राकेश धीमान, कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. डीडी शर्मा और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इसके बाद उपायुक्त ने हथली खड्ड निकट कृषि विभाग के परिसर में विकसित की जा रही राज्य उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया और अत्याधुनिक उपकरणों को स्थापित करने के कार्य का जायजा लिया।

निर्माणाधीन राज्य उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया। अनंत ज्ञान

भोटा स्कूल में पीलिया के तीन नए मामले आए, 34 हुई संख्या

अनंत ज्ञान, भोटा। पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल भोटा तीन और बच्चे पीलिया से पीड़ित पाए गए हैं। पीलिया से पीड़ित बच्चों की संख्या 34 तक पहुंच गई है, जबकि कुछ बच्चे स्वस्थ होकर घर लौटे हैं। बुधवार को भी कुछ बच्चों के पीलिए के टेस्ट भोटा स्वास्थ्य केंद्र में चार बच्चों के टेस्ट किए गए, जिसमें की तीन बच्चों को पीलिया से ग्रस्त पाया गया। अभी भी चैरिटेबल हॉस्पिटल भोटा में इलाज के लिए छह बच्चे दाखिल हैं जिनका इलाज सुचारु रूप से इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार एक बच्चे को छुट्टी कर दी गई है, जो कि गांव मोरसु गारला से था। वह अभी स्वस्थ है प्रधानाचार्य सनम ने बताया कि कुछ बच्चे और भी हॉस्पिटलों से इलाज करवा कर घर वापस लौटे हैं और स्वस्थ हैं।

हमीरपुर विस क्षेत्र की 10 पंचायतों में 70 प्रतिशत कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार जीते : डॉ. पुष्पेंद्र

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पिछले कल संपन्न हुए पंचायत चुनावों में हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र की 10 पंचायतों में लगभग 70 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधि कांग्रेस समर्थित एवं कांग्रेस विचारधारा से जुड़े हुए चुनकर आए हैं, जो प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में चल रही व्यवस्था परिवर्तन एवं विकास की राजनीति पर जनता की मुहर को दर्शाता है। डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में लिए जा रहे फैसलों और विकास कार्यों पर लोगों ने अपना विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नहीं बल्कि आम जनता की जीत है, जिन्होंने सकारात्मक राजनीति और विकास के एजेंडे को समर्थन दिया है। उन्होंने हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता, मातृशक्ति, युवाओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी जनता का यह स्नेह और आशीर्वाद कांग्रेस परिवार को मिलता रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इसी प्रकार कांग्रेस विचारधारा से जुड़े प्रतिनिधियों को अपना समर्थन और आशीर्वाद देते रहें ताकि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया जा सके।

दूसरा चरण : 82 पंचायतों के प्रधान-उपप्रधान और वार्ड सदस्यों के भाग्य का फैसला आज

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के दूसरे चरण में हमीरपुर जिले की 82 ग्राम पंचायतों में वीरवार को सुबह सात बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा। इन पंचायतों में प्रधान एवं उपप्रधान के कुल 164 पदों और पंचायत सदस्यों के कुल 466 पदों के अलावा इनके अंतर्गत आने वाले जिला परिषद और बीडीसी वार्डों के लिए भी मतदान होगा।

दूसरे चरण में नादौन ब्लॉक की 21 पंचायतों में 115 बूथ बनाए गए हैं। बिझड़ी ब्लॉक की 17 पंचायतों में 99 बूथ, बमसन ब्लॉक की 8 पंचायतों में 42 बूथ, भोरंज ब्लॉक की 15 पंचायतों में 91 बूथ, हमीरपुर ब्लॉक की 13 पंचायतों में 75 बूथ और सुजानपुर की 8 पंचायतों में 44 बूथ बनाए गए हैं। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। मतदान के दिन सभी मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में सभी तरह की प्रचार गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी तरह की प्रचार सामग्री प्रदर्शित करने, मतदाताओं को लुभाने या प्रभावित करने से संबंधित अन्य सभी गतिविधियों पर पूर्ण पाबंदी रहेगी। मतदान केंद्रों और इसके आस-पास के क्षेत्रों में हथियार लेकर चलने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मतदान ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। पंचायत प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्यों के चुनाव परिणाम उसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे। जबकि, पंचायत समिति और जिला परिषद के मतों की गिनती 31 मई को सुबह 9 बजे सभी ब्लॉक मुख्यालयों में आरंभ होगी।

पटनौण पंचायत में सुभाष चंद बने प्रधान, राजीव उपप्रधान

अनंत ज्ञान, टौणी देवी। पटनौण पंचायत के नतीजे आ गए हैं। सुभाष चंद ने कपिल को 150 मतों से हराया, उपप्रधान पद पर राजीव ने अरुण को 50 मतों से हराया। पंचायत चुनावों में वार्ड 1 घुमारु से आशा ने हरप्रीत को 8, वार्ड 3 लगवाल्बस्ती से कांता देवी ने आशा देवी को 18, वार्ड 4 धार से तनद कुमार ने हेमराज को 25, वार्ड 5 बढ़ेड़ू से कड़े मुकाबले में नीलमा ने प्रियंका को 1 मत से हराया, प्रियंका को 67 और नीलमा को 68 मत पड़े और एक मत कैंसिल हुआ। इस वार्ड में एक मत नोटा भी डाला गया जो निर्णायक बना।

सांसद सिकंदर ने की पूर्व सीएम धूमल से की मुलाकात

◆ 'मोदी युग में भारत का सशक्तिकरण' किताब की भेंट

◆ संगरोह पंचायत के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों ने भी धूमल से लिया आशीर्वाद

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। राज्यसभा सांसद सिकंदर कुमार ने बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल से उनके समीरपुर स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, पूर्व जिलाध्यक्ष रघुवीर ठाकुर और नादौन मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार भी उपस्थित रहे। सिकंदर ने प्रो. धूमल को 'मोदी युग में भारत का सशक्तिकरण' पुस्तक भी भेंट की।

पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. धूमल से शिष्टाचार भेंट करते राज्यसभा सांसद सिकंदर। अनंत ज्ञान

सिकंदर कुमार ने कहा कि प्रो. प्रेम कुमार धूमल का राजनीतिक जीवन संगठन, सुशासन और जनसेवा का प्रेरणादायक उदाहरण रहा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल के विकास, भाजपा संगठन के विस्तार तथा आमजन के हितों की रक्षा में प्रो. धूमल का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रो. धूमल का अनुभव और मार्गदर्शन आज भी पार्टी के लिए ऊर्जा का स्रोत है। धूमल ने राज्यसभा सांसद सिकंदर कुमार का शिष्टाचार भेंट एवं पुस्तक भेंट करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा उनके कार्यों की सराहना की।

इसी क्रम में संगरोह पंचायत के नवनिर्वाचित प्रधान सुनील कुमार व उप प्रधान प्रीतम चंद ने अपने पंचायत सदस्यों और समर्थकों सहित प्रो. प्रेम कुमार धूमल से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रो. धूमल ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं तथा विश्वास जताया कि पंचायत की नई टीम जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मतगणना एजेंटों को 29 मई तक अधिकृत करें उम्मीदवार : एसडीएम

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। एसडीएम एवं उपमंडल हमीरपुर के निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संजीत सिंह ने जिला परिषद और बीडीसी चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों से अपील की है कि वे 31 मई को होने वाली मतगणना के लिए अपने-अपने मतगणना एजेंटों को समय रहते अधिकृत कर दें। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों को मतगणना एजेंटों से संबंधित निर्धारित फार्म और अन्य आवश्यक दस्तावेज 29 मई को दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक संबंधित खंड विकास अधिकारी कार्यालय से प्राप्त करने होंगे। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा के बाद किसी भी प्रकार का आवेदन अथवा दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए सभी उम्मीदवार तय समय के भीतर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करें, ताकि मतगणना प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने सभी प्रत्याशियों से निर्वाचन नियमों का पालन करने और प्रशासन का सहयोग करने की भी अपील की।

न्यूज ब्रीफ

धनोटू ब्लॉक की 11 पंचायतों में मतदान आज

अनंत ज्ञान, महादेव। विकास खंड धनोटू के अंतर्गत 28 मई को पंचायतीराज चुनावों के मद्देनजर 11ग्राम पंचायतों जिनमें महादेव,कनैड,अप्पर बैहली, जुगाहन, दयारगी, बग्गी, फंगवास, स्यांजी कोठी, रेफल, भ्यारटा व ग्राम पंचायत चौक शामिल है में चुनाव करवाए जाएंगे। खंड विकास अधिकारी मनमोहन शर्मा ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए तमाम प्रबंध कर दिए गए हैं।

घांघल पंचायत में कांता देवी बनीं प्रधान

अनंत ज्ञान, महादेव। नाचन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आते धनोटू विकास खंड में पहले चरण में 11 पंचायतों के 69 बूथों पर चुनाव संपन्न हुए, जिसमें कुल 14298 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 6727 और महिला मतदाताओं की संख्या 7571 रही। इस तरह महिला मतदाताओं ने पुरुष मतदाताओं से आगे रहकर बाजी मारी तथा प्रथम चरण का यह चुनाव 82% दर्ज किया गया। उधर ग्राम पंचायत महादेव से अलग हुई घांघल पंचायत में दूसरी बार प्रधान पद पर कांता देवी विजयी रही, जिसने 446 वोट लिए वहीं इंदेश्वरी राणा ने 250वोट लेकर दूसरा स्थान पाया। इसी प्रकार उप प्रधान पद के लिए कांटे की टक्कर के चलते हरीश कुमार ने 504 वोट लेकर जीत हासिल की तथा अमर सिंह ने 486 वोट प्राप्त कर दूसरा स्थान पाया यानि पराजित हुए। वार्ड सदस्यों में एक नंबर से रेखा देवी, वार्ड नं दो से लता देवी, वार्ड नं तीन से लीलाधर,चार नं से पूनम तथा पांच नं वार्ड से सर्वसम्मति बनी और वार्ड सदस्य के रुप में अनीता देवी की अनपोज चर्चित हुई।

पुष्पा देवी बनीं चांबी पंचायत की प्रधान

अनंत ज्ञान, जंगमबाग। विकास खंड धनोटू के अंतर्गत हुए प्रथम चरण के पंचायतीराज चुनावों में नाचन विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत चांबी में प्रधान पद की उम्मीदवारी को लेकर मैदान में उतरी पुष्पा देवी ने 852 मत प्राप्त कर जीत हासिल की जबकि प्रतिद्वंद्वी रामप्यारी ने 708 मत प्राप्त कर दूसरा स्थान पाया और तीसरे स्थान पर रही निशा बंसल ने 586मत प्राप्त किए। उप प्रधान पद लेखराज उर्फ डैनी ने हासिल किया जिसके पक्ष में 1000 मत मिले। दूसरे स्थान पर दलीप कुमार (भूतपूर्व प्रधान)ने 804मत प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर रहने वाले आशीष रावत ने 338 मत प्राप्त किए। वहीं, वार्ड सदस्यों में जीतकर आए कुलदीप सिंह, कमल, तारा देवी, कमला देवी, अजय, निशा, सरला देवी, नरेश तथा सपना।

जयदेवी पंचायत में खेमराज बने प्रधान

अनंत ज्ञान, जय देवी। 1593 मतदाताओं वाली ग्राम पंचायत जयदेवी में प्रधान पद के उम्मीदवार खेमराज ने 544 मत हासिल करके जीत हासिल की, प्रेम सिंह 497 वोट हासिल के दूसरे स्थान पर रहे। उप-प्रधान पद के उम्मीदवार दिनेश कुमार ने 389 वोट प्राप्त करके जीत हासिल की तथा जितेंद्र कुमार 355 वोट हासिल करके दूसरे स्थान पर रहे। टेकचंद, जमुना दास, मनोज, कुसुम तथा डिंपल ने वार्ड सदस्य के रूप में जीत हासिल की। वहीं ग्राम पंचायत भलाणा में प्रधान पद के लिए कमला देवी ने 226 मत हासिल करके जीत हासिल की तथा रीना ने 222 मत प्राप्त करके दूसरे स्थान प्राप्त किया। उपप्रधान पद के लिए वाला ने 430 वोट प्राप्त करके जीत दर्ज की तथा किशन ने 310 वोट प्राप्त कर दूसरे स्थान प्राप्त किया। वार्ड सदस्य के रूप में संजू, गंगाराम, पूनम, बिंद्रा तथा कुसुम ने जीत हासिल की।

डोडर, पनिहौर और बदार में तेंदुए का खौफ

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट वन परिक्षेत्र के डोडर, पनिहौर, बदार तथा आसपास के क्षेत्रों में मादा तेंदुए के अपने दो से तीन शावकों के साथ देखे जाने और दहाड़ने की सूचनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। इसके साथ ही पालतू कुत्तों पर हमले की घटनाओं ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। हालांकि बुधवार सुबह वन विभाग की टीम द्वारा डोडर गांव में मौके पर निरीक्षण किया गया, लेकिन तेंदुए या उसके शावकों का कोई सुराग नहीं मिल पाया। स्थानीय निवासी मोनू ठाकुर ने फॉरेस्ट गार्ड संजय कुमार को सूचना दी थी कि गांव में तेंदुए के शावक घूमते देखे गए हैं और दहाड़ने की आवाजें भी सुनाई देती हैं। सूचना मिलते ही विभागीय टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर क्षेत्र की तलाशी ली गई। इस दौरान डिप्टी रेंजर विजय कुमार, जोगेंद्र रोहित सहित स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा है कि लोग समूह में खेतों और घासनियों में जाएं, बच्चों को अकेला न छोड़ें तथा रात के समय अनावश्यक बाहर न निकलें। पालतू पशुओं को सुरक्षित रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में भाजपा को मिली जीत : जयराम

प्रदेश के पूर्व सीएम बोले- हिमाचल के गांवों से शुरू हुआ कांग्रेस का सफाया

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी से जारी प्रेस बयान में कहा कि हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज चुनावों के प्रथम चरण में प्रबुद्ध जनता ने कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों को नकारते हुए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में एकतरफा और प्रचंड जनादेश सुना दिया है। इस चुनाव के पहले ही चरण में प्रदेश की लगभग 75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान प्रत्याशियों ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है, जिसने यह साफ कर दिया है कि प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रवाद और विकास की एक नई लहर चल रही है और कांग्रेस का गांव-गांव से सफाया शुरू हो चुका है।

उन्होंने कहा कि सराज में भाजपा ने प्रथम चरण में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र की 28 पंचायतों में से 25 पर अपना परचम लहराया है, जबकि कांग्रेस को महज दो जगह पर ही संतोष करना पड़ा है। सराज की प्रबुद्ध जनता के इस प्रचंड समर्थन और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि कई बार प्राकृतिक आपदा का दंश झेल चुके सराज क्षेत्र को सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ मिलकर फिर से मजबूती के साथ खड़ा किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश की जनता को इस शानदार जनादेश के लिए धन्यवाद दिया और दूसरे चरण के पंचायत चुनाव के लिए भी जनता से इसी प्रकार के सहयोग की पुरजोर अपील की।

कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इस सरकार ने झूठ बोलकर और जनता को गुमराह करके सत्ता तो हथिया ली, लेकिन सत्ता में आने के बाद प्रदेश के विकास कार्यों पर पूरी तरह से पूर्ण विराम लगा दिया है। जनता अब इस सच्चाई को अच्छी तरह समझ चुकी है कि यदि गांव और क्षेत्र का वास्तविक विकास करना है तो भाजपा के साथ ही आगे बढ़ना होगा। उन्होंने पूर्ण विश्वास जताया कि आने वाले समय में प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनना तय है और केंद्र सरकार के मजबूत सहयोग से हिमाचल में विकास का पहिया 'डबल इंजन' की रफ्तार से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को पता था कि चुनावों में परिणाम कांग्रेस पार्टी के पक्ष में नहीं आने वाले हैं तो उन्होंने इन चुनावों को समय पर नहीं करवाया और आज छः माह का अतिरिक्त समय निकल चुका है। इस अवधि में जो विकास पंचायतों में होना चाहिए था वो कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री की हठधर्मिता के कारण रुका पड़ा है।

धाड़ता में कांग्रेस को बड़ा झटका, कई नेता चुनाव हारे

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के धाड़ता क्षेत्र में पंचायत चुनावों के नतीजों ने कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका दिया है। क्षेत्र की कई पंचायतों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा, जबकि भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने उल्लेखनीय जीत दर्ज की। भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद ठाकुर की पत्नी अनु बाला ठाकुर ने ग्राम पंचायत कांगों का गहरा से भारी मतों से जीत हासिल कर भाजपा खेमे में उत्साह भर दिया है, वहीं कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों में कांग्रेस के टिकट की दावेदार रही महिला नेत्री विजयलक्ष्मी चोल्थरा पंचायत में हार गई कांगो का गहरा से रजनी ठाकुर और घरवासड़ा से कांग्रेस नेता दान सिंह को हार का सामना करना पड़ा। राजनीतिक रूप से अहम मानी जा रही ग्रोउडु-गद्दीधार पंचायत, जो कि कांग्रेस मंडलाध्यक्ष प्रकाश ठाकुर की गृह पंचायत है, वहां भी कांग्रेस को निराशा हाथ लगी।

◆ कांगो का गहरा से भाजपा मंडल अध्यक्ष की पत्नी जीती

इसके अलावा देवगढ़, कून और टोररखोला पंचायतों में भी कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार जीत दर्ज नहीं कर सके। चुनावी परिणामों के बाद क्षेत्र में कांग्रेस संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं में इस बात को लेकर नाराजगी बताई जा रही है कि क्षेत्र की विधायक ने चुनाव प्रचार के दौरान धाड़ता क्षेत्र में सक्रियता नहीं दिखाई। दूसरी ओर पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर ने गांव-गांव जाकर बैठकों के माध्यम से भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया, जिसका असर चुनाव परिणामों में दिखाई दिया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि धाड़ता क्षेत्र के नतीजे आने वाले समय में धर्मपुर की राजनीति पर असर डाल सकते हैं।

कोठुआ पंचायत में पवन कुमार प्रधान और अजय बने उपप्रधान

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। धर्मपुर उपमंडल की कोठुआ पंचायत में पवन कुमार प्रधान तथा अजय कुमार उपप्रधान निर्वाचित हुए हैं। पवन कुमार की जीत के बाद पंचायत में उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है। उनकी जीत की आधिकारिक घोषणा 26 मई की देर रात करीब सवा बारह बजे की गई, जिसके बाद समर्थकों ने जश्न मनाया। बता दें कि पवन कुमार इससे पहले वर्ष 2015 में कोठुआ पंचायत के उपप्रधान भी रह चुके हैं। वर्ष 2020 के पंचायत चुनावों के दौरान उन्होंने कोठुआ पंचायत के प्रधान पद को लगातार पांचवीं बार आरक्षित किए जाने के खिलाफ उच्च न्यायालय शिमला में याचिका दायर की थी।

दरअसल, पिछले 20 वर्षों में कोठुआ पंचायत का प्रधान पद दो बार सामान्य महिला, एक बार अनुसूचित जाति पुरुष और एक बार अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित रह चुका था। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने वर्ष 2020 में भी इस सीट को सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित कर दिया था, जिसका पंचायत में विरोध हुआ था।

पवन कुमार ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने पंचायत को पांचवीं बार आरक्षित किए जाने पर 22 दिसंबर तक अंतरिम रोक लगा दी थी। बाद में न्यायालय के आदेश के अनुसार सीट महिला वर्ग के लिए आरक्षित हुई थी। इस बार सीट अनारक्षित होने के बाद पवन कुमार ने प्रधान पद के लिए नामांकन दाखिल किया। चुनाव मैदान में उनके सामने पांच उम्मीदवार थे, लेकिन उन्होंने सभी को पीछे छोड़ जीत दर्ज की और पंचायत के नए प्रधान चुने गए।

चौंतड़ा में जिला परिषद एवं बीडीसी सदस्य की मतगणना को लेकर पूर्वाभ्यास संपन्न

एसडीएम ने कर्मियों को सिखाई मतगणना की बारीकियां

अनंत ज्ञान

चौंतड़ा। पंचायतीराज चुनावों के अंतर्गत चौंतड़ा विकास खंड में जिला परिषद एवं बीडीसी सदस्य पदों की मतगणना को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के उद्देश्य से चौंतड़ा स्कूल में मतगणना पूर्वाभ्यास का आयोजन किया गया। इस पूर्वाभ्यास की अध्यक्षता रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीश चौधरी ने की।

इस अवसर पर एसडीएम मनीश चौधरी ने सभी मतगणना अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतगणना प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायतीराज चुनावों में मतगणना बैलट पेपर के माध्यम से की जानी है, इसलिए प्रत्येक कर्मचारी को पूरी सावधानी, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ अपना कार्य करना होगा। उन्होंने मतगणना के दौरान बैलट पेपर की जांच, मतों की गणना, अभिलेख संधारण तथा परिणाम संकलन से जुड़ी बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चौंतड़ा में जिला परिषद एवं बीडीसी सदस्य के चुनाव की मतगणना का पूर्वाभ्यास करते कर्मचारी। अनंत ज्ञान

पूर्वाभ्यास के दौरान मास्टर ट्रेनर खजान सिंह ने मतगणना प्रक्रिया की चरणबद्ध जानकारी देते हुए कर्मचारियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस दौरान मतगणना कर्मचारियों द्वारा व्यवहारिक अभ्यास भी किया गया, ताकि वास्तविक मतगणना के समय किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। इस अवसर पर तहसीलदार जोगिंद्रनगर रजत सेठी, बीडीओ चौंतड़ा अनुभव तनवर तथा नायब तहसीलदार जोगिंद्रनगर जागृति राठौर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

असेंट स्कूल के बच्चों ने पेश की मिसाल

पॉकेट मनी से वाटर कूलर खरीदकर स्कूल को किया भेंट

वाटर कूलर का उद्घाटन करते प्रधानाचार्य गुलाब सिंह चौहान। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

पधर। उत्तर भारत सहित पूरे देश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बीच मंडी जिले के पधर स्थित असेंट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रेरणादायक पहल की है। विद्यालय के बच्चों ने अपनी पॉकेट मनी और ऐच्छिक निधि से पैसे एकत्रित कर स्कूल को आधुनिक वाटर कूलर भेंट किया है, ताकि गर्मी में किसी भी छात्र को पानी की परेशानी न हो। मई माह की प्रचंड गर्मी को देखते हुए बच्चों ने खुद आगे आकर यह निर्णय लिया।

सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपनी छोटी-छोटी बचत जोड़कर राशि एकत्रित की और स्कूल परिसर में वाटर कूलर स्थापित करवाया। इससे अब विद्यार्थियों को स्वच्छ और ठंडा पानी उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य गुलाब सिंह चौहान ने वाटर कूलर का उद्घाटन किया। उन्होंने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल वॉटर कूलर का दान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के संस्कार, एकजुटता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है।

प्रधानाचार्य ने कहा कि बच्चों ने साबित कर दिया है कि यदि नीयत अच्छी हो और मिलकर प्रयास किया जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। उन्होंने इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने भी बच्चों की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की है।

बाल्ट में आशा की पंचायत प्रधान के रूप में वापसी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। जिला मंडी के विकास खंड बल्ह की ग्राम पंचायत बाल्ट में संपन्न पंचायत चुनावों में आशा कुमारी ने प्रधान पद पर शानदार जीत दर्ज करते हुए अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी कंचन कुमारी को 96 मतों के अंतर से पराजित किया। आशा कुमारी को कुल 755 मत प्राप्त हुए, जबकि कंचन कुमारी को 659 मत मिले, वहीं राजकुमारी 273 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहीं। उनकी जीत के बाद पंचायत क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। आशा कुमारी का पंचायत राजनीति में लंबा और सक्रिय अनुभव रहा है।

◆ 2015 से 2020 तक भी रह चुकी हैं प्रधान

वह वर्ष 2010 से 2015 तक पंचायत सदस्य निर्वाचित हुई थीं। इसके बाद वर्ष 2015 से 2020 तक ग्राम पंचायत बाल्ट की प्रधान के रूप में कार्य करते हुए। उन्होंने अनेक विकासात्मक और जनकल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया तथा पंचायत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 26 मई को हुए पंचायत चुनावों में एक बार फिर पंचायतवासियों ने उन पर विश्वास जताते हुए प्रधान पद की जिम्मेदारी सौंपी है। जीत के उपरांत आशा कुमारी ने समस्त पंचायतवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत पूरे बाल्ट पंचायत परिवार की जीत है।

राष्ट्रीय ग्रैपलिंग स्पर्धा के लिए टीम असम रवाना

टीम में 28 खिलाड़ी शामिल, एशियाई प्रतियोगिता भी खेलेंगे प्रदेश के तीन खिलाड़ी

अनंत ज्ञान

भीम बसेड़ू राजपूत, महादेव। हिमाचल प्रदेश की ग्रैपलिंग टीम 19वीं राष्ट्रीय ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बुधवार सुबह सुंदरनगर से गुवाहाटी (असम) के लिए रवाना हुई। प्रतियोगिता का आयोजन 29 से 31 मई तक भारतीय ग्रैपलिंग संघ के तत्वावधान में असम ग्रैपलिंग संघ द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के 28 खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें अंडर-17, अंडर-20, सीनियर और वेटरन वर्ग की स्पर्धाएं आयोजित होंगी।

सुंदरनगर से गुवाहाटी के लिए रवाना होने से पहले हिमाचल प्रदेश ग्रैपलिंग टीम के खिलाड़ी व पदाधिकारी। अनंत ज्ञान

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। हिमाचल प्रदेश एमेच्योर ग्रैपलिंग संघ के महासचिव एवं एशियाई पदक विजेता जितेंद्र चौहान ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिन्होंने सोलन में आयोजित राज्य स्तरीय ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया था। उन्होंने बताया कि टीम के साथ पुरुष वर्ग के कोच मनदीप और तेज प्रकाश, जबकि महिला वर्ग की कोच पुष्पा राजपूत रहेंगी। सभी खिलाड़ी यूडब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा निर्धारित भार वर्गों में मुकाबले करेंगे। जितेंद्र चौहान ने बताया कि यूडब्ल्यूडब्ल्यू एशिया एवं ओशियाना ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में भी हिमाचल प्रदेश के तीन खिलाड़ी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

◆ गुवाहाटी में 29 से 31 मई तक आयोजित होगी प्रतियोगिता

इनमें जिला मंडी के मौवीसेरी की कविता चौहान, जिला शिमला की सुन्नी तहसील के मयंक पाल तथा जिला सोलन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मनदीप शामिल हैं। यह प्रतियोगिता दानांग (वियतनाम) में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है और वे देश व हिमाचल का नाम रोशन करेंगे।

छातर में जीते उम्मीदवारों ने मनाया जश्न, देर रात तक चली आतिशबाजी

अनंत ज्ञान

भौर। धनोटू विकास खंड की छातर और डुगराई पंचायतों के चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी उम्मीदवारों के घरों में जश्न का माहौल रहा। देर रात तक समर्थकों ने आतिशबाजी कर खुशी मनाई और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाइयां दीं। प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्य पद पर जीत दर्ज करने वाले उम्मीदवारों ने समर्थकों के साथ जमकर जश्न मनाया। जैसे ही उम्मीदवारों को अपनी जीत की सूचना मिली, उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। छातर पंचायत में समाजसेवी रूप लाल की पत्नी कुमारी अंजू ने 1218 वोट हासिल कर प्रधान पद पर जीत दर्ज की। वहीं उपप्रधान पद की दौड़ में धर्मपाल विजयी रहे। उन्होंने 820 मत प्राप्त कर जीत हासिल की।

उधर, डुगराई पंचायत से प्रधान पद के उम्मीदवार गुरदास ने 627 वोट लेकर जीत दर्ज की, जबकि उपप्रधान पद के उम्मीदवार मोहम्मद रफी ने 1205 मत प्राप्त कर विजय हासिल की। विजयी उम्मीदवारों ने अपनी जीत का श्रेय जनता और मतदाताओं को देते हुए सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह उनकी नहीं बल्कि जनता की जीत है और वे पंचायत के विकास के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य करेंगे।

डुगराई पंचायत में हुआ 80 प्रतिशत मतदान

डुगराई पंचायत में करीब 80 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान केंद्र पर तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी सुबह से ही अपने-अपने कार्यों में जुट गए थे। सुबह के समय से ही मतदाताओं का केंद्र पर पहुंचना शुरू हो गया था। वहीं दोपहर में तीखी धूप और भीषण गर्मी के बावजूद लोगों में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और वे घरों से निकलकर मतदान करने पहुंचे। मुस्लिम बहुल क्षेत्र मानी जाने वाली डुगराई पंचायत में कुल 2232 मतदाता हैं, जिनमें से 1798 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पंचायत में महिला मतदाताओं की संख्या 1097 है, जिनमें से 973 महिलाओं ने मतदान किया। वहीं 1135 पुरुष मतदाताओं में से 825 पुरुषों ने अपने मत का प्रयोग किया। इस दौरान वार्ड नंबर 6 निवासी 95 वर्षीय गुलाम रसूल सबसे बुजुर्ग मतदाता रहे, जिन्होंने मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

सियासत सुक्खू सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में आ रहे लोग

सेना मेडल से सम्मानित दो पूर्व सैनिक कांग्रेस में शामिल

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाली ढलवान पंचायत में कांग्रेस पार्टी को उस समय बड़ी मजबूती मिली, जब देश की सेवा कर लौटे दो वीर सैनिक कांग्रेस परिवार का हिस्सा बन गए। ढलवान पंचायत से सेना मेडल से सम्मानित रमेश चंद और संतोष कुमार ने आधिकारिक तौर पर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव पवन ठाकुर ने दोनों पूर्व सैनिकों को पटका पहनाकर पार्टी में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें पूरा मान-सम्मान देने का भरोसा दिलाया।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव पवन ठाकुर ने भाजपा की केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज देश की जनता भाजपा की केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों से पूरी तरह तंग आ चुकी है। युवाओं, सैनिकों और आम जनता में केंद्र की नीतियों को लेकर भारी निराशा है। पवन ठाकुर ने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार जनहित में ऐतिहासिक फैसले ले रही है। सुक्खू सरकार की इन्हीं विकासपरक और कल्याणकारी नीतियों की बदौलत आज समाज का हर वर्ग, विशेषकर देश की रक्षा करने वाले सैनिक, कांग्रेस पार्टी में अपनी आस्था जता रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में क्षेत्र के कई और प्रमुख लोग कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़ेंगे।

कांग्रेस में शामिल हुए सेना मेडल से सम्मानित दो पूर्व सैनिकों का स्वागत करते कांग्रेस महासचिव पवन ठाकुर व अन्य। अनंत ज्ञान

◆ पवन ठाकुर ने किया रमेश चंद और संतोष कुमार स्वागत

रुंझ पोलिंग बूथ बनेगा प्रदेश का पहला ग्रीन बूथः डॉ. आनंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। जिला मंडी की कटिंडी पंचायत स्थित रुंझ पोलिंग बूथ इस बार पंचायत चुनावों में एक नई पहल के चलते चर्चा का केंद्र बना हुआ है। दावा किया जा रहा है कि यह प्रदेश का पहला ऐसा ग्रीन बूथ बनेगा, जहां मतदान करने आने वाले मतदाताओं को पौधे भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों का दौर जारी है और प्रत्याशी चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। वहीं, सामाजिक संस्था न्यू लाइफ लाइन ने चुनावी पर्व को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए अनोखी पहल शुरू की है। संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. आनंद कागरा ने बताया कि रुंझ पोलिंग बूथ पर मतदान करने आने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं और पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को पौधे वितरित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के चलते प्रदेश में बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई हुई है, जिससे पर्यावरण संतुलन प्रभावित हो रहा है। संस्था की यह छोटी-सी पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास है। डॉ. कागरा ने लोगों से मतदान के साथ-साथ पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने में योगदान देने की अपील भी की।

विश्व में अग्रणी भूमिका निभाने की आकांक्षा रखने वाला कोई भी देश शुद्ध या दीर्घकालीन अनुसंधान की उपेक्षा नहीं कर सकता।

–होमी भाभा

संपादकीय

वनाग्नि से प्रकृति व जीवन संकट में

सर्दियों के बाद जब गर्मियों का आगमन होता है तो ठंड से राहत मिलती है, लेकिन यही मौसम धीरे-धीरे अपने साथ कई गंभीर समस्याएं भी लेकर आता है। इनमें सबसे भयावह समस्या है जंगलों में लगने वाली आग, जिसे वनाग्नि कहा जाता है। आज यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है, अपितु दुनिया के अनेक देशों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र आग की चपेट में आ जाते हैं, जिससे न केवल पर्यावरण को भारी नुकसान होता है बल्कि वन्य जीवों, जल स्रोतों और मानव जीवन पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है।

भारत के पहाड़ी राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में वनाग्नि की घटनाएं हर साल बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कसौली के मनौण गांव क्षेत्र में जंगल में लगी आग ने लोगों में भय और अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया। आग इतनी भीषण थी कि उसे नियंत्रित करने के लिए सेना के हेलिकॉप्टरों की मदद लेनी पड़ी, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण आग बुझाना आसान नहीं होता। सेना को चंडी मंदिर और सुखना लेक से पानी भरकर हेलिकॉप्टरों के जरिए आग प्रभावित क्षेत्र तक पहुंचाना पड़ा, जो एक कठिन और समय लेने वाली प्रक्रिया है। यह स्थिति बताती है कि वनाग्नि केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आपदा प्रबंधन की बड़ी चुनौती भी बन चुकी है।

वनों में आग लगने के कई प्राकृतिक कारण माने जाते हैं। लंबे समय तक बारिश न होना, सूखे की स्थिति, अत्यधिक तापमान, बिजली गिरना तथा तेज हवाओं के कारण पेड़ों का आपस में रगड़ खाना आग का कारण बन सकता है लेकिन सच्चाई यह है कि जंगलों में लगने वाली अधिकांश आग मानव गतिविधियों का परिणाम होती है। जंगलों में कैंप फायर करना, न बुझी हुई सिगरेट फेंक देना, जलता हुआ कचरा छोड़ देना, माचिस या ज्वलनशील वस्तुओं से खेलना जैसी छोटी-छोटी लापरवाहियां कई बार विकराल रूप धारण कर लेती हैं। इसके अलावा विकास कार्यों के नाम पर जंगलों की अंधाधुंध कटाई और जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती गर्मी भी वनाग्नि की घटनाओं को बढ़ावा दे रही है।

वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते, बल्कि वे पृथ्वी के फेफड़े कहलाते हैं। जंगल हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित रखते हैं और हजारों जीव-जंतुओं का आश्रय स्थल होते हैं। जब जंगल जलते हैं तो केवल पेड़ ही नहीं जलते, बल्कि लाखों पक्षी और वन्य जीव भी अपनी जान गंवा देते हैं। इसके साथ ही वातावरण में भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और जहरीली गैसें फैलती हैं, जो ग्लोबल वार्मिंग को और बढ़ाती हैं। जंगलों में आग लगने से मिट्टी की उर्वरता भी नष्ट हो जाती है और जल स्रोत सूखने लगते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में इसका सीधा असर खेती और पेयजल संकट के रूप में दिखाई देता है।

वनाग्नि को रोकने के लिए प्रभावी और दूरदर्शी कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले जंगलों में सूखी पत्तियों और घास की समय पर सफाई की जानी चाहिए। फरवरी और मार्च के महीनों में जंगलों में गिरने वाली सूखी पत्तियां आग फैलने का सबसे बड़ा माध्यम बनती हैं। यदि समय रहते इन्हें हटाया जाए तो आग को फैलने से रोका जा सकता है। इसके अलावा वन विभाग द्वारा दो जंगलों के बीच खाली स्थान छोड़ा जाता है, जिसे फायर लाइन या अग्नि रेखा कहा जाता है। यह व्यवस्था आग को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में फैलने से रोकने में मदद करती है। हालांकि, कई क्षेत्रों में इन व्यवस्थाओं का ठीक से पालन नहीं हो पाता।

सरकार को वन कर्मियों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक उपकरण और प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाना चाहिए। आग लगने की घटनाओं पर नजर रखने के लिए सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग और ड्रोन तकनीक का अधिक इस्तेमाल किया जाना चाहिए, ताकि आग की सही जानकारी समय रहते मिल सके। विकसित देशों में जंगलों की आग बुझाने के लिए अत्याधुनिक हेलिकॉप्टर और विशेष विमान उपयोग किए जाते हैं, लेकिन भारत के पहाड़ी राज्यों में अभी इस दिशा में पर्याप्त संसाधनों की कमी है।

वनाग्नि रोकने में स्थानीय लोगों की भागीदारी भी बेहद जरूरी है। ग्रामीणों और युवाओं को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने चाहिए। स्कूलों और पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। इसके अलावा जंगलों में प्लास्टिक, कांच और अन्य ज्वलनशील वस्तुएं फेंकने पर सख्त प्रतिबंध होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम जंगलों को केवल संसाधन न समझें, बल्कि अपने जीवन का आधार मानें। वन हमारी अमूल्य प्राकृतिक संपदा हैं, जिन्हें बनने में सैकड़ों वर्ष लग जाते हैं, लेकिन कुछ घंटों की आग उन्हें पूरी तरह नष्ट कर सकती है। यदि जंगल समाप्त हो जाएंगे तो पर्यावरण संतुलन बिगड़ जाएगा और मानव जीवन भी संकट में पड़ जाएगा।

आज की प्रमुख हस्ती

भाषाविद, बुद्धिवादी, कवि व क्रांतिकारी

विनायक दामोदर सावरकर, जिन्हें वीर सावरकर के नाम से जाना जाता है, भारत के महान क्रांतिकारी, राष्ट्रवादी नेता, समाज सुधारक, साहित्यकार और ओजस्वी वक्ता थे। उनका जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भगूर गांव में हुआ था। बचपन से ही उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल थी। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नासिक में प्राप्त की और आगे की पढ़ाई पुणे के फर्ग्युसन कॉलेज में की। बाद में वे कानून की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए। सावरकर ने भारत की स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने 'मित्र मेला' और बाद में 'अभिनव भारत' नामक संगठन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करना था। 1909 में उन्होंने 'द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस-1857' नामक पुस्तक लिखी, जिसमें 1857 की क्रांति को भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम बताया गया। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर आजीवन काले पानी की सजा दी। वे 1911 से 1921 तक अंडमान की सेल्यूलर जेल में रहे। कठोर यातनाओं के बावजूद उनका राष्ट्रप्रेम कभी कम नहीं हुआ। जेल में रहते हुए भी उन्होंने अनेक कविताएं और लेख लिखे।

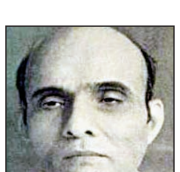

वीर सावरकर
जन्म : 28 मई, 1883
मृत्यु : 26 फरवरी, 1966

वीर सावरकर केवल क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि समाज सुधारक भी थे। उन्होंने छुआछूत और जातिवाद के खिलाफ आवाज उठाई तथा हिंदू समाज को संगठित करने का कार्य किया। वे कई बार हिंदू महासभा के अध्यक्ष भी रहे। 26 फरवरी 1966 को मुंबई में उनका निधन हुआ।

कविता

भारत को महान बनाना है

प्रवीण कुमार, गांव बाड़ां दा घाट, डाकघर लेहड़ी सरेल, जिला बिलासपुर (हि.प्र.)

भारत को महान बनाना है, हर तरफ भ्रष्टाचार है, बढ़ता जा रहा अनाचार है कहीं अत्याचार है, तो कहीं व्यभिचार है, फिर भी मेरा भारत महान है। हम भारतवासी पर विदेशी पहनावे, विदेशी रहन-सहन, विदेशी संस्कृति से ही जाने हमें क्यों प्यार है, फिर भी मेरा भारत महान। पश्चिम की नकल में तन पर वस्त्र कम होते जा रहे, नग्नता का फूहड नाच,अब तो प्रत्यक्ष दिख रहा, फिर भी मेरा भारत महान। नेता भूले हैं देश और देशहित, देशसेवा का भाव नहीं, नेता अब प्रजापालक नहीं रहे, निजहित ही साधने में लगे हैं फिर कैसे हो मेरा भारत महान। कोई लड़ रहा जाति के नाम पर, कोई धर्म के नाम पर, कोई भाषा के नाम पर, कोई क्षेत्र के नाम पर, फिर भी मेरा भारत महान। गुणवत्ता की किसे परवाह है, स्वहित साध लिया जाए। तो देश से क्या लेना देना, तभी टैलेंटेड भी जा रहे विदेश, फिर भी मेरा भारत महान। निश्चित रूप से हमने श्रेष्ठ चिंतन को छोड़ा है, अवनति की ओर, अपने जीवन को मोड़ा है, निकृष्ट हो गए हैं हम, अपनी संस्कृति को कर आत्मसात, विकृत सोच एवं तुच्छ मनोवृति से, हर भारतीय को बचाना है, हमें भारत को महान बनाना है।

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार हो रहा गोवंश

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाए गए। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। इनमें से कई गायों की मौत जहरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई, जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था।

निर्मल रानी
सामाजिक विचारक

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

इस दर्दनाक व शर्मनाक घटना ने सरकार व निजी गौ रक्ष संगठनों के गौ-रक्षा के दावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि यह केवल किसी की लापरवाही मात्र का नहीं बल्कि मानवता और हिंदू आस्था दोनों के ही अपमान से जुड़ा मामला है। पिछले एक दशक से देश में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों को गौरक्षा के नाम पर मारा जा चुका है। मुहम्मद अखलाक और पहलू खान जैसे अनेक लोगों की हत्या की खबरें देश-विदेश के मीडिया में प्रसारित होकर देश की बदनामी का कारण भी बन चुकी है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016-17 में इन्हीं कथित गौरक्षकों के संदर्भ में यह कह भी चुके हैं कि 'गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वाले 70-80 प्रतिशत लोग फर्जी हैं, जो रात में गैर-कानूनी काम करते हैं और दिन में गोरक्षक का चोला पहन लेते हैं।' मोदी ने कहा था कि उन्हें उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो गोरक्षा के नाम पर अपनी 'दुकानें' खोलकर बैठ गए हैं।

उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनका डोजियर तैयार करने को भी कहा था। उस समय मोदी ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हत्याओं की कड़ी निंदा भी की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि गौ भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है। किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का हक नहीं है। उन्होंने असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं। गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फतवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह बाज आएं। यहां तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफरत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख्ती से मना किया गया है। पैगंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके, परंतु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी जरूरी है। इस संदर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान काबिलेगौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन कानूनन और सामाजिक भावनाओं के खिलाफ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? गौ-रक्षा को लेकर देश में लंबे समय से राजनीति होती रही है, लेकिन वास्तविकता यह है कि गोमांस भक्षण केवल किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है। विभिन्न धर्मों और जातियों के लोग भी इसका सेवन करते हैं। यही कारण है कि कई राजनीतिक दल और नेता समय-समय पर वोट बैंक की राजनीति को ध्यान में रखकर विरोधाभासी बयान देते रहे हैं। वर्ष 2017 में केरल के मल्लापुरम लोकसभा उपचुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार एन. श्रीप्रकाश ने मतदाताओं से अच्छी गुणवत्ता वाले बीफ की आपूर्ति सुनिश्चित करने और आधुनिक बूचड़खाने खुलवाने का वादा किया था। वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल का यह बयान भी चर्चा में रहा कि 14 वर्ष से अधिक आयु वाले गोवंश के वध की अनुमति कानूनन दी जा सकती है। ऐसे बयानों से स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि क्या उम्र बढ़ने के बाद गाय की धार्मिक महत्ता समाप्त हो जाती है?

इसी प्रकार केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने 2015 में कहा था कि पूर्वोत्तर भारत में बीफ खाना लोगों की खान-पान संस्कृति का हिस्सा है और किसी पर अपनी पसंद थोपना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि भारत विविधताओं वाला देश है, जहां सभी समुदायों की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि गौ-रक्षा का मुद्दा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि राजनीति और क्षेत्रीय सामाजिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

पंचायत चुनावों में बढ़ती हिंसा: बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल का संकेत

भारतीय लोकतंत्र की जड़ें गांवों में मजबूती से फैली हुई हैं। पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयां नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक चेतना का आधार हैं। पंचायत चुनाव स्थानीय स्तर पर जनता की भागीदारी, विकास की दिशा और सामाजिक संबंधों का प्रतिबिंब माने जाते रहे हैं लेकिन हाल के वर्षों में पंचायत चुनावों के दौरान बढ़ती हिंसा, झड़पें, आपसी वैमनस्य और राजनीतिक कटुता ने एक गंभीर चिंता पैदा कर दी है। यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल की खतरनाक तस्वीर भी पेश करता है।

केशव शर्मा 'रसिक'
स्वतंत्र लेखक, गांव-कोटला, घुमारवीं

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

एक समय था जब पंचायत चुनाव गांवों में सामाजिक सहमति, आपसी रिश्तों और पारंपरिक समझदारी के आधार पर लड़े जाते थे। मतभेद होने के बावजूद सामाजिक सौहार्द बना रहता था। चुनाव समाप्त होने के बाद लोग फिर सामान्य जीवन में लौट आते थे और गांव का सामूहिक वातावरण प्रभावित नहीं होता था। लेकिन अब पंचायत चुनावों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। राजनीतिक दलों की अप्रत्यक्ष दखल, धनबल, जातीय समीकरण और सोशल मीडिया की आ, ामक भूमिका ने चुनावों को अधिक तनावपूर्ण बना दिया है। आज गांवों में चुनाव केवल विकास और जनहित के मुद्दों तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे प्रतिष्ठा, शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनते जा रहे हैं। कई बार मामूली विवाद भी हिंसक झड़पों में बदल जाते हैं। चुनावी प्रतिस्पर्धा के कारण परिवारों, रिश्तेदारों और मित्रों के बीच दूरियां बढ़ने लगी हैं। गांव, जो कभी सामाजिक एकता और भाईचारे के प्रतीक माने जाते थे, अब राजनीतिक गुटबाजी का

शिकार होते दिखाई दे रहे हैं। इस स्थिति के पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण भी हैं। तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ती बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने युवाओं में प्रतिस्पर्धा और आ, ेश को बढ़ाया है। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें, भड़काऊ पोस्ट और आरोप-प्रत्यारोप माहौल को और अधिक विषाक्त बना देते हैं। कई बार स्थानीय विवादों को चुनावी रंग देकर जानबूझकर तनाव पैदा किया जाता है। इसके अलावा पंचायतों की शक्तियों और संसाधनों में वृद्धि भी इस समस्या का एक कारण है।

आज पंचायत प्रतिनिधियों के पास विकास योजनाओं, सरकारी निधियों और प्रशासनिक फैसलों में पहले की तुलना में अधिक अधिकार हैं। ऐसे में चुनाव जीतना केवल सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव का प्रतीक बन गया है। यही कारण है कि चुनावों में प्रतिस्पर्धा कई बार अस्वस्थ और हिंसक रूप ले लेती है। हालांकि इस समस्या का समाधान केवल प्रशासनिक सख्ती में नहीं छिपा है। पुलिस और प्रशासन को निष्पक्षता और सतर्कता के साथ काम करना होगा, ताकि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें। लेकिन समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। पंचायत चुनावों को व्यक्तिगत दुश्मनी या शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बनाने के बजाय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्थानीय समस्याओं के समाधान का मंच बनाना होगा। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों को भी जिम्मेदार और संयमित भूमिका निभानी चाहिए।

पंचायत लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है। यदि इसी स्तर पर हिंसा, नफरत और कटुता का माहौल बनेगा, तो उसका प्रभाव पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर पड़ेगा। इसलिए समय रहते इस बढ़ती प्रवृत्ति को रोकना आवश्यक है। गांवों की राजनीति में संवाद, सहमति और सामाजिक सौहार्द की परंपरा को पुनर्जीवित करना ही स्वस्थ लोकतंत्र की दिशा में सबसे बड़ा कदम होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

लोकतंत्र में विपक्ष का कमजोर होना कितना खतरनाक है ?

लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि मजबूत संस्थाओं, जागरूक जनता और सशक्त विपक्ष से मजबूत होता है। सत्ता पक्ष सरकार चलाता है, लेकिन विपक्ष लोकतंत्र का वह महत्वपूर्ण स्तंभ होता है जो सरकार से सवाल पूछता है, नीतियों की समीक्षा करता है और जनता की आवाज को संसद से सड़क तक उठाने का काम करता है। इसलिए किसी भी लोकतंत्र में विपक्ष का मजबूत होना उतना ही जरूरी माना जाता है जितना सरकार का मजबूत होना लेकिन आज भारत सहित कई लोकतांत्रिक देशों में यह सवाल तेजी से उठ रहा है—अगर विपक्ष कमजोर हो जाए, तो क्या लोकतंत्र भी कमजोर होने लगता है?

साहिल शर्मा
गांव बाहल अर्जुन (हमीरपुर)

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

लोकतंत्र में विपक्ष केवल विरोध करने के लिए नहीं होता। उसका असली काम सरकार को जवाबदेह बनाना होता है। जब सरकार कोई नीति लाती है, कोई कानून बनाती है या कोई फैसला लेती है, तब विपक्ष उसकी कमियों और संभावित प्रभावों पर सवाल उठाता है। इससे सरकार पर दबाव बना रहता है कि वह जनता के हित में काम करे। लेकिन अगर विपक्ष कमजोर हो जाए, बिखरा हुआ हो या जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में असफल रहे, तो सत्ता का संतुलन बिगड़ने लगता है।

भारत की राजनीति में एक समय ऐसा था जब संसद में बहसें बेहद गंभीर और मजबूत हुआ करती थीं। विपक्ष सरकार के हर फैसले पर गहराई से सवाल पूछता था। अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी, राम मनोहर लोहिया, जॉर्ज फर्नांडिस जैसे नेताओं के दौर में राजनीतिक मतभेद जरूर थे, लेकिन संसद में बहस का स्तर मजबूत माना जाता था। विपक्ष केवल आलोचना नहीं करता था, बल्कि वैकल्पिक सोच और नीतियाँ भी प्रस्तुत करता था। यही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान होती है लेकिन आज कई बार यह धारणा बनती दिखाई देती है कि विपक्ष या तो बिखरा हुआ

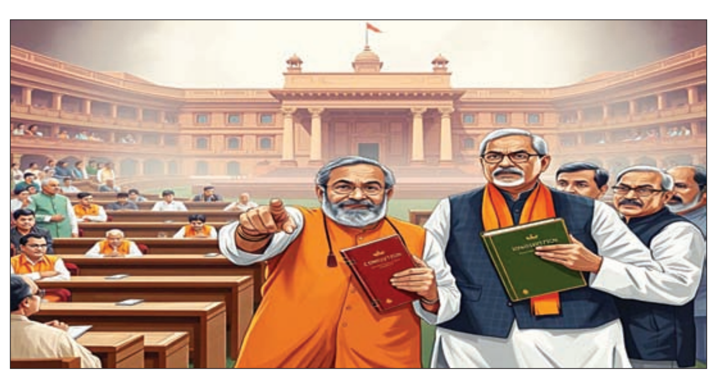

है या फिर जनता के बीच मजबूत विश्वास नहीं बना पा रहा। इसका सबसे बड़ा असर यह होता है कि सरकार पर सवाल पूछने का दबाव कमजोर पड़ने लगता है। जब सत्ता को यह महसूस होने लगे कि उसके सामने कोई मजबूत चुनौती नहीं है, तब निर्णय प्र, या में संतुलन कमजोर हो सकता है।

सबसे खतरनाक स्थिति तब बनती है जब जनता भी यह मानने लगे कि विपक्ष की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि लोकतंत्र में बिना मजबूत विपक्ष के सत्ता धीरे-धीरे निरंकुश होने लगती है। अगर सरकार के हर फैसले की केवल तारीफ हो और आलोचना को देशविरोध या नकारात्मक राजनीति कहकर खारिज कर दिया जाए, तो लोकतंत्र का मूल संतुलन बिगड़ सकता है।

आज संसद में कई बार गंभीर मुद्दों से ज्यादा राजनीतिक टकराव और शोर दिखाई देता है। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याएँ और प्रश्नपत्र लीक जैसे मुद्दों पर जितनी गहरी चर्चा होनी चाहिए, उतनी कई बार दिखाई नहीं देती। विपक्ष अगर इन मुद्दों को लगातार और मजबूती से नहीं उठाएगा, तो जनता की आवाज़ भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगेगी। मजबूत विपक्ष केवल सरकार के लिए चुनौती नहीं होता, बल्कि वह जनता के लिए सुरक्षा कवच भी होता है। अगर किसी नीति से आम आदमी प्रभावित हो रहा हो, अगर किसी वर्ग की आवाज़ दब रही हो या अगर किसी फैसले में पारदर्शिता पर सवाल हों, तो विपक्ष ही वह मंच होता है जो इन मुद्दों को सामने लाता है। इसलिए विपक्ष का कमजोर होना केवल राजनीतिक दलों की समस्या नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है।

हालांकि विपक्ष की कमजोरी के पीछे केवल सत्ता पक्ष को जिम्मेदार ठहराना भी पूरी सच्चाई नहीं होगी। कई बार विपक्ष खुद भी जनता के मुद्दों से दूर दिखाई देता है। आपसी लड़ाई, नेतृत्व का संकट, स्पष्ट विचारधारा की कमी और केवल चुनावी राजनीति तक सीमित रहना भी विपक्ष को कमजोर बनाता है। जनता केवल सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि मजबूत विकल्प भी देखना चाहती है। अगर विपक्ष खुद को जनता की उम्मीद के रूप में प्रस्तुत नहीं कर पाएगा, तो उसकी भूमिका सीमित होती जाएगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मौत और जीवन की सच्चाई : एक वैज्ञानिक पहेली...

मृत्यु मानव जीवन का सबसे बड़ा और रहस्यमयी सत्य है। सदियों से मनुष्य यह जानने की कोशिश करता आया है कि मृत्यु के बाद क्या होता है? क्या चेतना शरीर के समाप्त होने के साथ खत्म हो जाती है या फिर आत्मा किसी अन्य रूप में अस्तित्व बनाए रखती है? आधुनिक विज्ञान और अध्यात्म दोनों इस प्रश्न का उत्तर खोजने में लगे हुए हैं, लेकिन आज भी यह एक अनसुलझी वैज्ञानिक पहेली बनी हुई है।

संजय गोस्वामी
स्वतंत्र लेखक

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

पिछले कुछ दशकों में 'नियर डेथ एक्सपीरियंस' यानी मृत्यु के करीब के अनुभवों पर गंभीर शोध हुए हैं। कई ऐसे लोग, जिन्हें चिकित्सकीय रूप से मृत घोषित कर दिया गया था और बाद में पुनर्जीवित किया गया, उन्होंने विचित्र अनुभव साझा किए। कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने अपने शरीर को बाहर से देखा, तेज प्रकाश का अनुभव किया या किसी अदृश्य शक्ति की उपस्थिति महसूस की। इन अनुभवों ने वैज्ञानिकों और पैरासाइकोलॉजिस्टों दोनों को सोचने पर मजबूर किया। वैज्ञानिकों के अनुसार मृत्यु कोई एक क्षण नहीं, बल्कि एक प्र, या है। जब हृदय धड़कना बंद कर देता है, तब शरीर में रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह रुक जाता है।

धीरे-धीरे कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं और मस्तिष्क की गतिविधियां समाप्त होने लगती हैं। लेकिन आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने यह साबित किया है कि कई मामलों में इस प्र, या को कुछ समय तक उलटा भी जा सकता है। सीपीआर, डिफिब्रिलेशन और आधुनिक जीवन रक्षक तकनीकों की मदद से ऐसे अनेक मरीजों को घंटों बाद भी जीवित किया गया है, जिन्हें मृत माना जा चुका था।

2011 में जापान में एक युवती को ड्रग्स ओवरडोज के कारण छह घंटे बाद पुनर्जीवित किया गया। 2019 में ब्रिटेन की ऑड्रे शोमैन नामक महिला छह घंटे तक कार्डियक अरेस्ट में रहने के बाद जीवित बच गईं। ऐसे उदाहरण बताते हैं कि मृत्यु की वैज्ञानिक परिभाषा उतनी सरल नहीं जितनी पहले मानी जाती

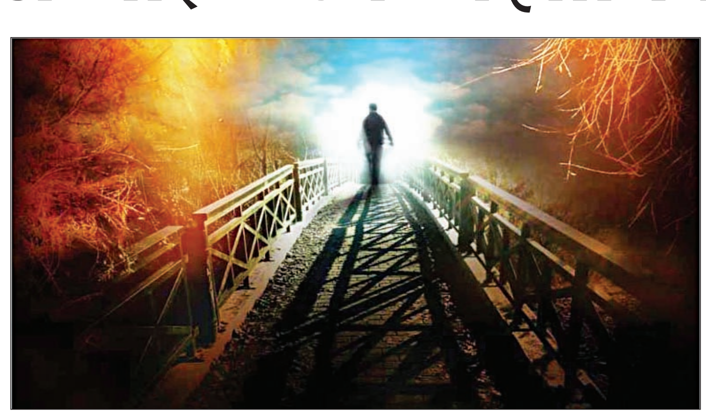

थी। इसी आधार पर कुछ पैरासाइकोलॉजिस्ट यह तर्क देते हैं कि चेतना केवल मस्तिष्क की उपज नहीं हो सकती।

उनका मानना है कि जब मस्तिष्क की गतिविधि बंद हो जाती है, तब भी व्यक्ति किसी प्रकार के अनुभव करता है। कुछ वैज्ञानिक चेतना को 'नॉन-लोकल' शक्ति मानते हैं, जो पूरे ब्रह्मांड में विद्यमान है और मस्तिष्क केवल उसे ग्रहण करने का माध्यम है। अध्यात्म भी आत्मा को अमर मानता है। श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मा को नित्य, अजर और अमर बताया गया है। इसमें कहा गया है कि आत्मा न तो जन्म लेती है और न ही मृत्यु को प्राप्त होती है; यह केवल शरीर बदलती है, जैसे मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर नए वस्त्र धारण करता है। इस दृष्टिकोण में शरीर एक साधन मात्र है, जबकि आत्मा शाश्वत चेतना का स्वरूप है। रामायण सहित अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी जीवन, मृत्यु और मोक्ष को इसी व्यापक आध्यात्मिक दृष्टि से समझाया गया है, जहाँ मृत्यु को अंत नहीं बल्कि एक परिवर्तन माना गया है। इसी विश्वास के कारण हिंदू परंपरा में मृत्यु के बाद आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए प्रार्थनाएं एवं कर्मकांड किए जाते हैं। दूसरी ओर, आधुनिक विज्ञान अभी तक आत्मा के अस्तित्व को किसी प्रयोग या प्रमाण के आधार पर सिद्ध नहीं कर पाया है। हालांकि चेतना और मृत्यु की प्र, या पर लगातार शोध हो रहे हैं, विशेषकर न्यूरोसाइंस और मेडिकल साइंस के क्षेत्र में।

नियर डेथ एक्सपीरियंस जैसे मामलों ने इस बहस को और गहरा किया है कि क्या चेतना केवल मस्तिष्क की गतिविधियों तक सीमित है या उससे परे भी उसका कोई अस्तित्व हो सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

हरलीन देओल का लाजवाब अंदाज

नई दिल्ली। वैसे तो भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एक-एक खिलाड़ी लाजवाब है, लेकिन 27 साल की हरलीन देओल स्टाइल में सबसे आगे निकल जाती हैं। उनका स्टाइल ऐसा है जैसे वह कोई क्रिकेटर नहीं हीरोइन हों। छोटे-से शॉर्ट्स पहन भी वह बेहद हसीन नजर आ रही हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श पाकिस्तान के दौरे से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली। टखने की चोट से जूझ रहे कार्यवाहक कप्तान मिचेल मार्श पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ उनकी उपलब्धता अनिश्चित है। ऐसे में जोश इंग्लिस को पाकिस्तान दौरे पर टीम की कमान सौंपी गई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, 'मिशेल मार्श टखने की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। मार्श की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर जोश इंग्लिस पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे।' मार्श जो लखनऊ सुपर जायंट्स के आईपीएल सीजन का आखिरी मैच नहीं खेल पाए थे। अगली सूचना तक आगे की जांच और इलाज के लिए पर्थ में ही रहेंगे। बांग्लादेश के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर उचित समय पर फैसला लिया जाएगा। मिचेल मार्श आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा रहे। चोट के कारण वह शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आखिरी मैच में नहीं खेल सके थे। 19 मई को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ मुकाबले के बाद मार्श ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे लेकिन टखने में चोट के कारण पाकिस्तान नहीं जा सके। मिचेल मार्श का सीरीज से बाहर होना ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि इस सीजन मार्श ने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया था। (अनंत ज्ञान)

फ्रेंच ओपनः सबालेंका-ओसाका की विजयी शुरुआत, मेदवेदेव हारे

एजेंसी, पेरिस। विश्व की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने फ्रेंच ओपन में भीषण गर्मी का पूरा फायदा उठाते हुए पहले दौर में शानदार जीत दर्ज की तो, वहीं पुरुष वर्ग में रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव को बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा। सबालेंका ने स्पेन की जेसिका बौजास मानेइरो को 6-4, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। मुकाबले के दौरान उन्होंने नेट के पास आक्रामक खेल दिखाते हुए कई शानदार वॉली प्वॉइंट जीते। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, 'इस समय खेल का सबसे मजेदार हिस्सा यही है कि मैं नेट पर आकर अंक जीत पा रही हूं। मैंने अपने खेल के इस हिस्से में काफी सुधार किया है और इस पर गर्व है।' वहीं, अपने फैशनेबल कपड़ों से सुर्खियां बटोरने नाओमी ओसाका ने महिला एकल में जर्मनी की लौरा सीगमंड को 6-3, 7-6 (3) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुष एकल में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन ने पांच सेट तक चले मुकाबले में मेदवेदेव को 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर किया। वॉल्टन विश्व रैंकिंग में 97वें स्थान पर हैं और उन्हें टूर्नामेंट आयोजकों ने वाइल्ड कार्ड दिया था। वहीं, फ्रेंच ओपन में खिताब बचाने उतरीं अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ मंगलवार को एक छोटे कार हादसे का शिकार हो गईं। हालांकि, उन्हें चोट नहीं आई और वे मैच जीतकर दूसरे दौर में पहुंच गईं। गॉफ ने बताया कि रोलां गैरों पहुंचने के दौरान उनकी कार पोल से टकरा गई और क्षतिग्रस्त हो गई। उन्हें टैक्सी से स्टेडियम पहुंचना पड़ा। गाफ ने अपने ही देश की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया। (अनंत ज्ञान)

अनुभवी खेल प्रशासक व स्वर्ण पदक विजेता रणधीर सिंह का निधन

एजेंसी, नई दिल्ली। अनुभवी खेल प्रशासक और एशियाई खेलों में निशानेबाजी में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता रणधीर सिंह का बुधवार को यहां उम्र संबंधित बीमारियों से जूझने के बाद निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद उन्होंने यहां अपने आवास पर अंतिम सांस ली। स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के कारण सिंह ने हाल में एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें 2024 में चार साल के कार्यकाल के लिए चुना गया था। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के सचिव राजीव भाटिया ने कहा, ''गहरे दुख के साथ हम राजा रणधीर सिंह के निधन की दुखद खबर साझा कर रहे हैं जो आज 27 मई 2026 को स्वर्ग सिधार गए।'' उन्होंने कहा, ''एक विशिष्ट ओलंपियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता और भारत, एशिया और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति में सबसे सम्मानित खेल प्रशासकों में से एक राजा रणधीर सिंह ने निशानेबाजी खेल और ओलंपिक आंदोलन के विकास में अमूल्य योगदान दिया।'' भाटिया ने कहा, ''एनआरएआई और पूरा निशानेबाजी समुदाय इस अपूरणीय क्षति पर शोक व्यक्त करता है और उनके परिवार तथा प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।'' (अनंत ज्ञान)

एफआईएच प्रो-लीग यूरोपीय दौरे पर पाकिस्तान-इंग्लैंड से भिड़ेगा भारत

भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, हरमनप्रीत बने कप्तान

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने बुधवार को एफआईएच प्रो-लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी। स्टार डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह व्यक्तिगत कारणों से फरवरी में होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी करते हुए एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। भारतीय टीम इस दौरे के दौरान नीदरलैंड, जर्मनी, इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों से भिड़ेगी। यह दौरा आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय टीम 7 से 9 जून तक बेल्जियम के ब्रुसेल्स में तैयारी शिविर और अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 10 जून से नीदरलैंड के रॉटरडैम में रहेगी, जहां प्रो लीग मुकाबले खेले जाएंगे। रॉटरडैम चरण के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के लंदन जाएगी, जहां पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले होंगे। वहीं, टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित मिश्रण रखा गया है। चयनकर्ताओं ने आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए कोर टीम को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। रक्षा पंक्ति में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह और युवा खिलाड़ी अमनदीप लकड़ा शामिल हैं।

मिडफील्ड की जिम्मेदारी हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राज कुमार पाल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर होगी। आक्रमण में मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी जैसे तेजतर्रार फॉरवर्ड टीम की ताकत होंगे।

हॉकी इंडिया ने पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों की भी घोषणा की है। इनमें गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, फॉरवर्ड अराइजीत सिंह हुंडाल और मनिंदर सिंह, डिफेंडर पूवन्ना चंदूरा बॉबी तथा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

भारतीय टीम

गोलकीपरः मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा।
डिफेंडरः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह।
मिडफील्डरः हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम।
फॉरवर्डः मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी।

विश्व स्तरीय टीमों के खिलाफ खुद को परखने का शानदार मौकाः कोच

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि टीम का प्रशिक्षण शानदार चल रहा है और खिलाड़ी बेहतरीन लय में हैं। जून में नीदरलैंड और इंग्लैंड में होने वाले प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। विश्व स्तरीय टीमों के खिलाफ ये मुकाबले बताएंगे कि विश्व कप की तैयारियों में हम कहां खड़े हैं।

फ्रेंच ओपनः यानिक सिनर ने आसान जीत के साथ दूसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी, पेरिस

विश्व नंबर-1 इटली के यानिक सिनर ने फ्रेंच ओपन-2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए फ्रांस के क्लेमेंट तबूर को सीधे सेटों में 6-1, 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। दो बार के मौजूदा चैम्पियन कार्लोस अल्काराज चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं, ऐसे में सिनर को खिताब का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। कोर्ट फिलिप शात्रिए पर खेले गए मुकाबले में सिनर ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को संभलने का मौका नहीं दिया।

24 वर्षीय सिनर इस मुकाबले में लगातार 29 मैचों की जीत के साथ उतरे थे। इस दौरान उन्होंने केवल तीन सेट गंवाए थे और इसी महीने सभी मास्टर्स 1000 खिताब पूरे करने की उपलब्धि भी हासिल की थी। सिनर ने मैच की शुरुआत में ही तबूर की सर्विस तोड़कर 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने एक और ब्रेक हासिल करते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। दमदार फोरहैंड विनर के साथ उन्होंने पहला सेट आसानी से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी इतालवी खिलाड़ी ने शानदार नियंत्रण बनाए रखा और बिना ज्यादा परेशानी के सेट जीत लिया। तीसरे सेट में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लेमेंट तबूर ने कुछ बेहतरीन शॉट लगाए और घरेलू दर्शकों का भरपूर समर्थन हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 171वें स्थान पर मौजूद तबूर ने कुछ समय के लिए सिनर पर दबाव भी बनाया।

हालांकि, सिनर ने जल्द ही मैच पर दोबारा नियंत्रण स्थापित कर लिया। उनकी सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स और लगातार आक्रामक खेल के सामने तबूर ज्यादा देर टिक नहीं सके। जीत के बाद यानिक सिनर ने कहा, 'मैं यहां वापस आकर बेहद खुश हूं। इस कोर्ट से मेरी कई शानदार यादें जुड़ी हैं। पहले दौर के मुकाबले कभी आसान नहीं होते।' उन्होंने फ्रांसीसी दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा, 'समर्थन के लिए धन्यवाद। मुझे पता है कि मैं एक फ्रांसीसी खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहा था, फिर भी दर्शकों ने निष्पक्षता दिखाई।' (अनंत ज्ञान)

विश्व कप से पहले भारत की इंग्लैंड में अग्निपरीक्षा आज

तीन मैचों की टी20 सीरीज में महिला टीम इंडिया की नजर लय हासिल करने पर

एजेंसी, चेम्सफोर्ड (ब्रिटेन)

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने शुरू होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप-2026 से पहले अपनी अंतिम तैयारियों को मजबूत करने के इरादे से वीरवार से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में उतरेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इस दौरे में निरंतरता हासिल करने और सर्वश्रेष्ठ टीम संयोजन तय करने की कोशिश करेगी।

भारत की विश्व कप तैयारियां अब तक उतार-चढ़ाव भरी रही हैं। टीम ने पिछले साल दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में 5-0 की शानदार जीत दर्ज की थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में 2-1 से सीरीज जीतकर इतिहास रचा और एक दशक में वहां अपनी पहली द्विपक्षीय टी20 सीरीज अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया में मिली जीत को विदेशी परिस्थितियों में भारत की बड़ी उपलब्धि माना गया। बल्लेबाजों के आक्रामक रवैये और गेंदबाजों की अनुशासित गेंदबाजी ने टीम प्रबंधन का भरोसा बढ़ाया था। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टीम की लय बिगड़ गई और उसे 1-4 से निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा। इस दौरे ने बल्लेबाजी की अस्थिरता, मध्यक्रम की कमजोरी और गेंदबाजी आक्रमण की अनियमितता को उजागर कर दिया।

ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ यह सीरीज भारत के लिए 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले विश्व कप के पहले मुकाबले से पहले अपनी कमियों को दूर करने का अहम मौका होगी। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी रेणुका सिंह ठाकुर, रेड्डी और क्रांति गौड़ पर रहेगी। युवा तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा को भी मौका मिल सकता है, जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में अपनी रफ्तार और नियंत्रण से प्रभावित किया था। इंग्लैंड की परिस्थितियों में सीम गेंदबाजी को मदद मिलने की संभावना है, इसलिए भारतीय तेज गेंदबाजों को शुरुआत से अनुशासित प्रदर्शन करना होगा। भारत को पिछले इंग्लैंड दौरे की यादें भी आत्मविश्वास देंगी, जब टीम ने 3-2 से सीरीज जीतकर इंग्लैंड की धरती पर अपनी पहली द्विपक्षीय टी20 सीरीज जीती थी। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद इस सीरीज में उतर रही है। (अनंत ज्ञान)

नॉर्वे शतरंज : प्रज्ञानानंद को फिरोजा ने हराया

अलिरेजा फिरोजा लगातार दूसरी क्लासिकल जीत के साथ शीर्ष पर मजबूत

एजेंसी, ओस्लो (नॉर्वे)

नॉर्वे शतरंज-2026 के दूसरे दौर में एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार संघर्ष किया और कई मुकाबलों का फैसला आर्मगेडन टाईब्रेक में हुआ। दूसरे दौर का एकमात्र क्लासिकल मुकाबला फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलिरेजा फिरोजा ने भारतीय स्टार आर प्रज्ञानानंद के खिलाफ जीता। मुकाबले में फिरोजा ने मिडिल गेम के बाद धीरे-धीरे दबाव बनाया और सटीक खेल के दम पर लगातार दूसरी क्लासिकल जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ उन्होंने अंक तालिका में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली।

विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन और जर्मनी के शीर्ष खिलाड़ी विन्सेंट कीमर के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला क्लासिकल प्रारूप में ड्रॉ रहा। कार्लसन लंबे समय तक बढ़त बनाते नजर आए, लेकिन कीमर ने कठिन स्थिति में शानदार बचाव करते हुए मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया। हालांकि, आर्मगेडन टाईब्रेक में कार्लसन ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए।

विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच भी लंबा रणनीतिक मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आर्मगेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

नॉर्वे शतरंज महिला वर्ग में भी दूसरा दौर बेहद रोमांचक रहा। तीनों क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहे और सभी का फैसला आर्मगेडन में हुआ। टूर्नामेंट की शीर्ष खिलाड़ी बिबिसारा असाउबायेवा ने चीन की झू जिनर को आर्मगेडन में हराकर अपनी बढ़त बरकरार रखी। कजाखस्तान की इस ग्रैंडमास्टर ने तेज समय नियंत्रण में शानदार खेल दिखाया। भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में दिव्या देशमुख ने कोनेरू हम्पी को आर्मगेडन टाईब्रेक में पराजित किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा था, लेकिन निर्णायक मुकाबले में दिव्या ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। एक अन्य मुकाबले में अन्ना म्यूजिचुक ने महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन को आर्मगेडन में हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए। (अनंत ज्ञान)

असम विधानसभा में यूसीसी बिल पर पक्ष-विपक्ष में हुई तीखी नोकझोंक

एजेंसी, गुवाहाटी

असम विधानसभा में बुधवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल को लेकर जोरदार बहस देखने को मिली। विवाह, उत्तराधिकार और व्यक्तिगत कानूनों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

विपक्ष की एकमात्र महिला विधायक बेबी बेगम ने सदन में यूसीसी बिल का विरोध करते हुए बहुविवाह का समर्थन किया। यूसीसी के विरोध के दौरान उन्होंने रसोई गैस और महंगाई का मुद्दा भी उठाया। बेबी बेगम ने कहा कि यूसीसी समाज के लिए हानिकारक है और असम में इसकी कोई आवश्यकता नहीं है।

विधानसभा में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष वाजेद अली चौधरी ने भी मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देते हुए यूसीसी बिल का विरोध किया। राइजर दल के विधायक अखिल गोगोई ने आरोप लगाया कि यूसीसी निजी संबंधों पर नौकरशाही नियंत्रण थोपने का प्रयास है और इसे पूरी तरह असंवैधानिक बताया।

वहीं, पूर्व मंत्री तथा भाजपा विधायक पीयूष हजारिका ने सदन में यूसीसी बिल के पक्ष में जोरदार तर्क रखे। उन्होंने कहा कि किस देश में ऐसा नियम है कि महिला की असहमति के बावजूद उसका पति चार बार शादी कर सकता है? उन्होंने बेटियों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार दिए जाने की वकालत करते हुए कहा कि बेटियों और बेटों में भेदभाव क्यों होना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी सदस्य बेटियों को उनका उचित सम्मान और अधिकार देने के पक्ष में नहीं हैं। (अनंत ज्ञान)

चांदी 4503 और सोना 1,800 रुपए हुआ सस्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 27 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एककिलो चांदी की कीमत 4,503 रुपए कम होकर 2.62 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 571 रुपए गिरकर 1.57 लाख रुपए हो गया है। चांदी की कीमत 2 दिन में 9 हजार और 1,800 रुपए सस्ता हो चुकी है। (अनंत ज्ञान)

29 मई से हो सकती है प्री-मानसून बारिश

एजेंसी, नई दिल्ली

तेज गर्मी से जूझ रहे देश के 80-90 प्रतिशत हिस्से में 29 मई से 5 जून तक प्री-मानसून बारिश हो सकती है। यह बारिश इसलिए अहम है, क्योंकि मानसून अभी केरल नहीं पहुंचा है। यहां 14 तय स्टेशनों में लगातार दो दिन 2.5 एमएम बारिश होने पर मानसून पहुंचने का ऐलान किया जाता है।

मौसम विभाग ने 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया था, लेकिन यहां नमी कमजोर होने से मानसून आगे नहीं बढ़ पाया है। वहीं, दक्षिण-मध्य अरब सागर में चक्रवाती सर्कुलेशन से भी बादल कमजोर हुए हैं। यूरोप की मौसम एजेंसी यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स ने सैटेलाइट, समुद्री और वायुमंडलीय डेटा को मिलाकर भारत में 15 दिनों की बारिश का पूर्वानुमान निकाला है। इसमें अगले 8 दिनों में दक्षिण भारत, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और बंगाल की खाड़ी के इलाकों में ज्यादा बारिश के संकेत हैं। मई के आखिरी सप्ताह में सूर्य की किरणें भारत के बड़े हिस्से पर लगभग सीधी पड़ती हैं। इससे जमीन तेजी से गर्म होती है और तापमान बढ़ जाता है। नौतपा की तेज गर्मी और लू से बचने के लिए बाहर निकलते समय कुछ जरूरी चीजें साथ रखें, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे और धूप का असर कम हो। (अनंत ज्ञान)

केरल में अब भी मानसून का इंतजार

मणिपुर में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के पांच कैडर गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवादी संगठनों के खिलाफ बड़े अभियान में पांच कथित कैडरों को गिरफ्तार किया है। अलग-अलग जिलों में चलाए गए अभियानों के दौरान हथियार, विस्फोटक, संचार उपकरण और आईईडी भी बरामद किए गए, जबकि कई अवैध बंकर ध्वस्त कर दिए गए। पुलिस के अनुसार प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक के एक सक्रिय सदस्य थिंगुजम गुलापी सिंह को इंफाल पश्चिम से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से मोबाइल फोन, आधार कार्ड और स्कूटर बरामद हुआ। वहीं, पीएलए के कथित सदस्य वाइखोम शांता सिंह उर्फ टोरबोट को इंफाल पूर्वी जिले से पकड़ा गया।

एक अन्य अभियान में आरपीएफ/पीएलए के स्वयंभू कैप्टन अयेकपम धर्मेंद्र सिंह को भी गिरफ्तार किया गया। उसके पास से मोबाइल फोन और पहचान पत्र बरामद किए गए। इससे पहले थौबल जिले में भी दो कथित भूमिगत सदस्यों को हिरासत में लिया गया था। उखरुल जिले में सुरक्षा बलों ने तीन अवैध बंकर नष्ट किए और करीब पांच किलो का आईईडी, पॉम्पी बंदूकें, रेडियो सेट और जिंदा कारतूस बरामद किए। चुराचांदपुर जिले के जंगलों में चलाए गए तलाशी अभियान में एके-47, एमके-2 राइफल, .303 राइफल, देसी हथियार, आईईडी और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया। मौके से वायरलेस सेट, लॉन्चर, सैन्य सामान और कारतूस भी जब्त किए गए। (अनंत ज्ञान)

महंगा फ्यूल और ऑपरेशन कॉस्ट बढ़ने का असर

एयर इंडिया हफ्ते में घटाएगी करीब 800 घरेलू फ्लाइट्स

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया हर हफ्ते करीब 800 घरेलू उड़ानों में कटौती कर रही है। यह बदलाव जून से अगस्त 2026 के बीच रहेगा। कंपनी ने यह फैसला जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण लिया है। वहीं, एक न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंडिगो भी अपनी घरेलू उड़ानों में 5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत की कटौती कर सकती है।

एयर इंडिया वर्तमान में हर हफ्ते करीब 4400 उड़ानें ऑपरेट कर रही है। इनमें करीब 3600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं। कंपनी ने 22 प्रतिशत तक घरेलू फ्लाइट्स में कटौती का ऐलान किया है। एयर इंडिया का कहना है कि वह बाजार की मांग और ऑपरेटिंग परिस्थितियों पर बारीकी से नजर रखेगी। जैसे ही परिस्थितियां सामान्य और स्थिर होंगी, उड़ानों की संख्या को दोबारा बहाल करने पर विचार किया जाएगा। उड़ानों में कटौती की सबसे बड़ी वजह 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के बाद मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष है। इससे जेट फ्यूल की कीमतों में इजाफा हुआ है। इसके अलावा, ईरानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल न करने की वजह से अंतरराष्ट्रीय रूट लंबे हो गए हैं और पाकिस्तानी एयरस्पेस पर पाबंदियों ने भी ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ा दी है।

इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल फेडरेशन के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू सेक्टर में फ्यूल की कीमतों के भारी अंतर ने एयरलाइंस के नेटवर्क को वित्तीय रूप से अस्थिर बना दिया है। पहले एयरलाइंस के कुल ऑपरेशनल खर्च में फ्यूल का हिस्सा 40 प्रतिशत होता था, जो बढ़कर 60 प्रतिशत तक पहुंच गया है। (अनंत ज्ञान)

इंडिगो भी 7 प्रतिशत उड़ानें करेगी कम

ईरान बोला- अमेरिका से समझौते का ड्राफ्ट तैयार

एक महीने के भीतर होर्मुज में जहाजों की आवाजाही होगी शुरू

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान

ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ संभावित समझौते का शुरुआती ड्राफ्ट तैयार हो गया है। रॉयटर्स के मुताबिक ईरान के सरकारी टीवी ने एक शुरुआती और अनौपचारिक दस्तावेज मिलने का दावा किया है, जिसमें अमेरिका-ईरान समझौते का ढांचा तैयार किया गया है। ड्राफ्ट के अनुसार अमेरिका ईरान के आसपास से अपनी सैन्य मौजूदगी हटाएगा और नौसैनिक घेराबंदी खत्म करेगा। इसके बदले ईरान 30 दिनों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट में व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही को युद्ध से पहले के स्तर पर बहाल करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह व्यवस्था अमेरिकी सैन्य जहाजों पर लागू नहीं होगी। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही का प्रबंधन ईरान और ओमान मिलकर करेंगे।

ईरानी सरकारी मीडिया ने यह भी कहा कि समझौते का ड्राफ्ट अभी फाइनल नहीं है और बिना ठोस गारंटी के ईरान आगे नहीं बढ़ेगा। अमेरिका की तरफ से अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ईरान की मिजान न्यूज एजेंसी ने अमेरिका-ईरान संभावित शांति समझौते के ड्राफ्ट को लेकर नई जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ईरान के आसपास तैनात अपनी सैन्य ताकत हटाने पर सहमत हुआ है। हालांकि इसमें क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैनिक और सैन्य ठिकाने शामिल होंगे या नहीं, इस पर अभी बातचीत बाकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौता हो जाता है, तो इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बाध्यकारी प्रस्ताव के रूप में मंजूरी दी जाएगी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट, हाईली एनरिच्ड यूरेनियम, प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज ईरानी संपत्तियों जैसे मुद्दों पर चर्चा चल रही है। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने को लेकर संभावित समझौते का शुरुआती ड्राफ्ट तैयार हो गया है। ईरान के सरकारी टीवी के मुताबिक दोनों देशों के बीच एक अनौपचारिक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग का शुरुआती ढांचा तैयार किया गया है। (अनंत ज्ञान)

ईरान फिर जंग की तैयारी में जुटा

ईरान अमेरिका के साथ संभावित नए युद्ध के लिए तैयारी कर रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान को वॉशिंगटन पर बिल्कुल भरोसा नहीं है और वह होर्मुज स्ट्रेट को अपना सबसे बड़ा रणनीतिक हथियार मान रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी अधिकारी तीन मोर्चों पर काम कर रहे हैं, सैन्य तैयारी, घरेलू समर्थन और कूटनीति। हालांकि, बातचीत का रास्ता खुला रखा गया है, लेकिन सेना और ईरान रेवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स हाई अलर्ट पर हैं। ईरान मानता है कि होर्मुज स्ट्रेट उसकी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। इसी वजह से तेहरान इसे अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाने के बड़े हथियार के तौर पर देख रहा है। ईरानी नेतृत्व ने कहा है कि नए संघर्ष की स्थिति में अमेरिका के सैन्य ठिकाने, ऊर्जा ढांचा और उससे जुड़े हित निशाने पर हो सकते हैं।

रोहतांग, शिंकुला व बारालाचा की वादियों में सैलानियों का मेला

बर्फीले रास्तों पर पर्यटकों के रोमांच के साथ भेड़-पालकों का पारंपरिक पलायन पर्यटकों के लिए बना आकर्षण का केंद्र

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू/केलांग। मैदानी राज्यों में सूरज की तपिश बढ़ते ही पर्यटक पहाड़ों की ओर रुख कर रहे हैं। पर्यटन नगरी मनाली की अगर बात करें तो यह सैलानियों से गुलजार हो उठी है। कुल्लू, मनाली और लाहौल घाटी के पर्यटन स्थलों पर इन दिनों सैलानियों का मेला लगा हुआ है। मनाली के मॉल रोड पर जहां शाम के समय भारी चहलकदमी दिख रही है।

वहीं, अटल टनल, सोलंगनाला और कोकसर में पर्यटकों का रोजाना मेला लग रहा है। मैदानी इलाकों की भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए लोग मनाली की ठंडी वादियों में सुकून के पल बिता रहे हैं। कुल्लू व लाहौल स्पीति जिला प्रशासन के अनुसार आने वाले दिनों में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से दोनों जिला के विभिन्न पर्यटन स्थलों में रौनक दोगुनी हो गई है। रोहतांग दर्रे की बहाली से न सिर्फ सैलानियों के लिए रोमांच और राहत लाई है, बल्कि यह उन पारंपरिक गद्दी भेड़-पालकों के चेहरों पर भी मुस्कान ले आई है, जिनका जीवन इन दुर्गम पहाड़ों से जुड़ा है। हर साल यह भेड़ पालक भी पर्यटकों की ही तरह रोहतांग बहाली के बेसब्री से इंतजार करते हैं और बहाली के बाद हर बार की तरह इस बार भी भेड़ पालकों ने अपनी भेड़ बकरियों को रोहतांग होते हुए अपने अगले पड़ाव की ओर गुजरे।

रोहतांग में चारों ओर बर्फ की चादर और सड़क के दोनों ओर बर्फ की दीवारों के बीच से जब यह भेड़-बकरियां गुजरी तो कई पर्यटकों ने उसे अपने मोबाइल व कैमरे में उस पल को कैद किया, जिसकी फोटो व वीडियो भी सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रही हैं। रोहतांग घूमने गए पर्यटकों को एक अनोखा और खूबसूरत नजारा देखने को मिला, जब सैकड़ों भेड़-बकरियों के झुंड के साथ भेड़-पालकों ने रोहतांग दर्रा पार कर लाहुल घाटी की ओर रुख किया।

रोहतांग दर्रे से होते हुए लाहौल की ओर गुजरता भेड़-बकरियों का झुंड।

पर्यटकों के कैमरों में कैद हुआ भेड़पालकों का पारंपरिक सफर

रोहतांग दर्रा बहाल होने का इन घुमंतू भेड़पालकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सर्दियों के महीनो में ये चरवाहे मैदानी व निचले इलाकों की तरफ चले जाते हैं और मई के अंत में जैसे ही बर्फ साफ होती है, ये अपनी भेड़-बकरियों के साथ वापस लाहुल की हरी-भरी चारागाहों (धारों) की ओर निकल पड़ते हैं।रोहतांग की बर्फीली वादियों के बीच से गुजरता भेड़-बकरियों का यह लंबा कारवां वहां मौजूद पर्यटकों के लिए किसी अजूबे से कम नहीं था। सैलानी इस पारंपरिक और अनूठे दृश्य को अपने कैमरों और मोबाइल में कैद करने से खुद को रोक नहीं पाए।

कठिन जीवन, मगर अद्भुत परंपरा

एक स्थानीय भेड़-पालक के अनुसार सर्दियों के बाद यह हमारा पारंपरिक रास्ता है। रोहतांग बहाल होते ही हम लाहुल घाटी के ऊंचे इलाकों की तरफ बढ़ते हैं, जहां हमारी भेड़-बकरियों के लिए पौष्टिक घास मिलती है। रास्ता बेहद कठिन और बर्फीला है, लेकिन यह हमारी सदियों पुरानी संस्कृति है।

16 हजार फुट की ऊंचाई पर 'कूल-कूल' अहसास

एक तरफ जहां भेड़-पालक अपनी मंजिलों की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं देश-दुनिया से आए पर्यटक रोहतांग, शिंकुला और 16 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित बारालाचा दर्रे में बर्फ की सफेद चादर के बीच अठखेलियां कर रहे हैं। मई के आखिरी सप्ताह में हुई हल्की बर्फबारी और बारिश ने मौसम को और भी सुहावना बना दिया है।

रोहतांग दर्रे में उमड़ा पर्यटकों का सैलाब।

कुल्लू भाजपा में बगावत पर की कड़ी कार्रवाई

पार्टी समर्थित उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले दो पदाधिकारी हटाए

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू जिले में जिला परिषद (जिप) चुनावों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर सांगठनिक स्तर पर बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए जिला भाजपा ने अपने ही दो वरिष्ठ पदाधिकारियों को उनके पदों से भारमुक्त कर दिया है।

यह कार्रवाई उन नेताओं पर की गई है, जो पार्टी के आधिकारिक और समर्थित उम्मीदवारों के फैसलों को दरकिनार कर, उनके खिलाफ चुनावी मैदान में निर्दलीय के रूप में उतर आए हैं। इस कदम से भाजपा ने साफ संदेश दिया है कि चुनावों के दौरान किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भाजपा के जिला कार्यालय सचिव नरेश चौहान द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई जिला परिषद के 'जरड़-भुट्टी कालोनी वार्ड' में पैदा हुए चुनावी समीकरणों के बाद अमल में लाई गई है। इस फैसले की गाज जिला सह-संयोजक विधि प्रकोष्ठ (लीगल सेल) कमल किशोर और जिला कार्यकारिणी सदस्य चौबे राम पर गिरी है। ये दोनों ही नेता पार्टी के तय उम्मीदवारों के सामने खुद चुनाव लड़कर संगठन के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे थे, जिसके चलते उन्हें तुरंत प्रभाव से उनके मौजूदा सांगठनिक दायित्वों से मुक्त कर दिया गया है। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो चुनावों के वक्त टिकट न मिलने या मनमुताबिक फैसला न होने पर नेताओं का बागी होना आम बात है, जिसे राजनीतिक भाषा में भीतरघात' कहा जाता है। भाजपा द्वारा की गई इस त्वरित अनुशासनात्मक कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों के वोटों में होने वाले बिखराव को रोकना है। ऐसे कड़े कदम उठाकर संगठन न केवल चुनावी नुकसान से बचने की कोशिश करता है, बल्कि अन्य कार्यकर्ताओं और नेताओं को भी यह कड़ा संदेश देता है कि पार्टी लाइन से अलग जाने पर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

मुलिंग पुल के पास पहाड़ी से पत्थर गिरने से चंद्रा नदी में गिरी गाड़ी, चालक घायल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। लाहौल घाटी के मुलिंग पुल के पास देर रात को एक सड़क हादसा सामने आया है। इस हादसे में पहाड़ी से अचानक गिरे पत्थर के कारण एक वाहन अनियंत्रित होकर चंद्रा नदी में जा गिरा। हादसे में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे केलांग में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कुल्लू क्षेत्रीय अस्पताल रेफर किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना में सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मुलिंग पुल और क्षेत्रीय अस्पताल केलांग पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच और स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान यह सामने आया कि वाहन संख्या एचपी-06 सी-9494 चला रहे अनीश राणा की गाड़ी पर पहाड़ी से पत्थर गिरा था।

पत्थर के टकराने के बाद वाहन चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन चंद्रा नदी में जा गिरा। हादसे में घायल हुए 35 वर्षीय अनीश राणा, पुत्र करम चंद, सेक्टर-7बी चंडीगढ़ के निवासी बताए जा रहे हैं। यह लोग जिस्पा क्षेत्र में कैंपिंग व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। दुर्घटना में उनके सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। क्षेत्रीय अस्पताल केलांग में डॉक्टर आकर्षक द्वारा प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू रेफर कर दिया गया। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर पत्थर गिरने की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि यहां पर हवा चलने की स्थिति में भी लगातार पहाड़ी से पत्थर गिरने लगते हैं जिससे कई बार वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

मुलिंग में पहाड़ी से गिरे मलबे की चपेट में आने से चंद्रा नदी में गिरी गाड़ी।

3 और 4 जून को होगी पीईटी बैचवाइज पदों की काउंसिलिंग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा कुल्लू की ओर से जिला कैडर से संबंधित सीएंडवी वर्ग के शारीरिक शिक्षक (पीईटी) पदों के लिए बैचवाइज काउंसिलिंग की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं।

जानकारी के अनुसार रोजगार कार्यालय से प्राप्त सूचियों के आधार पर अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र जारी किए गए हैं। इसमें सामान्य वर्ग के 08 पदों के लिए 31.12.2005 तक बैच, अनुसूचित जाति वर्ग के 06 पदों के लिए 31.12.2007 तक बैच, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 01 पद के लिए 31.12.2007 तक बैच, अन्य पिछड़ा वर्ग के 08 पदों के लिए 31.12.2007 तक बैच तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 01 पद के लिए 31.12.2006 तक बैच के अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग के लिए आमंत्रित किया गया है। जिन अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, लेकिन वे निर्धारित श्रेणी एवं बैच में आते हैं, वे भी अपने दस्तावेजों सहित कार्यालय में उपस्थित होकर दस्तावेजीकरण करवा सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के अतिरिक्त हिमाचली स्थायी निवासी प्रमाण पत्र, रोजगार पंजीकरण प्रमाण पत्र, शैक्षणिक एवं व्यावसायिक प्रमाण पत्र तथा एक पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा।

आनी एवं बंजार रोजगार कार्यालय के अभ्यर्थियों के लिए काउंसिलिंग 03 जून, 2026 को प्रातः 10 बजे कार्यालय उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा, कुल्लू में आयोजित होगी। कुल्लू रोजगार कार्यालय के अभ्यर्थियों के लिए काउंसिलिंग 4 जून, 2026 को प्रातः 10 बजे कार्यालय उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा, कुल्लू में आयोजित होगी। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्य दिवसों के दौरान कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं अथवा दूरभाष नंबर 01902-222679 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिले में दूसरे चरण में 85 पंचायतों में होगा मतदान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त अनुराग चंद्र शर्मा ने बताया कि पंचायतीराज चुनावों के दूसरे चरण के तहत वीरवार को जिले की 85 पंचायतों में मतदान होगा। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने चुनाव संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं तथा मतदान टीमें अपने-अपने गंतव्य तक पहुंच चुकी हैं।

मतदान प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक संपन्न होगा। 85 पंचायतों में मतदान के लिए 487 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनके लिए 1948 मतदान कर्मी तथा लगभग 974 के करीब सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं। दूसरे चरण में 1,03,797 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिले में कुल 3,17,476 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 1,60,949 पुरुष तथा 1,56,527 महिला मतदाता शामिल हैं। विकास खंड आनी की 13 पंचायतों में विनन, बिशला धार, बुच्छैर, ब्युंगल, डिंगी धार, जावन, कमांद, कराणा-1, खणी, लझेरी, पलेही, फनौटी तथा पोखरी में दूसरे चरण के चुनाव संपन्न होंगे। विकास खंड बंजार की 14 पंचायतों में बाहु, बलागाड़, बनोगी, बिहार, चकुरठा, चनौन, दुशाहड़, जमद, खाड़ागाड़, पेखड़ी, शैंशर, शिल्ही, टीलव व थाटीबीड़ में दूसरे चरण के चुनाव संपन्न होंगे। विकास खंड भुंतर की 17 पंचायतों में बजौरा, भलाण-2, भ्रैण, दियार, दलाशनी, गड़सा, जां, खोखन, मनिकर्ण, मशगां, पारली, पुंथल, रैला, रतोचा, शिलिहार-2, शिल्लीहार तथा शुरड़ में दूसरे चरण के चुनाव संपन्न होंगे। विकास खंड कुल्लू की 14 पंचायतों में बल्ह-2, ब्राह्मण, भूमतीर, भुलंग, डूघीलग, ग्राहण, जिंदौड़, मानगढ़, मझाट, नलहाच, पाहनाला, सेऊगी, शिलानाल तथा तलोगी में दूसरे चरण के चुनाव होंगे। विकास खंड नग्गर की 15 पंचायतों में बड़ाग्रां, गाहर, गोजरा, हलाण-2, हुरंग, कन्याल, करजां, लरांकेलो, मनाली, राउगी, रुमसू, सरसेई, शनाग, शिल्हा हलाण तथा वशिष्ठ में दूसरे चरण के चुनाव होंगे। विकास खंड निरमंड की 12 पंचायतों में बागा सराहन, बाड़ी, भालसी, डीम, घाटु, जगातखाना, कशोली, कोट, कुशवा, नित्थर, शिल्ली तथा तवार में दूसरे चरण के चुनाव होंगे।

पंचायतीराज चुनाव के पहले चरण में जिले में हुआ 84.43 प्रतिशत मतदान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा ने बताया कि पंचायतीराज चुनाव-2026 के प्रथम चरण में कुल्लू जिले की 85 पंचायतों में कुल 84.43 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। चुनाव प्रक्रिया पूरे जिले में शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि विकास खंड आनी की 13 पंचायतों में 82.33 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। विकास खंड नग्गर की 15 पंचायतों में 85.18 प्रतिशत तथा विकास खंड भुंतर की 18 पंचायतों में 85.20 प्रतिशत मतदान हुआ। इसी प्रकार विकास खंड कुल्लू की 14 पंचायतों में 85.01 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उपायुक्त ने बताया कि विकास खंड निरमंड की 11 पंचायतों में 80.41 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विकास खंड बंजार की 14 पंचायतों में सर्वाधिक 87.13 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए थे। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई थीं। दुर्गम क्षेत्रों तक भी मतदान दल समय पर पहुंचे और पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्होंने चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों तथा विभिन्न विभागों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से प्रथम चरण का मतदान संपन्न हुआ।

जाहलमा पुल बंद होने से उदयपुर, किलाड़ और मयाड़ घाटी का संपर्क कटा : रवि

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। लाहौल घाटी के जाहलमा पुल के आधार और आसपास की भूमि में दरारें आने के बाद बीआरओ के सुझाव पर प्रशासन ने एहतियातन पुल से वाहनों की आवाजाही बंद कर दी है। पुल बंद होने से जाहलमा से आगे उदयपुर, किलाड़ और मयाड़ घाटी का केलांग व मनाली से सड़क संपर्क पूरी तरह प्रभावित हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों और यात्रियों की परेशानियां बढ़ गई हैं। स्थिति का जायजा लेने पूर्व विधायक रवि ठाकुर भी बीआरओ के उच्च अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बीआरओ के कमांडर कर्नल गौरव और ओसी मेजर पारस कोचर से मौजूदा हालात और आगे की कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की। रवि ठाकुर ने कहा कि पुल पर यातायात बंद होने से क्षेत्र के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बीआरओ से नाले के रास्ते वैकल्पिक सड़क तैयार करने का आग्रह किया है, ताकि जल्द से जल्द यातायात बहाल किया जा सके। बीआरओ ने इस दिशा में तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है और वैकल्पिक मार्ग बनाने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही क्षेत्र में यातायात सुचारू कर दिया जाएगा।

पंचायतीराज चुनाव में भाजपा मंडल अध्यक्षों की हार बनी चर्चा का विषय

अनंत ज्ञान

आनी। आनी और निरमंड क्षेत्र में हुए पंचायतीराज चुनावों के परिणामों ने स्थानीय राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। भाजपा के दोनों मंडलों के मौजूदा अध्यक्ष चुनाव हार गए हैं, जबकि इससे पहले नगर पंचायत निरमंड में पार्टी के पूर्व मंडलाध्यक्ष को भी हार का सामना करना पड़ा था। लगातार सामने आए इन परिणामों ने राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलों को हवा दे दी है।

आनी भाजपा मंडलाध्यक्ष वेद ठाकुर ने कराणा पंचायत से प्रधान पद का चुनाव लड़ा था। इस मुकाबले में उनके अलावा रूपेंद्र सिंह और शांता कुमार मैदान में थे। चुनाव परिणामों में शांता कुमार ने 510 मत प्राप्त कर रूपेंद्र सिंह को 131 मतों से पराजित किया, जबकि भाजपा मंडलाध्यक्ष वेद ठाकुर को मात्र 145 वोट ही मिल पाए। वहीं निरमंड खंड की चायल पंचायत से भाजपा मंडलाध्यक्ष नरोत्तम ठाकुर चुनाव मैदान में उतरे थे। इस पंचायत में नरोत्तम ठाकुर सहित जगदीश चंद, देवी सिंह ठाकुर और संजीव कुमार सहित कुल चार प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा। परिणामों में देवी सिंह ठाकुर ने नरोत्तम ठाकुर को 109 मतों के अंतर से हराया। गौरतलब है कि हाल ही में नगर पंचायत निरमंड के चुनावों में भाजपा के पूर्व मंडलाध्यक्ष योगेश भार्गव को भी सदस्य पद के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में लगातार सामने आई इन हारों को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि प्रदेश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के मंडल स्तर के नेताओं को आखिर स्थानीय चुनावों में जनता का अपेक्षित समर्थन क्यों नहीं मिल पाया। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि संगठन के शीर्ष पदों पर बैठे नेताओं का पंचायत प्रधान जैसे पदों के लिए चुनाव मैदान में उतरना कहीं न कहीं राजनीतिक महत्वाकांक्षा का संकेत माना जा रहा है। अब राजनीतिक विश्लेषकों की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या इन परिणामों का असर आगामी विधानसभा चुनावों के समीकरणों पर भी देखने को मिलेगा।

पंचायत चुनाव में वोट के बदले नोट का आरोप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति में पंचायत चुनाव के बीच राजनीति गरमा गई है। उदयपुर ब्लॉक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का एक कथित ऑडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में कथित तौर पर एक मतदाता से वोट के बदले पैसे और शराब देने की बात की जा रही है। इस ऑडियो के सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर पंचायत चुनाव में पैसे के बल पर चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने मामले को गंभीर बताते हुए इसकी निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। भाजपा ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पंचायत चुनाव को धनबल के माध्यम से प्रभावित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वायरल ऑडियो की एक कॉपी पुलिस को सौंप दी है और मामले की जांच की मांग की गई है। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग और जिला प्रशासन से मामले का संज्ञान लेने तथा निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से करवाना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

◆ कांग्रेस नेता का ऑडियो वायरल

◆ भाजपा ने पुलिस जांच की उठाई मांग

स्वयं को साधना से करें नव रूपांतरण: सुधांशु महाराज

सुधांशु जी महाराज व विदेशी साधक सहित अन्य साधक साधना शिविर के दौरान।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू जिले के घुड़दौड़ स्थित साधना धाम में बुधवार से एक नया सत्र चंद्रायण तप साधना शिविर एडवांस की शुरुआत सुधांशु जी महाराज एवं योग गुरु डॉ अर्चिका दीदी ने की। इस अवसर पर कुछ साधकों ने व्यास पीठ पर विराजमान गुरुदेव स्वागत एवं अभिनन्दन किया। सुधांशु जी महाराज ने बताया कि आप लोगों को खास व्यक्ति के साथ रहना है और उनके सदाचरण को अपने जीवन में लाना है तथा संगति व मित्र भी अच्छे से विचार करके चुनने को कहा, ताकि भविष्य में कोई धोखा न हो। अपने समय की कीमत समझें और देवताओं का प्रतिनिधि बनकर जीवन जिएं। महाराज ने सभी साधकों से यह मंत्र उच्चारण करवाए - परमात्मा मुझे फिर से एक नया मन दें और क्रियात्मक जीवन दें, मुझे एक अच्छी आयु प्रदान करे तथा पवित्रता से आत्मा को शुद्ध करते हुए प्रभु की प्राप्ति हो और दृष्टि नया हो के साथ जीवन भी नया बने।

पंचायत चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की प्रचंड जीत : अखिलेश

बोले- जनता ने कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों को किया खारिज

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कपूर ने प्रदेश में संपन्न पंचायतीराज चुनाव के प्रथम चरण के परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इन चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की प्रचंड जीत कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता का स्पष्ट जनादेश है।

उन्होंने कहा कि 75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान एवं उपप्रधान उम्मीदवारों ने विजय प्राप्त की है। यह परिणाम साबित करते हैं कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार के झूठे वादों, प्रशासनिक विफलताओं एवं विकास विरोधी कार्यशैली से पूरी तरह निराश हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार महिलाओं, किसानों, युवाओं एवं कर्मचारियों से किए गए वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह देने, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, रोजगार उपलब्ध करवाने एवं विकास कार्यों के बड़े-बड़े दावे केवल चुनावी जुमले साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार एवं प्रशासनिक अव्यवस्था से आम जनता परेशान है और पंचायत चुनावों में गांव-गांव से कांग्रेस के खिलाफ भारी जनाक्रोश देखने को मिला। कई बड़े कांग्रेस नेताओं को भी अपने क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की मजबूत संगठनात्मक शक्ति, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व एवं केंद्र सरकार की विकासपरक और गरीब कल्याणकारी नीतियों पर जनता ने पुनः विश्वास व्यक्त किया है। पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में भाजपा को मिल रहे लगातार जनसमर्थन की तरह हिमाचल प्रदेश में भी यह परिणाम आने वाले राजनीतिक परिवर्तन का स्पष्ट संकेत हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के परिणामों ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रदेश की जनता अब कांग्रेस सरकार से पूरी तरह मोहभंग कर चुकी है।

काजा में पंचायत समिति और जिला परिषद चुनाव के मतगणना के लिए किया पूर्वाभ्यास

काजा में पंचायत समिति व जिला परिषद चुनाव की मतगणना के लिए पूर्वाभ्यास करते कर्मचारी।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, काजा। काजा में पंचायत समिति एवं जिला परिषद चुनाव की मतगणना को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मतगणना प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के उद्देश्य से बुधवार को अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया।

इस दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को मतगणना प्रक्रिया से जुड़ी आवश्यक जानकारियां एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम दीक्षित राणा ने बताया कि मतगणना की प्रक्रिया सुबह 9:30 बजे से एडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल में शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतगणना कार्य को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने के लिए कुल सात टीमों का गठन किया गया है। इनमें चार मतगणना टीमें, एक मतपेटी प्रबंधन टीम, एक सीलिंग टीम तथा एक संकलन टीम शामिल है। उन्होंने बताया कि सभी कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया है, ताकि मतगणना के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न आए। प्रशासन द्वारा सुरक्षा, पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रशासन का कहना है कि चुनाव परिणामों की घोषणा निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सुनिश्चित की जाएगी।

सोलन में गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारें, घंटों इंतजार को मजबूर लोग

सिलेंडर न मिलने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन शहर में घरेलू गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के गैस एजेंसी केंद्रों के बाहर सुबह से ही लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। महिलाएं, बुजुर्ग और कामकाजी लोग घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। तस्वीरें साफ बयां कर रही हैं कि आम जनता किस तरह गैस सिलेंडर की किल्लत और वितरण व्यवस्था की धीमी रफ्तार से जूझ रही है। कई लोगों का कहना है कि उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा, जिसके चलते रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह जल्दी पहुंचने के बावजूद घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। गर्मी के बीच लंबी कतारों में खड़े रहना लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। वहीं कुछ उपभोक्ताओं ने व्यवस्था में सुधार और अतिरिक्त वितरण व्यवस्था की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते उचित प्रबंधन नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में समस्या और बढ़ सकती है। प्रशासन और संबंधित गैस एजेंसियों से व्यवस्था को सुचारु बनाने की मांग की जा रही है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। सोलन शहर में घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से लंबी कतारें लग रही हैं। महिलाएं, बुजुर्ग और कामकाजी लोग घंटों इंतजार करने को मजबूर हैं। उपभोक्ताओं ने प्रशासन और गैस एजेंसियों से वितरण व्यवस्था सुधारने और अतिरिक्त सप्लाई उपलब्ध कराने की मांग उठाई है। सोलन में गैस सिलेंडर की कमी से आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ताओं ने शीघ्र आपूर्ति और बेहतर व्यवस्था की मांग की है। प्रशासन से तत्काल समाधान की अपेक्षा जताई जा रही है।

सवालों के घेरे में रेणुका बांध प्रभावित क्षेत्र में पेड़ों की गिनती

अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान, नाहन। रेणुका बांध विस्थापित संघर्ष समिति ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष तरीके से पेड़ों की गिनती करवाने की मांग की है। इतना ही नहीं समिति ने चेतावनी दी है कि यदि पारदर्शिता नहीं बरती गई तो मामला कोर्ट तक ले जाया जाएगा।

- **वन विभाग पर लगा पेड़ों की गिनती में अनियमितता बरतने का आरोप**
- **पारदर्शिता नहीं होने पर कोर्ट जाने की चेतावनी**

रेणुका बांध विस्थापित संघर्ष समिति के पदाधिकारी नाहन में आज मीडिया से बात कर रहे थे।

मीडिया से बात करते हुए रेणुका बांध विस्थापित संघर्ष समिति के प्रेस सचिव योगी ठाकुर ने बताया कि बीते कल बांध प्रबंधन की ओर से उन्हें मीटिंग के लिए बुलाया गया था

जहां उन्हें पता चला कि रेणुका बांध प्रभावित क्षेत्र में पेड़ों की गिनती का कार्य चल हुआ था। इस संबंध में जब समिति के पदाधिकारी ने बांध प्रबंधन से सवाल पूछा तो कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि प्रभावित क्षेत्र में प्रति बीघा में पेड़ों की संख्या कम दिखाए जाने की आशंका है ऐसे में उन्होंने कहा कि पेड़ों की गिनती पूरी नियमानुसार पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ की जानी चाहिए। समिति ने साफ कहा कि अगर कार्य निष्पक्ष तरीके से नहीं किया गया तो वे कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

कालाअंब पंचायत में संदिग्ध वोट मामले में जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिए जांच के आदेश

दूसरे मतदाता के नाम पर वोट डालने के आरोप से बूथ पर हंगामा

अनंत ज्ञान

नाहन। पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण में नाहन विधानसभा क्षेत्र की कालाअंब पंचायत में उस वक्त बवाल मचा जब एक संदिग्ध व्यक्ति अन्य वोटर की जगह मतदान करने पहुंच गया।इस स्थिति में लोगों ने हंगामा कर दिया। पुलिस शिकायत मिलने के बाद मौके पर पहुंची।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस मामले में जांच के आदेश दे दिये है। आर ओ को मामले की जांच की रिपोर्ट देने के आदेश दिए गए है। पुलिस अलग से जांच में जुटी है। यह घटना कालाअंब स्थित बूथ नंबर-7 की है। जिला परिषद चुनाव के दौरान एक संदिग्ध वोट डालने पहुंच गया। आरोप है कि मतदान के दौरान बिना उचित पहचान सत्यापन के बैलेट पेपर जारी कर दिया गया और उसके आधार पर मतदान भी कर लिया गया। जिला परिषद प्रत्याशी के पति ने आरोप लगाया कि एक संदिग्ध व्यक्ति मतदाता सूची के सीरियल नंबर-212 पर दर्ज 22 वर्षीय मोहम्मद उमर के नाम पर वोट डाल रहा था।आरोप कि संबंधित व्यक्ति की पहचान का सही तरीके से सत्यापन नहीं किया गया और बिना आवश्यक दस्तावेजों की जांच के मतदान की अनुमति दे दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एंव डीसी प्रियंका वर्मा ने बताया कि मामले में संबंधित आरओ से रिपोर्ट तलब की गई। रिपोर्ट आने के बाद एक्शन होगा।

कालाअंब में फर्जी मतदान के आरोप के बाद जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। बिना सही पहचान सत्यापन के वोट डालने का मामला सामने आया है। पुलिस भी जांच में जुटी है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका वर्मा — अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

जगदीश टाली के और सुरेश देवठी मंझगांव पंचायत के बने प्रधान

अनंत ज्ञान, राजगढ़ । राजगढ़ विकास खंड की 12 पंचायतों में प्रथम चरण के चुनाव शांतिपूर्वक ढंग संपन हुए। सभी पंचायतों के परिणाम देर रात तक घोषित किए गए। निर्वाचन अधिकारी पंचायत राजगढ़ के अनुसार टाली भुज्जल पंचायत में प्रधान जगदीश, उप प्रधान प्रदीप कुमार, वार्ड मैंबर सरिता देवी, प्रियंका , ब्रह्मानंद , शम्मी देवी चुने किए गए ।

देवठी मंझगांव पंचायत में प्रधान सुरेश, उप प्रधान सुनील, वार्ड मैंबर पुष्पा देवी, रीना देवी, रीता, पिंकी और शुभम, कोटला बांगी पंचायत में प्रधान नितिका, उप प्रधान महिन्द्र, वार्ड मैंबर में कविता, रीना, बबीता, सुधीर और सुनील दत्त, ग्रांम पंचायत कड़ोली दोची में प्रधान रोहित श्याम, उप प्रधान मुनीष कुमार, वार्ड सदस्यों में रीना देवी, विक्रम कुमार, इंद्रपाल, नेहा शर्मा और मंजूबाला , ग्राम पंचायत नेहरटी बघोट में प्रधान सुमन, उप प्रधान राजीव, वार्ड सदस्यों में काजल, सीमा देवी, मनिषा कुमारी, राजीव कुमार और मुकेश कुमार , शिंलाजी पंचायत में प्रधान सुरेन्द्र सिंह ,उप प्रधान मदन सिंह, वार्ड मैंबर में वंदना देवी, संजय कुमार, पवन कुमार, अरूणा, कल्पना, अशोक और सरोपता निर्वाचित हुए ।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत थैना बसोतरी में प्रधान ममता कुमारी, उप प्रधान कृष्ण दत्त, वार्ड मैंबर में विकास चंद , रीना कुमारी, मीरा देवी और विनोद, दाहन पंचायत में प्रधान सुनील, उप प्रधान प्रेम सागर, वार्ड मैंबर में रक्षा देवी, किरण, ललिता, विकास चौहान, सतीश कुमार, नीरज और सपना कुमारी, ग्राम पंचायत छोगटाली से नितेश, उप प्रधान तारा चंद, वार्ड मैंबरर्स पलका देवी, सुरेखा ठाकुर, यशवंत सिंह, सुरेश कुमार और विश्वलता, नेहर पाब पंचायत में प्रधान अमित कुमार, उप प्रधान वेद प्रकाश, वार्ड सदस्य पूरण चंद, सुलक्षणा , अर्चना, रीता देवी और सुशील कुमार चुने गए ।

नौहराधार ट्रैक पर श्रद्धालु रास्ता भटके यात्रियों को सुरक्षित यात्रा करने की दी सलाह

नेटवर्क समस्या के बावजूद सेवा सदस्यों ने फोन पर मार्गदर्शन देकर श्रद्धालुओं को सुरक्षित पहुंचाया

अनंत ज्ञान, नाहन। चूड़धार यात्रा के दौरान नौहराधार मार्ग पर लगातार श्रद्धालुओं के रास्ता भटकने की घटनाएं सामने आ रही हैं। कई श्रद्धालु देर रात जंगलों में फंस गए तथा सहायता के लिए लगातार फोन कॉल करते रहे। मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या के बावजूद चूड़धार मंदिर फेसबुक पेज के सेवादारों ने घंटों फोन पर नेविगेशन गाइडेंस देकर श्रद्धालुओं को सुरक्षित मंदिर तक पहुंचाया।

चूड़ेश्वर सेवा समिति की प्रचार-प्रसार उपसमिति के अध्यक्ष कुंदन ठाकुर ने श्रद्धालुओं से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि समस्या मुख्य रूप से नौहराधार से चूड़धार जाने वाले पैदल ट्रैक पर सामने आ रही है। उन्होंने जानकारी दी कि

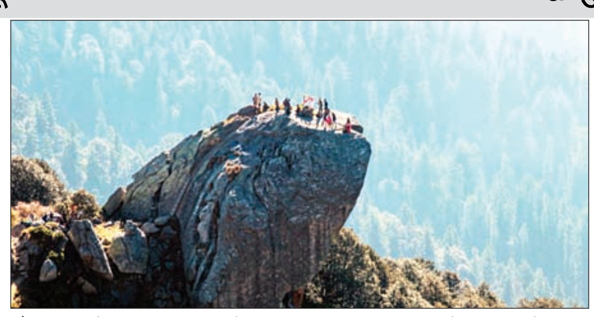

नौहराधार से लगभग 7 किलोमीटर तक सड़क मार्ग उपलब्ध है जहां तक वाहन पहुंच सकते हैं, जबकि वहां से आगे चूड़धार मंदिर तक लगभग 11 किलोमीटर का लगभग 5 से 6 घंटे का पैदल सफर तय करना पड़ता है। श्रद्धालु सुबह जल्दी यात्रा आरंभ करें और हर हाल में सूर्यास्त से पहले मंदिर पहुंचने का प्रयास करें। समिति ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि रास्ते में अनावश्यक रूप से अधिक देर तक ढाबों पर न रुकें तथा फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी में अत्यधिक समय व्यर्थ न करें। ढाबा संचालकों से भी तीर्थ की गरिमा बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं को सही जानकारी देने की अपील की गई है।

समिति ने बताया कि चूड़धार मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क लंगर प्रसाद एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था 15 मई द्वारा शुरू की जा चुकी है। वैकल्पिक मार्ग के रूप में शिमला जिला के चौपाल उपमंडल अंतर्गत सरेन (बिजट महाराज मंदिर) के समीप पुलबाहल सड़क मार्ग स्थित 'मण्डाह लाणि' से है। यहां से चूड़धार मंदिर की दूरी लगभग 7 किलोमीटर है तथा श्रद्धालु सामान्यत: 3 से 4 घंटों में मंदिर पहुंच जाते हैं।

श्रद्धालु नौहराधार ट्रैक पर भटक जाते हैं : कुंदन ठाकुर

छोग टाली पंचायत में सर्वाधिक 91 .10 प्रतिशत मतदान किया गया दर्ज

अनंत ज्ञान, राजगढ़ । विकास खंड राजगढ़ में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के अंतर्गत मंगलवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। रिटर्निंग ऑफिसर एवं खंड विकास अधिकारी के अनुसार विकास खंड की सभी ग्राम पंचायतों को मिलाकर कुल 13,032 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 10,606 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार विकास खंड में कुल मतदान प्रतिशत 81.38 दर्ज किया गया। पुरुष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 82.6 जबकि महिला मतदाताओं का 80.1 प्रतिशत रहा।

सबसे अधिक मतदान की बात करें तो ग्राम पंचायत दाहन में मतदाताओं ने सर्वाधिक उत्साह दिखाया। यहां कुल 91.04 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जिसमें पुरुष मतदान 92.6 प्रतिशत और महिला मतदान 89.4 प्रतिशत रहा। इसके अलावा छोग टाली (91.10 प्रतिशत), देवठी मझगांव (88.94 प्रतिशत) और थैना बसोतरी (87.84 प्रतिशत) पंचायतों में भी मतदान उल्लेखनीय रहा। टाली

भुज्जल (86.67%), कोटला बांगी (85.78%), कडोली दोची (85.58%), शिलांजी (85.30%), नेहर पाब (86.63%) जैसी अधिकांश पंचायतों में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज हुआ।

वहीं सबसे कम मतदान ग्राम पंचायत हाब्बन में दर्ज किया गया, जहां कुल मतदान प्रतिशत मात्र 48.58 रहा। इसमें महिला मतदाताओं की भागीदारी विशेष रूप से कम रही। इसके अतिरिक्त काथली भरन (65.64 प्रतिशत) और नेहरटी बघोट (63.22 प्रतिशत) पंचायतों में भी अपेक्षाकृत कम मतदान दर्ज किया गया। प्रशासन ने सफल और शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदान कर्मियों, सुरक्षा बलों और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है।

जिला सोलन में पंचायती राज संस्थाओं के प्रथम चरण के निर्वाचन में 80.90 प्रतिशत हुआ मतदान

अनंत ज्ञान, सोलन । पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन-2026 के अंतर्गत ज़िला सोलन में आज प्रथम चरण के निर्वाचन में कुल 80.90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह जानकारी ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी। मनमोहन शर्मा ने कहा कि आज सोलन ज़िला की कुल 87 ग्राम पंचायतों में शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि इन ग्राम पंचायतों में कुल 125238 मतदाता में से 101317 मतदाताओं ने आज मतदान किया।

कुल 63991 पुरुष मतदाताओं में से 51260 तथा कुल 61247 महिला मतदाताओं में से 50057 ने मतदान किया। सोलन ज़िला में कुल मत प्रतिशत 80.90 दर्ज किया गया। इनमें पुरुष मतदाताओं का मत प्रतिशत 80.11 तथा महिला मतदाताओं का मत प्रतिशत 81.73 रहा। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड सोलन की 13 ग्राम पंचायतों में कुल 16024 मतदाताओं में से 12652 ने मतदान किया। कुल 8040 पुरुष मतदाताओं में से 6462 तथा कुल 7984 महिला मतदाताओं में से 6190 ने मतदान किया।

विकास खण्ड सोलन में कुल मत प्रतिशत 78.96 दर्ज किया गया। इनमें पुरुष मतदाताओं का मत प्रतिशत 80.37 तथा महिला मतदाताओं का मत प्रतिशत 77.53 रहा। विकास खण्ड कण्डाघाट की 10 ग्राम पंचायतों में कुल 11633 मतदाताओं में से 9552 ने मतदान किया। कुल 5966 पुरुष मतदाताओं में से 4943 तथा कुल 5667 महिला मतदाताओं में से 4609 ने मतदान किया।

विकास खण्ड कण्डाघाट में कुल मत प्रतिशत 82.11 मतदान दर्ज किया गया। इनमें पुरुष मतदाताओं का मत प्रतिशत 82.95 तथा महिला मतदाताओं का मत प्रतिशत 81.58 रहा। विकास खण्ड धर्मपुर की 09 ग्राम पंचायतों में कुल 14320 मतदाताओं में से 11468 ने मतदान किया। कुल 7399 पुरुष मतदाताओं में से 5930 तथा कुल 6921 महिला मतदाताओं में से 5538 ने मतदान किया।

फिल्म 'कौन कॉन है' में नजर आएंगे सोलन के अभिनेता मनुज वालिया

अनंत ज्ञान

सोलन। शहर के मनुज वालिया अपने अभिनय से लंबे समय से टीवी सीरियल और फिल्मों दमदार रोल करते आ रहे हैं। एक फिर से उन्होंने बड़े पर्दे में दमदार मौजूदगी दर्ज की है। उनकी हिंदी फीचर फिल्म 'कौन कॉन है ?' 27 मई को हंगामा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई। इस फिल्म में मनुज वालिया मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और पूरी कहानी उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई देगी। फिल्म में बॉलीवुड और टीवी जगत के कई चर्चित कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनमें सीमा विश्वास, गोपाल दत्त, श्रुति उल्फत, मनीषा बधावा, राजेंद्र चावला और रोबिन दास जैसे कलाकार शामिल हैं। फिल्म की शूटिंग कश्मीर, दिल्ली, गोवा और मुंबई समेत कई खूबसूरत लोकेशनों पर की गई है। मनुज वालिया इससे पहले भी कई लोकप्रिय टीवी धारावाहिकों और कार्यक्रमों में

अपनी अभिनय प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। मनुज वालिया ने बताया कि उनकी आगामी फिल्म 'खूंटा' भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रही है।

और कॉनर्स फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे हिमाचल प्रदेश की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनका मानना है कि आने वाले समय में सोलन सहित पूरे हिमाचल के कई युवा बड़े बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे ।मनुज वालिया ने कहा कि दर्शकों का प्यार उन्हें काम करने की प्रेरणा देता है।

सिरमौर में प्रथम चरण में 83.41 प्रतिशत मतदान दर्ज

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर में पंचायती राज संस्थाओं के प्रथम चरण के चुनाव में 94 ग्राम पंचायतों के 588 वार्डों के लिए आज हुए मतदान में कुल 83.41 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ है, जिसमें 83.52 प्रतिशत पुरूष मतदाता तथा 83.29 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सिरमौर प्रियंका वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण के चुनाव में आज 01 लाख, 32 हजार, 708 मतदाताओं में से 01 लाख, 10 हजार, 695 मतदाओं ने मतदान किया है। उन्होंने बताया कि विकास खंड नाहन की 10 पंचायतों में 85.03 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ है उपायुक्त ने बताया कि मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, विद्युत तथा कोविड संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

किशोरियों को मासिक धर्म स्वास्थ्य और पोषण भ्रांतियों के प्रति किया जागरूक

मासिक धर्म पर आईटीआई अर्की में जागरूकता कार्यक्रम में पहुंची छात्राएं। — अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

अर्की। मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर आईटीआई अर्की में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं को मासिक धर्म स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण तथा इससे जुड़े मिथकों एवं भ्रांतियों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. विजय कुमार शांडिल, काउंसलर, एचआईवी काउंसलिंग एवं टेस्टिंग सर्विसेज, सिविल अस्पताल अर्की, जिला सोलन द्वारा मासिक धर्म स्वास्थ्य विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि मासिक धर्म महिलाओं के जीवन की एक सामान्य एवं प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है तथा इसके प्रति समाज में जागरूकता और सकारात्मक सोच विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, साफ एवं सुरक्षित सैनिटरी उत्पादों का उपयोग करने, संतुलित आहार लेने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की स्थिति में चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही मासिक धर्म से जुड़े सामाजिक मिथकों और भेदभाव को समाप्त करने का संदेश भी दिया गया।

इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भाषण (डिक्लेमेशन) प्रतियोगिता समूह चर्चा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता शपथ मुख्य रूप से शामिल रहीं।

सोलन की नौणी पंचायत में अनोखी जीत बहू बनी प्रधान, ससुर बने वार्ड सदस्य

अनंत ज्ञान

सोलन। विकास खंड सोलन की नौणी ग्राम पंचायत में इस बार पंचायत चुनावों में एक दिलचस्प और चर्चा का विषय बनने वाला परिणाम सामने आया है। पंचायत में बहू शिवानी ठाकुर ने प्रधान पद पर जीत हासिल की है, जबकि उनके ससुर बलदेव ठाकुर वार्ड सदस्य चुने गए हैं। इस जीत के बाद पूरे क्षेत्र में ठाकुर परिवार की चर्चा हो रही है। शिवानी ठाकुर की जीत को जहां युवाओं और महिलाओं के नेतृत्व के रूप में देखा जा रहा है, वहीं उनके ससुर बलदेव ठाकुर का लंबे राजनीतिक अनुभव भी पंचायत के लिए अहम माना जा रहा है। बलदेव ठाकुर इससे पहले एक बार जिला परिषद सदस्य रह चुके हैं और चार बार ग्राम पंचायत के प्रधान पद की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत को अनुभव और नई सोच का अच्छा मेल मिला है। लोगों को उम्मीद है कि शिवानी ठाकुर और बलदेव ठाकुर मिलकर पंचायत के विकास कार्यों को नई दिशा देंगे।

चुनाव परिणाम आने के बाद समर्थकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। पंचायत क्षेत्र में लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। वहीं शिवानी ठाकुर ने पंचायत की जनता का आभार जताते हुए कहा कि वह सभी को साथ लेकर पंचायत के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए कार्य करेंगी ।शिवानी ठाकुर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता पंचायत में सड़क, पानी, स्वच्छता और शिक्षा से जुड़े कार्यों को मजबूत करना होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य किए जाएंगे और किसी भी प्रकार की भेदभावपूर्ण नीति नहीं अपनाई जाएगी।

पंचायत में बहू बनी प्रधान, ससुर बने वार्ड सदस्य — अनंत ज्ञान

प्रदेश में अगले तीन दिन मौसम रहेगा परिवर्तनशील

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रदेश में आगामी दिनों के दौरान मौसम का मिजाज बदला-बदला रहेगा। मौसम विभाग ने प्रदेश के मध्य और निचले क्षेत्रों में अगले पांच दिनों तक मौसम परिवर्तनशील रहने की संभावना जताई है। वहीं मैदानी इलाकों में 28 मई तक कई स्थानों पर हीट वेव चलने की चेतावनी जारी की गई है।

डॉ. वाईएस परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के मौसम एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग की वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. पूर्णिमा मेहता ने बताया कि 28 और 29 मई को कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश, गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। बढ़ते तापमान और कम होती नमी को देखते हुए किसानों, बागवानों और पशुपालकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। टमाटर उत्पादकों को विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है, क्योंकि 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान लीफ कर्ल रोग के लिए अनुकूल माना जाता है। जिससे संक्रमण तेजी से फैल सकता है।

द्वितीय चरण के मतदान के लिए सभी तैयारियां पूर्ण

अनंत ज्ञान

सोलन। ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला में 28 मई, 2026 को द्वितीय चरण में होने वाले पंचायती राज संस्थानों के मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि मतदान का समय प्रात: 07.00 बजे से सांय 03.00 बजे तक निर्धारित किया गया है। मनमोहन शर्मा ने कहा कि 28 मई, 2026 को सोलन ज़िला की कुल 86 ग्राम पंचायतों में मतदान होगा। इन ग्राम पंचायतों में कुल 119744 मतदाता हैं। इनमें 61019 पुरुष तथा 58725 महिला मतदाता हैं।

उन्होंने कहा कि सोलन ज़िला में द्वितीय चरण के निर्वाचन के लिए कुल 524 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। ज़िला निर्वाचन अधिकारी (निर्वाचन) ने कहा कि विकास खण्ड धर्मपुर की 09 ग्राम पंचायतों में 11709 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। इनमें 5993 पुरुष तथा 5716 महिला मतदाता हैं। विकास खण्ड धर्मपुर में द्वितीय चरण के निर्वाचन में मतदाताओं के लिए कुल 57 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि विकास खण्ड कण्डाघाट की 10 ग्राम पंचायतों में 11028 मतदाता हैं। इनमें 5639 पुरुष तथा 5389 महिला मतदाता हैं। विकास खण्ड कण्डाघाट में मतदाताओं के लिए कुल 52 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खण्ड कुनिहार की 19 ग्राम पंचायतों में 24848 मतदाता हैं। इनमें 12582 पुरुष तथा 12266 महिला मतदाता हैं। विकास खण्ड कुनिहार के मतदाताओं के लिए कुल 107 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड नालागढ़ की 26 ग्राम पंचायतों में 41689 मतदाता हैं। इनमें 21407 पुरुष तथा 20282 महिला मतदाता हैं।उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। प्रशासन ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था भी की है।मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया गया है ताकि चुनाव निष्पक्ष रूप से संपन्न हों।

सोलन में होने वाले पंचायती राज संस्थानों के मतदान के लिए तैयारियां पूर्ण। — अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू का विद्यार्थियों से संवाद करना सराहनीय कदमः राजन शर्मा

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ के प्रांतीय मुख्य मीडिया सचिव राजन शर्मा ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह ने बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला नेरवा शिमला में बच्चों के साथ संवाद किया। बच्चों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया, यह अपने आप में बहुत अनुकरणीय और सराहनीय है उन्होंने बताया कि शिक्षा सचिव राकेश कंवर ने भी बच्चों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दिया बच्चों को अनको पहलुओं के बारे में जानकारी दी जो सराहनीय है, उन्होंने बताया ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों को हौसला मिलता है प्रेरणा मिलती है मुख्यमंत्री कर्मचारी वर्ग के तो हितेषी हैं ही आम जनमानस के हितैषी हैं।

हम्बोली गांव में पानी के टैंकर चालक से रास्ता रोककर मारपीट करने का आरोप

अनंत ज्ञान, अंब। पुलिस थाना अंब के तहत हम्बोली गांव में पानी के टैंकर चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अश्वनी कुमार निवासी दियाडा तहसील अंब जिला ऊना ने बताया कि वह 25 मई को दिन के समय पानी का टैंकर लेकर जा रहा था। आरोप है कि जब वह हम्बोली गांव के पास पहुंचा तो वहां साधू राम पुत्र कश्मीर सिंह, सन्नी पुत्र प्यारे चंद और लक्की पुत्र हरमेश निवासी गांव हम्बोली ने उसका रास्ता रोक लिया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसे चोटें आई हैं। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस थाना अंब में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है तथा सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई की जाएगी।

पशुपालन विभाग में निदेशक रहीं डॉ. प्रियदर्शिनी बनीं धंधड़ी की प्रधान

लगातार दूसरी बार हासिल की विजय, 2021 में पहली बार चुनी गई थीं पंचायत प्रधान

अनंत ज्ञान

जोल। हिमाचल प्रदेश पशुपालन विभाग की पहली महिला निदेशक रहीं डॉ. प्रियदर्शिनी एक बार फिर ग्राम पंचायत धंधड़ी की प्रधान चुनी गई हैं। 26 मई 2026 को हुए पंचायत चुनाव में क्षेत्र की जनता ने उनके पिछले कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों और जनसेवा को देखते हुए भारी मतों से उन्हें दोबारा विजय दिलाई।

डॉ. प्रियदर्शिनी अप्रैल, 2020 में हिमाचल प्रदेश पशुपालन विभाग के निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुई थीं। वे विभाग की पहली महिला निदेशक बनने का गौरव भी प्राप्त कर चुकी हैं। सेवानिवृत्ति के बाद वर्ष 2020 में पंचायतों के पुनर्गठन के दौरान धंधड़ी पंचायत अस्तित्व में आई। इसके बाद पंचायत के बुद्धिजीवियों और शिक्षित वर्ग ने उनसे प्रधान पद का चुनाव लड़ने का आग्रह किया।

ग्राम पंचायत धंधड़ी की जनता के आग्रह पर उन्होंने जनवरी 2021 में पंचायत चुनाव लड़ा और विजय प्राप्त कर ग्राम पंचायत धंधड़ी की प्रधान बनीं। प्रधान बनने के बाद उन्होंने अपना जीवन पूरी तरह जनसेवा को समर्पित कर दिया। वे प्रतिदिन सुबह से शाम तक पंचायत घर में उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनती रहीं और सरकारी योजनाओं एवं विकासात्मक नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य ईमानदारी और समर्पण के साथ करती रहीं।

पति डॉ. स्वदेश चौधरी भी प्रदेश पशुपालन विभाग से निदेशक पद से ही हुए हैं सेवानिवृत्त

उनके कार्यों और पंचायत में विकास की गति को देखते हुए पंचायतवासियों ने एक बार फिर उन्हें चुनाव मैदान में उतरने के लिए प्रेरित किया। जनता के लगातार आग्रह पर उन्होंने वर्ष 2026 का चुनाव भी लड़ा और भारी मतों से दोबारा प्रधान निर्वाचित हुईं। डॉ. प्रियदर्शिनी के पति डॉ. स्वदेश चौधरी भी हिमाचल प्रदेश पशुपालन विभाग में निदेशक पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। क्षेत्र में इस दंपति को ईमानदारी, प्रशासनिक अनुभव और समाजसेवा के लिए विशेष सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।

घनारी में 31 मई से 6 जून तक होगी श्रीमद्भागवत कथा

अनंत ज्ञान

घनारी। घनारी स्थित सिद्ध बाबा मोनी धाम में आयोजित होने जा रही श्रीमद्भागवत कथा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। धार्मिक आयोजन के तहत 31 मई से 6 जून तक प्रसिद्ध कथा वाचक देवकीनंदन दास जी महाराज के श्रीमुख से भक्तिमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा आयोजन का शुभारंभ 30 मई को शाम 4 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। इस दौरान गांव की मातृशक्ति पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर भक्ति भजनों और 'हरे कृष्ण' के जयकारों के साथ पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण में रंग देगी। आयोजकों के अनुसार कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगी, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, धर्म, भक्ति और सनातन संस्कृति का विस्तृत वर्णन किया जाएगा। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान और संस्कारों का संदेश मिलेगा।

सिद्ध बाबा मोनी धाम कमेटी एवं समस्त घनारी गांववासियों द्वारा आयोजित इस धार्मिक महायज्ञ को लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। कथा के समापन अवसर पर 6 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजकों का कहना है कि आज के भौतिकवादी और तनावपूर्ण जीवन में श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को शांति, सदाचार और ईश्वर भक्ति की राह दिखाती है। श्रद्धा भाव से कथा श्रवण करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और आध्यात्मिक जागृति का संचार होता है। समिति ने समस्त क्षेत्रवासियों से परिवार सहित कथा में पहुंचकर धर्म लाभ अर्जित करने और सनातन संस्कृति के इस पावन आयोजन का हिस्सा बनने का आग्रह किया है।

लगातार हार के बाद आखिर चमका 'शिबी' का सितारा

डुहल भंटवाला में रिकॉर्ड मत हासिल कर बने उपप्रधान

अनंत ज्ञान

चिंतपूर्णी। कहते हैं कि लोकतंत्र में जनता देर से सही, लेकिन सच्ची निष्ठा और सेवा का सम्मान जरूर करती है। इसका जीवंत उदाहरण चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत डुहल भंटवाला में देखने को मिला, जहां उपप्रधान पद के चुनाव में संजीव कुमार उर्फ 'शिबी' ने ऐतिहासिक और एकतरफा जीत दर्ज कर पूरे क्षेत्र का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। पंचायत राजनीति में लंबे समय से सक्रिय संजीव कुमार के लिए यह जीत केवल एक चुनावी सफलता नहीं, बल्कि वर्षों के धैर्य, संघर्ष और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने का परिणाम मानी जा रही है। खास बात यह रही कि इससे पहले वह लगातार दो चुनाव बेहद मामूली अंतर से हार चुके थे। एक बार प्रधान पद और दूसरी बार उपप्रधान पद का चुनाव हारने के बावजूद उन्होंने कभी मैदान नहीं छोड़ा और लगातार लोगों के बीच बने रहे।

इस बार राजनीतिक जानकार इस सीट पर कांटे की टक्कर की संभावना जता रहे थे, लेकिन मतगणना पूरी होते-होते तस्वीर पूरी तरह बदल गई। संजीव कुमार ने 505 वोट हासिल कर अपने प्रतिद्वंद्वियों को भारी अंतर से पीछे छोड़ दिया। उनके मुकाबले में आशीष को 176 वोट मिले, जबकि विक्रमजीत 53, सचिन 50 और अरविंद मात्र 31 वोट ही प्राप्त कर सके। इसके अलावा 32 मत रद्द घोषित किए गए। नतीजे सामने आते ही पंचायत में समर्थकों ने खुशी का इजहार किया और इसे जनता का भरोसा बताया। ग्रामीणों का कहना है कि संजीव कुमार ने हार के बाद भी कभी लोगों से दूरी नहीं बनाई। सामाजिक कार्यों और जनसंपर्क के माध्यम से वह लगातार पंचायत के लोगों के सुख-दुख में शामिल होते रहे, जिसका परिणाम अब भारी जनसमर्थन के रूप में सामने आया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह जीत आने वाले समय में पंचायत की राजनीति में नए समीकरण भी तय करेगी। वहीं संजीव कुमार की इस रिकॉर्ड जीत ने यह संदेश भी दिया है कि निरंतर मेहनत, धैर्य और जनता के प्रति समर्पण आखिरकार रंग जरूर लाता है।

गोंदपुर बनेहड़ा (लोअर) में सुषमा कुमारी बनीं प्रधान

अनंत ज्ञान

गोंदपुर बनेहड़ा। पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के पहले चरण के तहत गोंदपुर बनेहड़ा (लोअर) पंचायत में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान और मतगणना प्रक्रिया संपन्न हुई। पंचायत में कुल 1609 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 1265 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर अगले पांच वर्षों के लिए पंचायत की नई टीम का चयन किया। पंचायत में कुल मतदान प्रतिशत 78.8 दर्ज किया गया। प्रधान पद के लिए पांच उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। कड़े मुकाबले के बीच सुषमा कुमारी ने 498 मत हासिल कर प्रधान पद पर जीत दर्ज की। वहीं उप-प्रधान पद के लिए नौ प्रत्याशी मैदान में उतरे थे, जिसमें जसवीर सिंह ने 300 वोट प्राप्त कर जीत अपने नाम की। इसके अलावा वार्ड सदस्य पदों के लिए भी विभिन्न वार्डों में चुनाव हुए। वार्ड नंबर एक से रेणु बाला 102 वोट लेकर विजयी रहीं, जबकि वार्ड नंबर दो से विक्रमजीत अत्रि ने 61 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। वार्ड नंबर तीन से रीता रानी 83 वोटों के साथ निर्वाचित हुईं। वार्ड नंबर चार से ललिता सर्वसम्मति से चुनी गईं। इसी प्रकार वार्ड नंबर पांच से नीलम बाला 113 वोटों के साथ विजयी रहीं, वार्ड नंबर छह से अरविंद कुमार ने 174 मत प्राप्त किए, जबकि वार्ड नंबर सात से गुरप्रीत कौर 92 वोट लेकर विजयी घोषित की गईं। पूर्व पंचायत सदस्य एडवोकेट राजकुमारी ने पंचायत के सभी नव-निर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि नई पंचायत गांव के विकास, बुनियादी सुविधाओं और जनकल्याण के कार्यों को नई दिशा देने का कार्य करेगी।

◆ जसवीर सिंह बने उपप्रधान

विधायक बबलू के गृह क्षेत्र पंजोआ लड़ोली में दिलचस्प रहा मुकाबला

शशि बनीं प्रधान और अनिल तखी उपप्रधान

अनंत ज्ञान

अंब। उपमंडल अंब के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पंजोआ लड़ोली में संपन्न हुए पंचायत चुनाव इस बार पूरे क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बने रहे। चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदर्शन सिंह बबलू का गृह क्षेत्र होने के कारण पंचायत चुनावों पर राजनीतिक नजरें टिकी हुई थीं। प्रधान, उपप्रधान और वार्ड पंच पदों पर कई स्थानों पर कांटे की टक्कर देखने को मिली।

प्रधान पद पर सबसे रोचक मुकाबला देखने को मिला, जहां सेवानिवृत्त प्राचार्य शशि कुमारी ने पहली बार चुनावी मैदान में उतरते हुए शानदार जीत दर्ज की। प्रधान पद के लिए कुल 1715 मत पड़े, जिनमें 28 मत रद्द घोषित हुए। शशि कुमारी ने 551 मत प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 45 मतों के अंतर से हराकर पंचायत की कमान अपने हाथ में ली। वहीं उपप्रधान पद का मुकाबला भी बेहद चर्चित रहा। अनिल तखी ने पूर्व प्रधान बलविंदर बिल्ला को करारी शिकस्त देते हुए 899 मत हासिल किए। उपप्रधान पद के लिए कुल 1715 मत पड़े, जिनमें 48 मत रद्द घोषित किए गए। अनिल तखी ने 424 मतों के बड़े अंतर से जीत दर्ज कर अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ साबित की।

वार्ड स्तर पर भी कई दिलचस्प मुकाबले देखने को मिले। वार्ड नंबर-1 से वीना कुमारी ने 146 मत लेकर 66 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। इस वार्ड में कुल 272 मत पड़े, जिनमें दो मत रद्द हुए। वार्ड नंबर-2 से अनुराधा ने 87 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि यहां कुल 220 मत पड़े और दो मत रद्द घोषित किए गए। वार्ड नंबर-3 में ओम प्रकाश ने 131 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। इस वार्ड में कुल 277 मत पड़े, जिनमें 17 मत रद्द हुए तथा नोटा को भी 6 मत मिले। वार्ड नंबर-5 से अनु कुमारी ने 83 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। यहां कुल 169 मत पड़े और 4 मत रद्द हुए। वार्ड नंबर-6 से रेखा कुमारी ने 153 मत लेकर विजय हासिल की, जबकि वार्ड नंबर-7 में अरुण ठाकुर ने 121 मत प्राप्त कर जीत अपने नाम की। इस वार्ड में कुल 273 मत पड़े, जिनमें 4 मत रद्द हुए।

प्रधान चुने जाने के बाद शशि कुमारी ने पंचायतवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पंचायत के समग्र विकास, पारदर्शिता और जनसेवा को प्राथमिकता देंगी। जीत के बाद उनके निवास स्थान पर समर्थकों और शुभचिंतकों का तांता लगा रहा। बाद में उन्होंने अपने परिवार और समर्थकों के साथ हनुमान मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं, विधायक सुदर्शन सिंह बबलू ने नवनिर्वाचित प्रधान शशि कुमारी, उपप्रधान अनिल तखी तथा सभी विजयी वार्ड पंचों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

सीनियर सिटीजन डे-केयर सेंटर में निशुल्क जांच शिविर लगाया

अनंत ज्ञान

बिलासपुर। मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिक डे-केयर सेंटर में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 19 बुजुर्गों और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सक डॉण् जितेंद्र कुमार ने सभी उपस्थित नागरिकों की रक्तचाप और ब्लड शुगर की गहन जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया।

इस पुनीत कार्य पर मानव सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन एवं संस्थापक एडवोकेट प्रकाश चंद बंसल ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि एक संकल्प है। इस कार्यक्रम में केंद्र के प्रबंधक रवि कुमार, स्टाफ नर्स शैलजा कुमारी और अन्य सभी उपस्थित जनों ने मानव सेवा ट्रस्ट के इस निरंतर प्रयास को लेकर आभार व्यक्त किया।

अग्निवीर भर्ती में बिलासपुर कॉलेज के 12 कैडेट्स चयनित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के एनसीसी आर्मी विंग के 12 कैडेट्स का वर्ष 2026 की अग्निवीर भर्ती में चयन हुआ है। चयनित कैडेट्स ने भारतीय सेना की विभिन्न शाखाओं में स्थान हासिल कर महाविद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चयनित कैडेट्स में पियूष चंदेल, मोहित कुमार, प्रीति कुमार, आश्विन चंदेल, अरुण शर्मा, तनुश हीरा, नितिन कुमार, अभिनव ठाकुर, प्रशांत कुमार, पंकज तथा अक्षय कुमार शामिल हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने सभी चयनित कैडेट्स को बधाई देते हुए इसे महाविद्यालय और एनसीसी के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

बिलासपुर कॉलेज में बीसीए कोर्स के लिए ऑनलाइन प्रवेश शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में तीन वर्षीय बीसीए डिग्री कोर्स के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक विद्यार्थी महाविद्यालय की वेबसाइट www.gcbilaspur.in पर आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए 10+2 पास होना अनिवार्य है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने बताया कि बीसीए कोर्स वर्ष 2006 से संचालित किया जा रहा है और विभाग के विद्यार्थी आईटी सेक्टर में विभिन्न पदों पर सेवाएं दे रहे हैं। इस वर्ष प्रवेश नई शिक्षा नीति 2020 के तहत किए जाएंगे तथा रोजगार और मार्केट की जरूरतों के अनुसार सिलेबस में बदलाव किए गए हैं। उन्होंने बताया कि ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण तथा सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक सीट आरक्षित है। बीसीए विभाग के को-ऑर्डिनेटर प्रो. अश्वनी ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक आर्टिफिशल इंटेलीजेंस लैब भी स्थापित की गई है, जिससे उन्हें आधुनिक तकनीकों और ए आई के व्यावहारिक ज्ञान का लाभ मिलेगा। प्रवेश की अंतिम तिथि 30 मई निर्धारित की गई है।

जिला बिलासपुर में 62 पंचायतों में दूसरे चरण का मतदान आजः राहुल कुमार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में पंचायतीराज संस्थाओं के सामान्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत प्रथम चरण का मतदान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। प्रथम चरण के तहत 26 मई को 62 पंचायतों में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अब द्वितीय चरण का मतदान 28 मई को जिला की 62 पंचायतों में आयोजित किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि दूसरे चरण के निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, विद्युत, परिवहन तथा संचार व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। सभी मतदान दलों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में विकास खंड झंडूता की मलराओं, कुलज्यार जेजवी, कलोल, कोसरियां, बल्हसीणा, बरठीं, जांगला डमली, सुन्हाणी, हीरापुर नखलेहड़ा, दाड़ी भाड़ी, रोहल, मलांगन तथा गालियां पंचायतों में मतदान होगा। विकास खंड घुमारवीं की औहर अवारी खलीण, रोहिण, ननांवा, हरलोग, कुठेड़ा, सडयार, करलोटी, मरहाणा, पंतेहड़ा, बम्म, लजता हम्बोट, गाहर, डंगार, पडयालग, कसारू, दकड़ी, दाबला, लद्दा तथा हरीतल्यांगर पंचायतों में मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाई जाएगी। विकास खंड सदर की रघुनाथपुरा, चांदपुर, कुड्डी, हरनोडा, पंजगाई, द्रोबड़, बिनौला, जुखाला, राजपुरा, कचौली, कोटला, सुई सुराहड़, मलोखर, रानीकोटला, सिहड़ा, पंजैलखुर्द तथा नम्होल पंचायतों में भी मतदान होगा। वहीं विकास खंड श्री नयना देवी जी की टेहला, स्वाहण टरवाड़, घांडल, कोटखास, भाखड़ा, घरोट, बस्सी तथा मजारी पंचायतों में द्वितीय चरण के अंतर्गत मतदान करवाया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि द्वितीय चरण में कुल 1 लाख 8 हजार 369 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 54 हजार 402 पुरुष तथा 53 हजार 967 महिला मतदाता शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इस चरण के लिए जिला में कुल 386 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें 271 सामान्य मतदान केंद्र, 77 संवेदनशील तथा 38 अतिसंवेदनशील मतदान केंद्र चिन्हित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 62 पंचायतों के लिए 31 मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें 14 संवेदनशील तथा 17 अतिसंवेदनशील मतगणना केंद्र शामिल हैं।

कहीं 2 वोटों ने पलटी बाजी, तो कहीं युवा लहर का चला जादू

अनंत ज्ञान, अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। बिलासपुर जिले की बैरीमियां पंचायत में इस बार प्रधान पद का मुकाबला जिले का सबसे रोमांचक चुनाव बन गया। यहां जीत-हार का फैसला आखिरी दौर तक अटका रहा और अंत में अंजना कुमारी ने मात्र 2 वोटों के बेहद मामूली अंतर से जीत दर्ज कर प्रधान पद पर कब्जा जमाया। अंजना कुमारी को कुल 277 वोट मिले, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंदी मधू चंदेल 275 वोट लेकर बेहद करीबी मुकाबले में हार गईं। पंचायत में पूरे दिन गहमागहमी का माहौल बना रहा और परिणाम घोषित होते ही समर्थकों के बीच उत्साह और मायूसी दोनों देखने को मिली।

◆ बैरीमियां में सांसें रोक देने वाला मुकाबला

◆ धार टटोह में अभिषेक की रिकॉर्ड जीत

वहीं, दूसरी ओर धार टटोह पंचायत में युवा चेहरे अभिषेक कुमार ने शानदार जीत दर्ज कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मात्र 29 वर्षीय अभिषेक ने चुनावी रण में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 930 वोट हासिल किए और अपने प्रतिद्वंद्वियों को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया। उनके मुकाबले दलेल सिंह को 291 और अमर नाथ को 236 वोट ही मिल सके। अभिषेक की इस बड़ी जीत को पंचायत में युवा नेतृत्व के प्रति बढ़ते भरोसे के रूप में देखा जा रहा है। इधर घ्याल पंचायत में मीना देवी ने 960 वोट हासिल कर एकतरफा जीत दर्ज की, जबकि मोरसिंघी पंचायत में सीमा देवी ने 873 वोट लेकर प्रधान पद अपने नाम किया। जिले के पंचायत चुनावों ने इस बार कई दिलचस्प तस्वीरें पेश कीं।

बकरीद पर एम्स बिलासपुर में ओपीडी रहेगी बंदः डॉ. राकेश

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर में 28 मई वीरवार को ईद-उल-जुहा (बकरीद) के अवसर पर अवकाश रहेगा। इस संबंध में कुलसचिव एवं सहायक जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि संस्थान की सभी ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। हालांकि, संस्थान में आपातकालीन सेवाएं पूर्ववत नियमित रूप से संचालित होती रहेंगी, ताकि गंभीर एवं आपात स्थिति वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निहान पंचायत में मतदाता सूची से नाम गायब, ग्रामीणों ने उठाए सवाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। निहान पंचायत के ग्रामीणों ने पंचायत चुनावों की मतदाता सूची में कई लोगों के नाम शामिल न होने पर चिंता जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से मतदान करते आ रहे कई स्थायी निवासियों के नाम इस बार पंचायत स्तर पर उपलब्ध मतदाता सूची में दर्ज नहीं हैं। ग्रामीण निवासी लियाकत अली ने बताया कि वह और उनका परिवार लंबे समय से नियमित रूप से मतदान करते आ रहे हैं, लेकिन इस बार पंचायत की अंतिम सूची में उनका नाम शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन मतदाता सूची में नाम दिखाई दे रहा है, जबकि पंचायत स्तर की सूची में नाम न होने से मतदान को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

इसी प्रकार हाजरा बीबी सहित पंचायत के अन्य कई लोगों के नाम भी सूची से गायब बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 25 मतदाताओं में से केवल चार लोगों के नाम ही सूची में दर्ज हैं, जबकि बाकी लोग पूर्व में लगातार मतदान करते रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि जिन लोगों के नाम सूची में नहीं हैं, उनमें बालकिश, अनीश मोहम्मद, राबिया, जावेद, दीन मोहम्मद, मीना, शमी मोहम्मद, सलमा बीबी, इंतजार मोहम्मद, मीरा और यूनुस मोहम्मद सहित करीब 20 मतदाता शामिल हैं।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, निर्वाचन विभाग और झंडूता विकास खंड प्रशासन से मामले की शीघ्र जांच कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने पात्र मतदाताओं के नाम नियमानुसार बहाल करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी नागरिक को उसके संवैधानिक मतदान अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक वोट महत्वपूर्ण होता है और ऐसे मामलों पर प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

भाजपा का मूल मंत्र 'सबका साथ सबका विकास': जीतराम कटवाल

अनंत ज्ञान, झंडूता। झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि भाजपा की राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है। भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के साथ समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए काम करने वाला राजनीतिक दल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ना और पूरे विश्व में नई पहचान बनाना इसका प्रमाण है। चुनाव चाहे कोई भी हो, भाजपा इसी विचारधारा से काम करने वाले ईमानदार और कर्मठ उम्मीदवारों को मैदान में उतारती है। वर्तमान में ऐसे ही जनप्रतिनिधि चुनने की जरूरत है, जो क्षेत्र की आवाज को मजबूती से उठाने के साथ विकास कार्यों को भी गति दे सकें।

◆ झंडूता के जांगला वार्ड में किया प्रचार, विकास और विकसित भारत के संकल्प पर जोर

बुधवार को जीतराम कटवाल ने जिला परिषद के जांगला वार्ड में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा समर्थित प्रत्याशी अनूप महाजन के समर्थन में लोगों से वोट एंड स्पोर्ट की अपील की। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे जांगला वार्ड के विकास, उज्ज्वल भविष्य और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने के लिए अनूप महाजन का साथ देकर विकास और राष्ट्रहित की विचारधारा को विजयी बनाएं।

अब गांव की सरकार तय करेगी नारी शक्ति

बिलासपुर पंचायत चुनावों में महिलाओं की रिकॉर्ड भागीदारी ने बदले ग्रामीण राजनीति के समीकरण

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में संपन्न हुए पंचायतीराज संस्थाओं के प्रथम चरण के चुनावों ने इस बार केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत नहीं किया, बल्कि ग्रामीण समाज में महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक चेतना और निर्णायक हस्तक्षेप की एक नई तस्वीर भी सामने रख दी है। महिला मतदाताओं की रिकॉर्ड भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गांवों की राजनीति अब केवल पुरुषों के इर्द-गिर्द सीमित नहीं रही, बल्कि नारी शक्ति अब राजनीतिक फैसलों की दिशा तय करने वाली सबसे प्रभावशाली ताकत बनती जा रही है।

महिला मतदाताओं की 81 प्रतिशत से अधिक भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण महिलाओं ने अब राजनीति को केवल पुरुषों का क्षेत्र मानना छोड़ दिया है। पंचायत चुनावों में महिलाओं की लंबी कतारें, समूहों में मतदान के लिए पहुंचती ग्रामीण महिलाएं, युवा वोटरों का उत्साह और बुजुर्ग महिलाओं की सक्रियता इस सामाजिक बदलाव की सबसे बड़ी तस्वीर बनकर सामने आई है। वर्षों पहले जहां महिलाएं परिवार के पुरुष सदस्यों के निर्णय के अनुसार मतदान करती थीं, वहीं अब वे अपने मुद्दों, जरूरतों और गांव के विकास की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर मतदान कर रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बदलाव के पीछे कई सामाजिक और प्रशासनिक कारण हैं। पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण मिलने से ग्रामीण महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों, शिक्षा के विस्तार और सरकारी योजनाओं ने महिलाओं को सामाजिक रूप से अधिक जागरूक बनाया है। अब महिलाएं सड़क, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और नशे जैसे मुद्दों को सीधे राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बना रही हैं। यही कारण है कि पंचायत चुनावों में महिला मतदाता अब 'साइलेंट वोटर' नहीं बल्कि 'डिसाइडिंग वोटर' की भूमिका में दिखाई दे रही हैं।

राजनीतिक दृष्टि से यह बदलाव आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए भी बड़ा संकेत माना जा रहा है। राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए अब महिला वोट बैंक को केवल औपचारिक सम्मान देकर संतुष्ट करना आसान नहीं होगा। उन्हें महिलाओं की वास्तविक समस्याओं, सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाओं और सामाजिक सम्मान से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से काम करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी आने वाले समय में नेतृत्व के नए चेहरे भी सामने ला सकती है।

दिलचस्प बात यह भी रही कि कई मतदान केंद्रों पर महिलाओं की उपस्थिति पुरुषों से काफी अधिक रही। श्री नयना देवी जी विकास खंड जैसे क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत ने यह साबित किया कि महिलाएं अब लोकतंत्र को केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में भी देख रही हैं। यह बदलाव केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों की सामाजिक संरचना और सत्ता संतुलन में भी परिवर्तन का संकेत दे रहा है।

बिलासपुर की ग्रामीण राजनीति में उभर रही यह नारी चेतना आने वाले समय में पंचायतों की कार्यप्रणाली, विकास की प्राथमिकताओं और राजनीतिक नेतृत्व के स्वरूप को बदल सकती है।

चंबा जिले की 116 पंचायतों में आज होगा दूसरे चरण का मतदान, तैयारियां पूरी

जिला निर्वाचन अधिकारी बोले : जनजातीय उपमंडल भरमौर व पांगी में पूर्ण होगी निर्वाचन प्रक्रिया

अनंत ज्ञान

◆ लोकतंत्र को सशक्त बनाने में सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान

चंबा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) मुकेश रेपसवाल ने बताया कि पंचायती राज सामान्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत 28 मई को द्वितीय चरण के अंतर्गत जिले के 116 ग्राम पंचायतों में मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी। मुकेश रेपसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि दूसरे चरण के अंतर्गत विकास खंड चंबा की 16, भरमौर की 15, तीसा की 18, मैहला की 18, पांगी की 9, सलूणी की 16 और भटियात की 24 पंचायतें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण के अंतर्गत जनजातीय उपमंडल भरमौर तथा पांगी में निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होगी। इसके अतिरिक्त जिले के पांच विकास खंडों चंबा, मैहला, तीसा, सलूणी एवं भटियात में तीसरे चरण के तहत 30 मई को मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी। उपायुक्त ने समस्त मतदाताओं से आगामी चरणों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है ।

इन पंचायतों में आज होगा मतदान

विकास खंड चंबा
प्रौथा, हरिपुर, द्रमण, झुलाड़ा, प्राहनवी, पल्यूर, घघरौता, बरौर, द्रड्डा, चीलबंगला, सरू, औड़ा, हमल, चंडी, भड़ोह व कियाणी

विकास खंड भरमौर
प्रंघाला, चोबिया, खणी, संचुई, भरमौर, चन्हौता, ग्रीमा, बजोल, दियोल, कुठेहड़, लामू, रूणुकोठी, औरा, सियूर व गरोला

विकास खंड तीसा
देहग्रां, तीसा-1, चरड़ा, भराड़ा, चरोड़ी, भलोड़ी, झज्जाकोठी, हरतवास, बोंदेड़ी, सत्यास, देवीकोठी, बैरागढ़, बिहाली, सन्तेवा चिल्ली, बघेईगढ़, भावला, कोहाल व थल्ली

विकास खंड मैहला
गुवाड़, उटीप, वाट, रजेरा, बैली, बख्तपुर, कोलका, जटकरी, चड़ी, डुलाड़ा, धिमला, तागी, गैहरा, छतराड़ी, खुन्देल, प्रीणा, कलमला व बन्दला

विकास खंड पांगी
धरवास, लुज, हुडान भटोरी, किलाड़, फिंडरू, कुमार, मिंधल, शूण व पुर्थी

विकास खंड सलूणी
हिमगिरी, डियूर, पिछला-डियूर, सियुला, पुखरी, गवालू, दिघाई, बाड़का, सेरी, ब्याणा, ओहरा, सनूह, सलूणी, भान्दल, बांगल व भुनाड़

विकास खंड भटियात
बलाना, थुलेल, मोतला, रजैं, गरनोटा, जसूर, रायपुर, मोरठू, खनोड़ा, जन्द्रोग, जतरुण, कथेट, खडेडा, होबार, गडाना, तुनुहट्टी, ढलोग, नैनीखड्ड, मोरनू, समलेउ, टप्पर, मनोला, बाथरी व मलूड़ा ग्राम पंचायतों में वोट डाले जाएंगे।

चंबा में तंबाकू बचने पर बड़ी कार्रवाई, कई दुकानदारों के चालान

नशा विरोधी अभियान के तहत दुकानों में तंबाकू उत्पाद बेचने पर कार्रवाई करते स्वास्थ्य विभाग की टीम। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। चंबा बाजार में प्रदेश सरकार के नशा विरोधी अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने तंबाकू उत्पादों की बिक्री और प्रचार-प्रसार पर सख्त रुख अपनाते हुए विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग, खाद्य सुरक्षा एवं मानक विभाग तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मिलकर कई दुकानों की जांच की और नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के चालान किए।

निरीक्षण के दौरान टीम ने बिना पंजीकरण तंबाकू उत्पाद बेचने, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान कराने, खुले में सिगरेट की बिक्री करने और अनिवार्य चेतावनी बोर्ड न लगाने जैसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की। कई दुकानों से पान मसाला और अन्य तंबाकू उत्पादों के सैंपल भी जांच के लिए लिए गए, ताकि उनकी गुणवत्ता और नियमों के अनुपालन की जांच की जा सके। जांच में कुछ दुकानों पर खाद्य पंजीकरण और लाइसेंस से संबंधित कमियां भी पाई गईं, जिन पर नियमानुसार नोटिस जारी किए गए हैं। इस अभियान को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जालम भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी स्थिति में तंबाकू उत्पाद न बेचे जाएं। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। अधिकारियों ने यह भी बताया कि तंबाकू के अप्रत्यक्ष विज्ञापन और खुले में बिक्री के मामलों को गंभीरता से लिया जा रहा है। युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए तंबाकू नियंत्रण अधिनियम के तहत लगातार अभियान चलाए जाएंगे। इस कार्रवाई में जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. करन हितेषी, सहायक आयुक्त दीपक आनंद, ड्रग इंस्पेक्टर लवली ठाकुर और एएसआई नरिंदर कुमार भी शामिल रहे।

चंबी पंचायत चुनाव पर उठे सवाल जांच की मांग से गरमाया माहौल

अनंत ज्ञान

◆ प्रत्याशी मीर हमजा और उनके समर्थकों ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो, चंबा। विकास खंड चंबा में पंचायत चंबी में उपप्रधान पद के चुनाव को लेकर क्षेत्र में विवाद की स्थिति बन गई है। चुनाव प्रक्रिया को लेकर लगाए गए विभिन्न आरोपों के बाद मामला अब प्रशासन तक पहुंच गया है।

उपप्रधान पद के प्रत्याशी मीर हमजा और उनके समर्थकों ने बुधवार को उपायुक्त मुकेश रेपस्वाल को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि 26 मई को मतदान समाप्त होने के बाद अभौर पोलिंग बूथ को करीब तीन घंटे तक बंद रखा गया तथा इस दौरान आम लोगों को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर कई सवाल खड़े हुए हैं।

मीर हमजा ने आरोप लगाया कि विजयी घोषित प्रत्याशी विवेक कुमार के परिजन भारत भूषण की उसी पोलिंग बूथ पर सुरक्षा कर्मी के रूप में तैनाती की गई थी, जिसे लेकर निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान उनकी ओर से उठाई गई आपत्तियों और कैंसिल वोटों की दोबारा जांच की मांग पर उचित ध्यान नहीं दिया गया। ज्ञापन में कुछ मतपत्रों को कथित रूप से अतिरिक्त मोहर लगाकर निरस्त किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। साथ ही शिकायतकर्ताओं ने दावा किया कि कुछ चुनाव अधिकारियों की गतिविधियों को लेकर भी संदेह व्यक्त किया गया है, जिसकी जांच की मांग प्रशासन से की गई है। इसके अलावा मतपेटी में कथित रूप से 'प्लेन बैलेट पेपर' पाए जाने का मुद्दा भी ज्ञापन में उठाया गया है। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि संबंधित मतपेटियों को सुरक्षित रखकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए तथा यदि किसी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। मीर हमजा और उनके समर्थकों ने कहा कि उन्हें प्रशासनिक जांच प्रक्रिया पर भरोसा है, लेकिन यदि समय रहते निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो वे न्यायालय का रुख भी कर सकते हैं। वहीं उपायुक्त मुकेश रेपस्वाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात कही है। प्रशासनिक स्तर पर जांच शुरू होने के बाद अब पूरे मामले पर क्षेत्रवासियों की नजरें टिकी हुई हैं।

भाजपा में 'बाहरी चेहरों' की बढ़ती एंट्री पर उठे बड़े सवाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। देश की राजनीति में इन दिनों विचारधारा से अधिक 'विजयी चेहरों' की भूमिका को लेकर नई बहस तेज हो गई है। भाजपा में लगातार ऐसे नेताओं की एंट्री बढ़ रही है, जो पहले कांग्रेस या अन्य दलों में रहकर पार्टी की आलोचना करते थे। इस प्रवृत्ति ने राजनीतिक गलियारों में यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अब संगठनात्मक निष्ठा से ज्यादा चुनावी क्षमता को प्राथमिकता दी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषक शिशु गुप्ता का मानना है कि केवल यह सवाल नहीं है कि नेता भाजपा में क्यों शामिल हो रहे हैं, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि पार्टी उन्हें तुरंत टिकट, पद और चुनावी जिम्मेदारी क्यों दे रही है। इससे लंबे समय से संगठन में काम कर रहे कार्यकर्ताओं में असंतोष की भावना भी देखने को मिल रही है। भाजपा, जो लंबे समय तक एक वैचारिक संगठन के रूप में पहचानी जाती रही है, अब एक मजबूत चुनावी मशीनरी के रूप में उभर चुकी है। ऐसे में स्थानीय प्रभाव, जातीय समीकरण और व्यक्तिगत वोट बैंक रखने वाले नेताओं को प्राथमिकता मिलना रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। दूसरी ओर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की कमजोर होती स्थिति, आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व संकट ने भी इस राजनीतिक प्रवाह को तेज किया है, जिसके चलते कई प्रभावशाली नेता नए राजनीतिक ठिकानों की ओर रुख कर रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यदि पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा बढ़ती रही, तो संगठनात्मक असंतोष पार्टी की आंतरिक मजबूती को प्रभावित कर सकता है। आने वाले समय में सबसे बड़ी चुनौती चुनावी सफलता और वैचारिक संतुलन के बीच सामंजस्य बनाए रखने की होगी।

वीर सावरकर की जीवनी पर निबंध प्रतियोगिता में जिनिषा ने मारी बाजी

स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की जीवनी पर आधारित निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता किए सम्मानित।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम 'माई भारत केंद्र' द्वारा बीपीएस चंबा स्कूल में स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की जीवनी पर आधारित निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को देशभक्ति, राष्ट्र सेवा और महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों से प्रेरित करना रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य वृज लाल ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर जैसे महान क्रांतिकारियों का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है तथा उनके विचार राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी लेखन प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जिनिषा ने प्रथम, पूर्वी रावत ने द्वितीय स्थान व मिष्टी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन एवं आयोजकों ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की रचनात्मक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों के आयोजन की बात कही

एयू एसएफबी ने मनाया मदर्स-डे, हजारों लोग जुड़े

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी), भारत का सबसे बड़ा स्मॉल फाइनेंस बैंक और एक दशक से अधिक समय में पहला संस्थान जिसे भारतीय रिजर्व बैंक से यूनिवर्सल बैंक में परिवर्तन के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिली है, ने मदर्स डे को देशव्यापी सामुदायिक जुड़ाव की अपनी सबसे बड़ी पहलों में से एक के माध्यम से मनाया। बैंक ने 8 से 14 मई 2026 के बीच पूरे भारत में 500+ हाइपरलोकल गतिविधियां आयोजित कीं। इस अभियान में 40,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें अधिकांश महिलाएं थीं।

इन गतिविधियों ने समुदायों को इंटरैक्टिव अनुभवों, सराहना-आधारित जुड़ाव, सार्थक वार्तालापों और कृतज्ञता व साथ के साझा पलों के माध्यम से एक साथ जोड़ा। महिलाओं और माताओं को सार्थक पड़ोस-आधारित संवादों के माध्यम से जोड़ने और मनाने के लिए डिजाइन की गई इस पहल को आवासीय समुदायों, आरडब्ल्यूए, कॉर्पोरेट पार्कों, ग्राहक टचपॉइंट्स और स्थानीय जुड़ाव केंद्रों में 30 से अधिक शहरों में आयोजित किया गया। 500+ एयू एसएफबी शाखाओं ने इस पहल में भाग लिया और दिल्ली एनसीआर, चंडीगढ़, लखनऊ, जयपुर, उदयपुर, अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, पुणे, इंदौर, भोपाल, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोच्चि, कोयंबटूर, कोलकाता, भुवनेश्वर, गुवाहाटी और अन्य कई बाज़ारों में स्थानीय गतिविधियां संचालित कीं।

विशेषज्ञ बोले-इबोला को लेकर सतर्कता जरूरी

अनंत ज्ञान, गुरनाम सागर, चंडीगढ़। पंचकूला स्थित पार्क अस्पताल के इंटरनल मेडिसिन विभाग के डायरेक्टर डॉ. राजेश गेरा ने इबोला वायरस के बढ़ते वैश्विक मामलों को देखते हुए सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे घनी आबादी वाले देश में अंतरराष्ट्रीय यात्रा अधिक होने के कारण किसी भी संक्रामक बीमारी के फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

डॉ. गेरा के अनुसार, कोविड-19 के बाद स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है, लेकिन इबोला अपनी उच्च मृत्यु दर और तेजी से गंभीर होने वाले लक्षणों के कारण अलग चुनौती पेश करता है। उन्होंने हवाई अड्डों पर प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों की सख्त थर्मल स्क्रीनिंग और निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि बुखार, कमजोरी, शरीर दर्द, उल्टी, दस्त और अचानक हालत बिगड़ना इसके शुरुआती संकेत हो सकते हैं, जिन्हें तुरंत पहचानना जरूरी है। विशेषज्ञ ने कहा कि केवल बड़े अस्पतालों ही नहीं, बल्कि सामुदायिक स्तर पर जागरूकता, त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था, क्वारंटाइन प्रणाली और मजबूत स्वास्थ्य संचार भी आवश्यक हैं। उन्होंने जोर दिया कि सतर्कता जरूरी है, लेकिन घबराने की आवश्यकता नहीं है।

जींद-सोनीपत रूट पर चलेगी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। रेलवे बोर्ड ने भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन को मंजूरी दे दी है। यह 10 कोच वाली डेमू ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी रेलवे मंत्रालय ने उत्तरी रेलवे क्षेत्र के तहत इस ट्रेन को मंजूरी दी है। ट्रेन की अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। यह हाइड्रोजन ईंधन सेल का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करेगी और इसका कुल बिजली उत्पादन 1,200 किलोवाट होगा। ट्रेन वितरित पावर रोलिंग स्टॉक (ष्ठक्रस्) तकनीक पर काम करेगी।

रेल अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय की मंजूरी रिसर्च डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) की तकनीकी स्वीकृति के बाद मिली। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीसीआरएस) ने भी पिछले दिनों जींद जंक्शन पहुंच कर सुरक्षा परीक्षण किया था।

अधिकारियों ने बताया कि मंजूरी का मतलब तुरंत संचालन शुरू होना नही है। कई अनुपालन प्रक्रियाएं और सत्यापन चरण अभी पूरे होने बाकी हैं। उत्तरी रेलवे के महाप्रबंधक को सभी अनुपालन रिपोर्ट जमा करनी होंगी। ये रिपोर्ट आरडीएसओए सीसीआरएस और पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) जैसे अन्य वैधानिक प्राधिकरणों से संबंधित होंगी। भारतीय रेलवे द्वारा देश की पहली हाइड्रोजन डेमो ट्रेन को आधिकारिक मंजूरी दिए जाने के बाद बुधवार को जिला जींद में उत्सव और खुशी का माहौल रहा। जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह अत्याधुनिक ट्रेन न केवल देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

आर्थिक मोर्चे पर भाजपा सरकार फेल: हरपाल चीमा

अनंत ज्ञान, गुरनाम सागर, चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने केंद्र की भाजपा सरकार पर देश की आर्थिक स्थिति कमजोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत आर्थिक मंदी, बढ़ते कर्ज, महंगाई और बेरोजगारी की समस्याओं से जूझ रहा है, जबकि निवेशकों का भरोसा भी घटा है।

चीमा ने दावा किया कि भारत, जो कभी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, अब नीचे खिसक गया है। उन्होंने ताइवान जैसे छोटे देशों के आर्थिक प्रदर्शन का उदाहरण देते हुए केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरबीआई के हालिया निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि रिस्क बफर में कटौती जैसे कदम वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं और यह केवल बजट संतुलन के लिए उठाए गए कदम प्रतीत होते हैं। वित्त मंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई, तेल की बढ़ती कीमतों और आर्थिक अस्थिरता पर ध्यान देने के बजाय आंकड़ों को छिपाने और जनहित से जुड़े मुद्दों से भटकाने में लगी है। उन्होंने कहा कि देश को पारदर्शी आर्थिक नीतियों, रोजगार सृजन, घरेलू मांग बढ़ाने और महंगाई नियंत्रण पर केंद्रित नीतियों की जरूरत है, न कि राजनीतिक बयानबाजी की।

महिला एसएसपी को धमकाना भाजपा की महिला विरोधी सोच : धालीवाल

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने भाजपा के केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पर नगर निगम चुनाव के दौरान पुलिस अधिकारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर तीखा हमला बोला है।

धालीवाल ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान बिट्टू ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों के साथ धमकी भरी और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने विशेष रूप से संगरूर की एसएसपी नवजोत कौर ग्रेवाल के प्रति कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह महिलाओं के प्रति असम्मान दर्शाता है। आप नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार की सख्त व्यवस्था के चलते पंजाब में मतदान शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कुछ भाजपा नेताओं ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई और बदसलूकी के वीडियो भी सामने आए हैं, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ हैं।

धालीवाल ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, किसानों के मुद्दों और अन्य जनसमस्याओं पर चुप है, जबकि विवादित बयानों और धमकियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि पंजाब में किसी को भी कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और सरकार ईमानदार अधिकारियों के साथ मजबूती से खड़ी है।

मोहाली निकाय चुनाव की मतगणना 29 को

अनंत ज्ञान, साहिबजादा अजीत सिंह नगर। डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी कोमल मित्तल ने बताया कि 26 मई को हुए स्थानीय निकाय चुनावों की मतगणना के लिए नगर निगम मोहाली सहित जीरकपुर, डेराबस्सी, लालड़ू, बनूड़, नयागांव और कुराली में कुल आठ मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि सभी केंद्रों पर मतगणना प्रक्रिया वीडियो कैमरों की निगरानी और कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच करवाई जाएगी, तथा केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। रिहर्सल 28 मई को सुबह 10 बजे निर्धारित केंद्रों पर होगी, जबकि मतगणना 29 मई को सुबह 8 बजे शुरू की जाएगी। प्रशासन ने रिटर्निंग अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। पुलिस को भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने और मतगणना केंद्रों के आसपास अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

सीजीसी यूनिवर्सिटी में भविष्य की शिक्षा के लिए तैयार किया अकादमिक रोडमैप

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर। अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और संस्थागत विकास के उद्देश्य से सीजीसी यूनिवर्सिटी मोहाली में दूसरी अकादमिक काउंसिल (विद्या परिषद) की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में देशभर के शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और वरिष्ठ प्रबंधकों ने विश्वविद्यालय की भावी शैक्षणिक नीतियों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई, जिसके बाद कुलपति प्रो. (डॉ.) विनय गोयल ने विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण को साझा करते हुए अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और छात्र-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। बैठक में शैक्षणिक, परीक्षा और पीएचडी नियमों के साथ-साथ 'एनईपी-2020' के अनुरूप शिक्षा प्रणाली को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स, फिनटेक और अन्य उभरते क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम शुरू करने पर विशेष बल दिया गया।

आईबीएम, ईवाई और केपीएमजी जैसी संस्थाओं के सहयोग से विकसित न्यूटन स्कूल ऑफ एआई एंड कंप्यूटिंग तथा मेटा स्कूल ऑफ बिजनेस के रोडमैप की भी समीक्षा की गई।

बैठक के समापन पर प्रो. (डॉ.) अनुपम शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि संस्थापक कुलाधिपति रशपाल सिंह धालीवाल ने इसे वैश्विक स्तर पर सक्षम और जिम्मेदार नेतृत्व तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

रेवाड़ी में शराब ठेके के विरोध में महिलाओं ने दिया धरना

अनंत ज्ञान

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के भादोज गांव में आबादी के बीच संचालित शराब के ठेके को हटाने की मांग को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित हुई और ठेके के बाहर धरना शुरू कर दिया। महिलाओं ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जल्द कार्रवाई की मांग उठाई है।

प्रदर्शन के दौरान माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया जब कुछ गुस्साई महिलाओं ने ठेके के बाहर रखी शराब की पेटियों को उठाकर बाहर फेंक दिया। महिलाओं का आरोप था कि गांव में शराब का ठेका होने से सामाजिक माहौल लगातार खराब हो रहा है और युवाओं पर इसका गलत प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीण महिलाओं ने कहा कि शराब की वजह से परिवारों में झगड़े बढ़ रहे हैं और गांव का वातावरण प्रभावित हो रहा है। धरने पर बैठी महिलाओं ने बताया कि इससे पहले भी गांव के लोगों की ओर से एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जा चुका है। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से मांग की गई थी कि आबादी क्षेत्र से शराब का ठेका हटाया जाए, क्योंकि इससे सामाजिक और पारिवारिक वातावरण पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। महिलाओं का कहना था कि शिकायत देने के बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है।

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि उनकी मांगों और शिकायतों को संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। हालांकि महिलाओं ने साफ चेतावनी दी कि यदि जल्द ही शराब का ठेका गांव से नहीं हटाया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। महिलाओं ने कहा कि गांव के सामाजिक माहौल और आने वाली पीढ़ी के भविष्य को देखते हुए वे पीछे हटने वाली नहीं हैं। गांव में दिनभर इस मुद्दे को लेकर तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

पंचायत चुनाव : संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा कड़ी

हिमाचल प्रदेश की 1276 पंचायतों में डाले जाएंगे वोट, करीब 18 लाख मतदाता करेंगे भागीदारी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज चुनावों का लोकतांत्रिक महापर्व पूरे उत्साह और जोश के साथ आगे बढ़ रहा है। पहले चरण के मतदान के सफल समापन के बाद अब दूसरे चरण की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच चुकी हैं। मंगलवार शाम को प्रचार अभियान थमने के साथ ही प्रत्याशियों की चुनावी भागदौड़ भी शांत हो गई।

बुधवार को वोट मांगने का डोर टू डोर कार्यक्रम चला रहा और अब जनता की अदालत में फैसला होने का समय आ गया है। वीरवार को प्रदेश की 1276 पंचायतों में सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक मतदान होगा, जिसमें करीब 18 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जानकारी के अनुसार राज्य के ग्रामीण इलाकों में चुनाव को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। गांवों की चौपालों से लेकर बाजारों तक पंचायत चुनाव चर्चा का मुख्य विषय बने हुए हैं। महिलाओं, युवाओं व बुजुर्गों में इस बार विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान के बाद दूसरे चरण में भी बड़ी संख्या में मतदाता मतदान केंद्रों तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चुनाव ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों और

कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने को कहा गया है।

◆ **दूसरे चरण में प्रदेशभर में 7334 वार्डों में होगा मतदान**

दूसरे चरण में 7334 वार्डों में मतदान होगा। पंचायत स्तर के परिणाम देर शाम तक घोषित किए जाएंगे, जबकि जिला परिषद और बीडीसी सदस्यों की मतपेटियों को पुलिस सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा। प्रशासन ने संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया है। कई स्थानों पर विशेष निगरानी दल भी सक्रिय रहेंगे, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

मतदाताओं में दिख रही जागरूकता

पहले चरण में प्रदेशभर में भारी मतदान ने यह संकेत दे दिया है कि ग्रामीण जनता विकास, पारदर्शिता और स्थानीय नेतृत्व को लेकर बेहद जागरूक है। चुनावी मैदान में इस बार युवा उम्मीदवारों और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने लोकतंत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। गांवों में विकास, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से चुनावी चर्चा के केंद्र में रहे।

दुर्गम क्षेत्रों में पहुंचाई गई चुनाव सामग्री

राज्य चुनाव आयोग और प्रत्येक जिला प्रशासन की ओर से मतदान दलों को पहले ही रवाना किया जा चुका है। दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों तक चुनाव सामग्री पहुंचाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। कई पर्वतीय क्षेत्रों में कर्मचारियों को लंबी पैदल यात्राएं कर मतदान केंद्रों तक पहुंचना पड़ा। इसके बावजूद प्रशासन चुनाव को सफल बनाने में पूरी तत्परता से जुटा हुआ है।

गोपालपुर में मतगणना पर्यवेक्षकों और सहायकों ने किया पूर्वाभ्यास

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। गोपालपुर खंड में पंचायती राज चुनावों के अंतर्गत जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति सदस्य पदों की मतगणना प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के उद्देश्य से बुधवार को राजकीय डिग्री कॉलेज सरकाघाट में मतगणना पूर्वाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम सरकाघाट राजेंद्र कुमार गौतम ने की। पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में 27 मतगणना पर्यवेक्षकों तथा 54 मतगणना सहायकों ने भाग लिया। इस दौरान मास्टर ट्रेनर पुनीत प्रभाकर शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतगणना प्रक्रिया से संबंधित सभी आवश्यक पहलुओं की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने मतपत्रों की गणना, अभिलेखों के संधारण, सावधानियों तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम सरकाघाट राजेंद्र कुमार गौतम ने कहा कि मतगणना चुनाव प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण होता है, इसलिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

कार्यक्रम में रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम सरकाघाट राजेंद्र कुमार गौतम ने कहा कि मतगणना चुनाव प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण होता है, इसलिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

पंचायत चुनावों में 75 फीसदी जीत के भाजपा के दावे सिर्फ ख्याली पुलाव : विक्रमादित्य सिंह

लोक निर्माण मंत्री ने कहा- किसी राजनीतिक दल के नहीं होते पंचायत चुनाव

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों के पहले चरण के नतीजों के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल द्वारा पंचायत चुनावों में 75 फीसदी जीत का दावा किए जाने पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने भाजपा के दावों को ख्याली पुलाव और बेबुनियाद बयानबाजी बताते हुए कहा कि पंचायत चुनावों की प्रकृति को समझे बिना राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को कहा कि पंचायत चुनाव किसी राजनीतिक दल के चुनाव नहीं होते, यह स्थानीय स्तर पर व्यक्ति की पहचान, मेहनत और जनता के भरोसे पर आधारित होते हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या पंचायत चुनाव जीतने वाले उम्मीदवारों पर भाजपा या राजीव बिंदल का कोई ठप्पा लगा हुआ है।

उनका कहना था कि जो उम्मीदवार जीतकर आए हैं, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत कार्यशैली, स्थानीय जनसमर्थन और लोगों के विश्वास के दम पर जीत हासिल की है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि भाजपा बिना किसी ठोस आधार के बड़े-बड़े दावे कर रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के अभी दो चरण बाकी हैं और पूरी तस्वीर सामने आने के बाद ही वास्तविक स्थिति साफ होगी। ऐसे में पहले चरण के आधार पर राजनीतिक निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

विक्रमादित्य सिंह ने पंचायत चुनावों को विधानसभा या लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल बताए जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि हर चुनाव की अपनी अलग प्रकृति और गरिमा होती है। पंचायत चुनाव स्थानीय मुद्दों, गांवों की जरूरतों और क्षेत्रीय नेतृत्व पर आधारित होते हैं, जबकि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में राजनीतिक मुद्दे और समीकरण अलग होते हैं। इसलिए पंचायत चुनावों को बड़े चुनावों का सेमीफाइनल बताना पूरी तरह गलत है।

उन्होंने नगर निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए दावा किया कि कांग्रेस ने वहां अच्छा प्रदर्शन किया है और आने वाले नगर निगम चुनावों में भी पार्टी बेहतर नतीजे हासिल करेगी।

साथ ही उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों में जो भी प्रतिनिधि जीतकर आएगा, राज्य सरकार उसके साथ मिलकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाएगी। विक्रमादित्य सिंह ने यह भी कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पंचायत और निकाय चुनावों को लेकर पार्टी का विस्तृत पक्ष अलग से जनता के सामने रखेंगे।

रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे श्यामलाल : केएल राणा

कहा- सरकाघाट और धर्मपुर से इस बार भाजपा का बनेगा जिला परिषद का अध्यक्ष

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। सरकाघाट और धर्मपुर विधानसभा क्षेत्रों के संयुक्त जिला परिषद वार्ड नबाही से चुनाव लड़ रहे भाजपा प्रत्याशी श्यामलाल के सिर इस बार मंडी जिला परिषद का ताज सजने की संभावना जताई जा रही है। यह बात प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश सचिव एवं वरिष्ठ भाजपा नेता केएल राणा ने जनधरू और रखोह में आयोजित जनसभाओं में कही। उन्होंने कहा कि बसंतपुर, जंजैहली, नबाही, जुकैन और ब्राड़ता क्षेत्रों में भारी मतदान हुआ है तथा भाजपा कार्यकर्ताओं और आम जनता ने खुलकर श्यामलाल के समर्थन में मतदान किया है। राणा ने कहा कि उन्हें खुशी होगी यदि श्यामलाल मंडी जिला परिषद के अध्यक्ष बनते हैं, क्योंकि आज तक सरकाघाट और धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के इतिहास में कोई भी जिला परिषद अध्यक्ष नहीं बन पाया है।

केएल राणा ने कहा कि नवाही वार्ड से कुल छह प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जबकि भाजपा की ओर से श्यामलाल अकेले अधिकृत प्रत्याशी हैं, जिन्हें व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि धर्मपुर और सरकाघाट की 15 पंचायतों में लोग श्यामलाल को पसंद कर रहे हैं। इसी कारण श्यामलाल केवल जीत के लिए नहीं, बल्कि जीत का अंतर बढ़ाने के लिए लगातार कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। श्यामलाल के समर्थन में धर्मपुर से पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर, भाजपा नेता राजेश ठाकुर तथा सरकाघाट से विधायक दिलीप ठाकुर ने प्रचार अभियान की कमान संभाल रखी है।

केवल विकास ही मेरा एजेंडा : श्यामलाल

भाजपा प्रत्याशी श्यामलाल ने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य विकास और केवल विकास है। उन्होंने बताया कि वे 15 पंचायतों में घर-घर जाकर लोगों से मिल चुके हैं और क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्या से परिचित हैं। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि उन्हें रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाएं, विकास करवाना उनकी जिम्मेदारी होगी। श्यामलाल ने कहा कि वे स्वयं पेंशनर हैं, इसलिए पेंशनरों की समस्याओं को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सरकाघाट में एक 'मिलन केंद्र' खोलना उनका पहला उद्देश्य रहेगा, ताकि पेंशनर साथियों को एक साझा मंच मिल सके।

भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन की करारी हार

सेवानिवृत्त अधिकारी वीरी सिंह ने 317 वोटों से चटाई धूल

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी को सरकाघाट में उस समय बड़ा झटका लगा, जब पार्टी के मंडल अध्यक्ष पवन कुमार पंचायत चुनाव में बुरी तरह हार गए। यही नहीं पूर्व पंचायतीाज मंत्री वीरेंद्र कंवर के ओएसडी रहे विक्रम सिंह इस चुनाव में मात्र 117 वोट लेकर तीसरे नंबर पर रहे। सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र की जंझैल पंचायत में हुए इस चुनाव में सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी वीर सिंह ने भाजपा मंडल अध्यक्ष को 317 वोटों के भारी अंतर से पराजित कर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। चुनाव परिणाम सामने आते ही पूरे सरकाघाट क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।

पवन कुमार की यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में है, क्योंकि उनकी पत्नी पहले पंचायत प्रधान रह चुकी हैं और स्वयं पवन कुमार भी पंचायत की सत्ता संभाल चुके हैं। इसके बावजूद जनता ने इस बार बदलाव के पक्ष में खुलकर मतदान किया। पंचायत में कुल 1038 मत पड़े, जिनमें वीरी सिंह को 569 वोट मिले, जबकि भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन कुमार को 257 वोट और पूर्व पंचायती राज मंत्री के ओएसडी विक्रम सिंह को मात्र 117 वोट ही मिले। वीरी सिंह के बेटे कुलदीप कुमार वर्मा, जो चंडीगढ़ के आईटी सेक्टर में अपनी कंपनी चलाते हैं, ने पिता की जीत पर पंचायत के पांचों वार्डों को एक-एक लाख रुपए देने की घोषणा की है। कुल 5 लाख रुपए की यह राशि पंचायत विकास कार्यों पर खर्च की जाएगी।

सोहारी में निषेधाज्ञा लागू पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक

अनंत ज्ञान, ऊना। जिला दंडाधिकारी ऊना जतिन लाल ने बंगाणा उपमंडल की ग्राम पंचायत सोहारी में निषेधाज्ञा लागू करने के आदेश जारी किए हैं। हालिया विवादों तथा चुनाव प्रक्रिया के दौरान शांति भंग एवं कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता -2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश दिए हैं। 27 मई को जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं तथा 29 मई प्रातः 6 बजे तक प्रभावी रहेंगे । इस अवधि में पंचायत में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने तथा हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान सार्वजनिक शांति एवं सौहार्द बिगाड़ने वाली हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाएगी तथा उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह निर्णय पुलिस अधीक्षक ऊना की रिपोर्ट एवं अनुशंसा के आधार पर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि पंचायत चुनावों के दूसरे चरण के तहत 28 मई को ग्राम पंचायत सोहारी के लिए मतदान होना है। इसके लिए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टकोली (सोहारी) में मतदान केंद्र बनाया गया है। वहीं उपायुक्त ने स्थानीय पुलिस प्रशासन को आदेशों की कड़ाई से अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

शिमला ग्रामीण में महिला शक्ति के हाथ कमान

कई पंचायतों में महिलाओं ने दर्ज की शानदार जीत, तो कहीं करीबी रहा मुकाबला

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला ग्रामीण क्षेत्र की पंचायतों में हुए प्रधान पद के चुनावों में इस बार महिला शक्ति का प्रभाव साफ तौर पर देखने को मिला। कई पंचायतों में महिलाओं ने शानदार जीत दर्ज कर स्थानीय राजनीति में नई पहचान बनाई, जबकि कुछ पंचायतों में मुकाबला बेहद रोमांचक और कांटे का रहा। चुनाव परिणामों के बाद गांवों में देर रात तक जश्न का माहौल बना रहा और समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ विजयी उम्मीदवारों का स्वागत किया। गालोट पंचायत में रंजना ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 529 वोट प्राप्त किए और महिला नेतृत्व की मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई। घंडल पंचायत में गायत्री ने 290 मत लेकर जीत का परचम लहराया। घेच पंचायत में उमा देवी ने 562 मत प्राप्त कर शानदार विजय हासिल की और अपने विरोधियों को स्पष्ट अंतर से पीछे छोड़ दिया। चानोग पंचायत में लेख राम ने 652 मत हासिल कर प्रभावशाली जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मनोज कुमार को पीछे छोड़ते हुए पंचायत की कमान अपने हाथ में ली। हलोग पंचायत का चुनाव सबसे अधिक चर्चित रहा, जहां प्रीति शर्मा ने 495 मतों के साथ जीत दर्ज की। यहां कई उम्मीदवार मैदान में होने के कारण मुकाबला बेहद रोचक बना रहा। कोट पंचायत में ईश्वरी देवी ने 401 मत लेकर जीत हासिल की और समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। नेरी पंचायत में निर्मला देवी ने करीबी मुकाबले में 204 वोट लेकर बाजी मारी। ओखरू पंचायत में आशा ने 247 मत प्राप्त कर पंचायत की नई प्रधान बनने का गौरव हासिल किया।

◆ **गालोट में रंजना ठाकुर और घंडल पंचायत में गायत्री ने हासिल की शानदार जीत**

वहीं, धामून पंचायत में सुरेंद्र ने 757 मत लेकर बड़ी बढ़त बनाई और जीत अपने नाम की। गणेवग नेहरा पंचायत में मुकाबला काफी दिलचस्प रहा, जहां बॉबी बंसल ने 426 मत हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि अन्य उम्मीदवारों के बीच वोटों का बंटवारा देखने को मिला।

वहीं, पाहल पंचायत में गिरीश शर्मा ने 606 मत लेकर प्रभावशाली जीत दर्ज की और पंचायत की राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ दिखाई। शोघी पंचायत में इंदर सिंह ने 697 मतों के साथ शानदार विजय हासिल कर सबसे बड़ी जीतों में अपना नाम दर्ज कराया। चुनाव परिणामों के बाद विभिन्न पंचायतों में समर्थकों द्वारा मिठाइयां बांटी गईं और जीत को विकास की नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है।

बल्ह की भड़याल पंचायत में पुष्पराज को मिली सरदारी

अनंत ज्ञान

मंडी। मंडी के बल्ह विस क्षेत्र की भड़याल पंचायत में प्रधान पद पर पुष्पराज ने बाजी मार ली है। जबकि उपप्रधान पद के लिए धर्मचंद को चुना गया है। नवनिवार्चित प्रधान पुष्पराज ने अपने प्रतिद्वंद्वी हेमराज को 175 वोटों से मात दी। पुष्पराज ने 593 वोट लिए जबकि हेमराज 418 वोट ही हासिल कर पाए। वहीं उप प्रधान पद पर धर्मचंद आसीन हुए हैं। भड्याल पंचायत के चुनाव का परिणाम मंगलवार की रात को ही घोषित हो गया था। जैसे ही पुष्पराज के प्रधान और धर्मचंद के उपप्रधान बनने की अधिकारिक घोषणा हुई तो उनके समर्थकों ने खूब जश्न मनाया। गौर रहे कि इससे पूर्व भड्याल पंचायत दो बार एससी महिला पद के लिए आरक्षित रही है। जिसमें प्रधान की कमान दो बार महिलाओं ने संभाली है। इस बार चुनाव आयोग ने इस पंचायत के प्रधान पद को अनारक्षित किया था जिसके चलते ओपन सीट से पुष्पराज ने प्रधान पद पर बाजी मार ली। भड्याल पंचायत में कुल सात वार्ड हैं जिनमें खारसी वार्ड से परमानंद आजाद पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं। जबकि अन्य वार्डों भड्याल वार्ड वन से नीलम देवी, भड्याल वार्ड टू से माया देवी, भड्याल वार्ड तीन से अनिता कुमारी, भड्याल वार्ड चार से शीला देवी, मलवाणा वार्ड वन से इंद्र सिंह, मलवाणा वार्ड दो से पुष्पराज और खारसी वार्ड से परमानंद आजाद वार्ड सदस्य का चुनाव जीते हैं।

गौर रहे कि भड़याल पंचायत में पहले नौ वार्ड शामिल थे मगर इस बार सरकार ने भड़याल पंचायत से कुछ वार्ड तोड़कर नई पंचायत टिक्कर कलां बनाई गई है। वहीं नवनिर्वाचित प्रधान पुष्पराज ने भी लोगों को भरोसा दिया कि वे पंचायत के हर गांव के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

बयान पंचायत चुनाव में कांग्रेस समर्थित नेताओं की जीत पर जताई खुशी

जनता के लिए लोकतांत्रिक मूल्य सर्वोच्च : विनय

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने नगर निकाय चुनावों के बाद पंचायतीराज संस्थाओं के पहले चरण में कांग्रेस समर्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं की शानदार जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हिमाचल के ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतंत्र के प्रति लोगों का उत्साह बेहद प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने कहा कि भारी संख्या में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर यह साबित कर दिया है कि प्रदेश की जनता लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च मानती है और कांग्रेस पार्टी हमेशा लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रतिबद्ध रही है। विनय कुमार ने कहा कि प्रदेश की जनता आज भी कांग्रेस की नीतियों, निर्णयों और जनहितकारी सोच पर भरोसा रखती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनमत सर्वोपरि होता है और हिमाचल प्रदेश में लगातार मिल रहा समर्थन यह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि जनता का विश्वास कांग्रेस के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है। उन्होंने प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के प्रति लोगों का भरोसा पार्टी के लिए सबसे बड़ी ताकत है।

भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने भाजपा को पूरी तरह नकारने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे जनहित और विकास कार्यों को पंचायत चुनावों में व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। यह समर्थन आने वाले विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस की मजबूत वापसी और पुनः सरकार बनने की स्पष्ट आहट माना जा रहा है। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने दावा किया है कि हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने प्रचंड जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि 26 मई को प्रदेश की 1293 पंचायतों में हुए मतदान के बाद प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान उम्मीदवार विजयी रहे हैं। डॉ. बिंदल ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पंचायत चुनाव के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली से निराश है। उन्होंने इसे कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का जनमत संग्रह बताते हुए कहा कि गांव-गांव में कांग्रेस के प्रति भारी नाराजगी देखने को मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले महिलाओं, युवाओं, किसानों और कर्मचारियों से बड़े वादे किए थे, लेकिन ढाई वर्षों में जनता को केवल महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के वादे अधूरे हैं, जबकि किसान और बागवान संघर्ष कर रहे हैं।

गोहर खंड में कई पंचायत सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

अनंत ज्ञान

सुनील शर्मा, गोहर। मंडी जिला के गोहर विकास खंड में प्रथम चरण के तहत संपन्न हुए पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के परिणाम घोषित होते ही विभिन्न पंचायतों में जश्न का माहौल देखने को मिला। कई पंचायतों में नए चेहरों ने जीत दर्ज की, जबकि कई सदस्य निर्विरोध चुने गए। विजयी उम्मीदवारों के समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ खुशी मनाई। ग्राम पंचायत बासा में गायत्री देवी प्रधान निर्वाचित हुई हैं, जबकि धीरज कुमार उपप्रधान चुने गए। पंचायत सदस्य पद पर नीलम, रजनी देवी, ललित कुमार, लीला देवी, अजय कुमार, सुनीर लता (निर्विरोध), खिमी देवी, पुष्प राज शर्मा तथा वाम देव विजयी रहे। ग्राम पंचायत छपराहण में कांता देवी ने प्रधान पद पर जीत हासिल की, जबकि चंद्रमणि उपप्रधान चुने गए। पंचायत सदस्य पद पर रमा देवी, सुनीता (निर्विरोध), बेगी देवी, नोख सिंह (निर्विरोध) तथा दुनी चंद निर्वाचित हुए। ग्राम पंचायत तांदी में भगत राम प्रधान तथा दौलत राम उपप्रधान निर्वाचित हुए। पंचायत सदस्य पद पर डोलमा देवी (निर्विरोध), धमेश्वर (निर्विरोध), डिम्पत (निर्विरोध), अमरावती, रामेश्वर, दमोदरी देवी (निर्विरोध) तथा सोनी देवी ने जीत दर्ज की। ग्राम पंचायत शाला में मनोज कुमार प्रधान चुने गए, जबकि बोध राज उपप्रधान निर्वाचित हुए।

पंचायत सदस्य पद पर नीता देवी, केसर सिंह, ज्योति, वसु राम, अछरी देवी (निर्विरोध), यमुना ठाकुर (निर्विरोध) तथा पवन कुमार विजयी रहे। ग्राम पंचायत लोट में खुमेन्द्रा प्रधान तथा खेम सिंह उपप्रधान निर्वाचित हुए। पंचायत सदस्य पद पर तेजवंती, पुरेंद्र कुमार, डोलमा देवी (निर्विरोध), गौरा देवी (निर्विरोध) तथा प्रवीण चुने गए।